MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINI SO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 | मंगलवार, 30 जून, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 10 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-8 | अंक-178

बैंक-चोर मौसेरे भाई!

अयोध्या चढ़ावाकाँड में नोटिस

अयोध्या, 29 जून (एजेंसियां)। अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से जुड़े चढ़ावा चोरी मामले में जांच अब बैंकिंग सिस्टम तक पहुंच गई है। पुलिस ने इस मामले में बड़ा कदम उठाते हुए करीब 6 से 7 बैंकों को नोटिस जारी किया है। इनमें प्रमुख रूप से भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), केनरा बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा शामिल हैं।

File Photo

पुलिस ने इन बैंकों से ट्रस्ट से जुड़े खातों, लॉकर और संदिग्ध वित्तीय लेनदेन का रिकॉर्ड मांगा है। एजेंसियां ये पता लगाने में जुटी हैं कि दान राशि का मूवमेंट कहां-कहां हुआ और कहीं किसी स्तर पर वित्तीय अनियमितता तो नहीं हुई। ट्रांजैक्शन ट्रेल के जरिए पैसे के फ्लो को ट्रेस किया जा रहा है। इसके साथ ही आरोपियों और ट्रस्ट से जुड़े लोगों के बैंकिंग और वित्तीय रिकॉर्ड की भी गहन जांच की जा रही है। ऐसा माना जा रहा है कि बैंक डिटेल्स सामने आने के बाद मामले में कई अहम खुलासे हो सकते हैं। पुलिस बैंक कर्मचारियों और कैश हैंडलिंग में शामिल स्टाफ की भूमिका की भी जांच कर रही है।

दान की गिनती से लेकर बैंक ट्रांसफर तक हर पहलू की जांच

जांच का फोकस इस पर है कि दान की गिनती, उसकी सुरक्षा और बैंक तक पहुंचाने की प्रक्रिया में किन स्तरों पर लापरवाही या मिलीभगत हुई। एसबीआई की शाखा से जुड़े दो कर्मचारी रत्नेश और गगनदीप भी जांच के दायरे में हैं।

ये दोनों बैंक के पेरोल पर कार्यरत हैं। इनके नीचे 6 आउटसोर्सिंग कर्मचारी हैं। इन सभी को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। इन कर्मचारियों की जिम्मेदारी दान की गिनती और उसे सुरक्षित तरीके से बैंक तक पहुंचाने की थी। इन आरोपियों में सुभाष और टीन्नु को छोड़कर बाकी सभी आरोपी आउटसोर्सिंग स्टाफ से जुड़े बताए जा रहे हैं। पुलिस इनकी भूमिका की जांच कर रही है।

एसबीआई नया घाट शाखा में पहुंची पुलिस

इधर, अयोध्या पुलिस की टीम एसबीआई की नया घाट शाखा भी पहुंची। इसी शाखा में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का मुख्य बैंक खाता संचालित होता है। पुलिस ने बैंक स्टाफ से पूछताछ शुरू कर दी है।

जांच टीम बैंकिंग प्रक्रिया से जुड़े हर पहलू को खंगाल रही है। कोई कोर-कसर नहीं छोड़ना चाहती है। पुलिस यह समझने की कोशिश कर रही है कि दान राशि की काउंटिंग, कैश हैंडलिंग और बैंक तक ट्रांसफर की प्रक्रिया में कहां-कहां गड़बड़ी हुई। पुलिस बैंक मैनेजर से भी पूछताछ करेगी। उनका बयान दर्ज होगा। जांच में बैंक रिकॉर्ड, सीसीटीवी फुटेज और कैश मूवमेंट से जुड़े दस्तावेज शामिल होंगे।

सीबीआई जाँच फिलहाल नहीं

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले दान में कथित वित्तीय अनियमितताओं और हेराफेरी की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की मांग को लेकर पेश जनहित याचिका पर सोमवार को जल्द सुनवाई करने से इनकार कर दिया। याचिका में मंदिर कोष से जुड़े सभी भौतिक, इलेक्ट्रॉनिक और वित्तीय रिकॉर्ड को तुरंत सुरक्षित रखने के निर्देश देने की भी मांग की गयी है। न्यायमूर्ति एम. एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति शील नागू की अवकाशकालीन पीठ ने अधिवक्ता एन. के. गोस्वामी के जल्द सुनवाई के लिए जनहित याचिका का उल्लेख किये जाने पर कहा कि इस मामले पर उचित समय पर विचार किया जायेगा। पीठ ने याचिकाकर्ताओं को याचिका की एक प्रति रजिस्ट्री को सौंपने का निर्देश दिया। उल्लेख के दौरान वकील ने दलील दी कि ऐसी आशंका है कि जब तक इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को सुरक्षित रखने के निर्देश जारी नहीं किये जाते, तब तक उनके साथ छेड़छाड़ की जा सकती है।

अधिवक्ता अजय कुमार राय और दिनेश कुमार यादव की ओर से दायर इस याचिका में राम मंदिर निर्माण के लिए जनता से मिले दान में गबन, हेराफेरी और दुरुपयोग के आरोपों की सीबीआई द्वारा एक नियमित आपराधिक मामला दर्ज कर स्वतंत्र और समयबद्ध जांच कराने के निर्देश देने की मांग की गयी है। याचिका पर विचार लंबित रहने तक, इसमें दान रजिस्टर, खाता बही, सीसीटीवी फुटेज, बैंक रिकॉर्ड और सॉफ्टवेयर डेटाबेस सहित सभी भौतिक, इलेक्ट्रॉनिक और वित्तीय रिकॉर्ड को सुरक्षित रखने के निर्देश देने की भी मांग की गयी है, ताकि उनके साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ की आशंका को दूर किया जा सके। ▶8पर

ओवैसी बोले-सूली पर चढ़ा देते

बिजनौर (उत्तर प्रदेश): उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में हैदराबाद के सांसद और एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने राम मंदिर चंदा चोरी के मुद्दे को लेकर बीजेपी पर जमकर निशाना साधा। इस दौरान उन्होंने बाबरी मस्जिद के गिराए जाने का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अगर ट्रस्ट में कोई मुस्लिम होता तो उसके घर पर बुलडोजर चला देते और उसका एनकाउंटर कर देते। इस दौरान उन्होंने आगामी यूपी विधानसभा चुनाव को लेकर संभावित गठबंधन पर भी अपनी राय खुलकर रखी।

असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, मुझे याद है सुप्रीम कोर्ट ने अपने जजमेंट में कहा था कि 6 दिसंबर 1992 को जो हुआ वो कानून का खुला उल्लंघन था। मुझसे पूछा गया कि राम मंदिर चंदा चोरी पर आप क्या कहेंगे।

अगर ट्रस्ट में कोई मुस्लिम होता और बाद में जैसे ये घोटाला सामने आया तो उसका एनकाउंटर कर देते। बुलडोजर से उसका घर तोड़ देते और केस क्लोज। चंपत तो मजे में हैं। जिनकी गिरफ्तारी हुई उनकी पुलिस कस्टडी भी नहीं ली जाती। आज मेरे बोलने के बाद शायद पुलिस कस्टडी ले ले।

इशारों-इशारों में राहुल-अखिलेश पर बरसे

यूपी में गठबंधन को लेकर उन्होंने कहा, हम नहीं चाहते हैं कि यूपी में दोबारा बीजेपी की सरकार बने। पहले भी कहा था, आज भी कह रहा हूं। बीजेपी को रोकने के लिए अगर हमसे गठबंधन करने के लिए तैयार हैं, तो ओवैसी आधे रास्ते चलकर आने को तैयार है। अगर गठबंधन इज्जत, मान, सम्मान के साथ होगा तो ओवैसी उस गठबंधन के साथ काम करने को तैयार है, लेकिन आप समझते हैं कि हमारा काम सिर्फ दरी बिछाना है तो कोई दरी नहीं बिछाएगा। दरी बिछाने के दिन खत्म हो गए हैं, अब हक-सम्मान की लड़ाई होगी। अब नेता बनाया जाएगा।

उन्होंने कहा, बीजेपी तो मुसलमान को टिकट नहीं देती है और ये जो अपने आप को सेक्यूलर कहते हैं, वो सिर्फ गुलाम बनाने के लिए टिकट देती हैं। आपने सबका इस्तेमाल कर लिया, लेकिन कोई भी फिरकापरस्ती नहीं रोक पाया। इसलिए आप अगर सिर्फ वोटर बने रहेंगे तो आपके मसले हल नहीं होंगे। यूपी में आज क्या-क्या हो रहा है। 200 साल से मस्जिद है, पुलिस स्टेशन बाद में आया तो मस्जिद तोड़ने का नोटिस दिया जाता है। 250 साल से मस्जिद है, रेलवे स्टेशन बाद में आया तो मस्जिद तोड़ने का नोटिस दिया जाता है।

उन्होंने कहा, बीजेपी-आरएसएस को रोकने की जिम्मेदारी सिर्फ उत्तर प्रदेश के मुसलमानों की नहीं है, ये पूरे यूपी के नागरिकों की जिम्मेदारी है। विपक्ष पर तंज कसते हुए ओवैसी ने कहा, अब चुनाव आ रहा है। हमारे दोस्त कहेंगे कि ये हमारे वोट को डिवाइड करने आ रहा है। अरे कौन सा वोट डिवाइड हो रहा है। कैसे बीजेपी एक के बाद एक चुनाव जीत रही है। ▶8पर

भारत पर बेबुनियाद आरोप

पाक की 'ड्रोन जलन'?

नयी दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ एक बार फिर भारत के खिलाफ जहर उगलते नज़र आए हैं। हाल ही में उन्होंने अफगानिस्तान में हुए ड्रोन हमलों का ठीकरा भारत के सिर पर फोड़ दिया। पाकिस्तान का दावा है कि भारत ने अफगानिस्तान को भेजी जा रही मेडिकल सहायता की खेप में इज़राइल में बने ड्रोन छिपाकर भेजे, जिनका इस्तेमाल पाकिस्तान के खिलाफ किया गया। हालांकि, इस आरोप के समर्थन में पाकिस्तान की ओर से कोई सबूत या आधिकारिक प्रमाण पेश नहीं किया गया है, जिससे यह दावा फिलहाल बिना पुष्टि वाला ही माना जा रहा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक रक्षा विश्लेषक ने ख्वाजा आसिफ के इस बयान की खुलकर आलोचना की है। विश्लेषक का कहना है कि आसिफ के इस बयान ने फिर से इस बात पर बहस छेड़ दी है कि क्षेत्रीय आरोप लोगों की सोच पर कैसे असर डाल सकते हैं, खासकर तब जब वे बिना किसी सबूत के लगाए जाएं। विश्लेषकों का मानना है कि पाकिस्तान दरअसल भारत की तेज़ी से फल-फूल रही ड्रोन इंडस्ट्री से खिसियाया हुआ है। बीते साल मई में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय ड्रोनों ने पाकिस्तान के कब्ज़े वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया था, जिससे पाकिस्तानी सेना और सरकार काफ़ी परेशान है। ▶8पर

AI generated

चीन में शी का 'सफाया'

6 टॉप जनरलों सहित आठ बर्खास्त

नयी दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। चीन से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है। यहां सरकार ने एक साथ कई बड़े सैन्य अधिकारियों और नेताओं को उनके पद से हटा दिया है। यह कार्रवाई शुक्रवार को हुई है और इसकी जानकारी सरकारी न्यूज एजेंसी शिन्हुआ ने दी है। इस लिस्ट में पूर्व वित्तीय नियामक प्रमुख ली युंझे और पोलित ब्यूरो के सदस्य मा शिंगरुई का नाम भी शामिल है, जो हाल ही में जांच के दायरे में आए थे। खास बात यह है कि अभी तक यह साफ नहीं हुआ है कि इन सभी को आखिर किस वजह से हटाया गया है।

चीन की सरकारी न्यूज एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि देश की टॉप विधायी संस्था नेशनल पीपल्स कांग्रेस ने छह सैन्य सांसदों के साथ-साथ दो बड़े नेताओं के पदों को खत्म कर दिया है। नेशनल पीपल्स कांग्रेस चीन की सबसे बड़ी कानून बनाने वाली संस्था है, इसलिए इसमें होने वाले बदलाव बहुत अहम माने जाते हैं। हटाए गए नेताओं में पूर्व वित्तीय नियामक प्रमुख ली युंझे और हाल ही में जांच का सामना कर रहे पोलित ब्यूरो सदस्य मा शिंगरुई का नाम शामिल है। यह जानकारी नेशनल पीपल्स कांग्रेस की स्टैंडिंग कमेटी की तरफ से जारी एक नोटिस में दी गई है। इस नोटिस में किसी को भी हटाने की वजह नहीं बताई गई है। इसके अलावा चीन के डिफेंस मिनिस्ट्री से जब इस मामले पर जवाब मांगा गया तो वहां से भी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

शी जिनपिंग के भ्रष्टाचार विरोधी अभियान की सबसे बड़ी कार्रवाई

बता दें कि यह कार्रवाई राष्ट्रपति शी जिनपिंग के भ्रष्टाचार विरोधी अभियान का ही एक हिस्सा है। यह अभियान पिछले कई सालों से चल रहा है और इसमें कई बड़े अधिकारियों और टॉप जनरलों की जांच हुई है, उन्हें हटाया गया है और पद से भी बेदखल किया गया है। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31°
न्यूनतम : 24°

4 जुलाई पर दुनिया की निगाहें

अमेरिकी स्वतंत्रता दिवस, खामेनेई की विदाई

नयी दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। जुलाई की शुरुआत में दुनियाभर में बड़ी हलचल देखी जा सकती है। अमेरिका एक तरफ जहां बड़े जोर-शोर से चार जुलाई को अपना स्वतंत्रता दिवस मना रहा होगा, वहीं ईरान अपने सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनेई को अंतिम विदाई दे रहा होगा। इन दोनों ही घटनाओं पर दुनियाभर की नजरें होंगी। चार जुलाई को अमेरिका की आजादी की 250वीं वर्षगांठ होगी। ऐसे में अमेरिका में हफ्तेभर तक कार्यक्रम किए जाएंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह चार जुलाई को नेशनल मॉल में होने वाले दुनिया के सबसे शानदार आयोजन को संबोधित करेंगे। वहीं, ईरान तीन से पांच जुलाई तक आयतुल्लाह अली खामेनेई को अंतिम विदाई दे रहा है। उनके जनाजे में करोड़ों लोगों के शामिल होने की उम्मीद जताई जा रही है। अगर ऐसा होता है तो यह दुनिया का अब तक का सबसे बड़ा जनसैलाब होगा। इससे पहले 1989 में ईरान के पहले सर्वोच्च नेता रुहोल्लाह खुमैनी के जनाजे में तकरीबन एक करोड़ लोग जुटे थे। उनके उत्तराधिकारी अली खामेनेई पश्चिम एशिया के सबसे लंबे समय तक सत्ता में रहने वाले प्रमुख थे। इस साल 28 फरवरी को इजरायल और अमेरिका के संयुक्त हवाई हमलों में उनकी हत्या कर दी गई थी। अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर 13,000 से अधिक हवाई हमले किए, जिसके कारण आयतुल्लाह को अंतिम विदाई देना बेहद जोखिम भरा हो गया था। हालांकि आठ अप्रैल से अमेरिका और ईरान के बीच अस्थायी युद्धविराम लागू है। ▶8पर

हसीना लौट जाएँगी!

जमात पर बैन की माँग से भूचाल

नयी दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। बांग्लादेश की राजनीति में एक बार फिर बड़े उथल-पुथल की खबर है। देश के हालिया घटनाक्रम कुछ गंभीर इशारे कर रहे हैं। 22 जून को सत्तारूढ़ गठबंधन ने एक बार फिर कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी बांग्लादेश पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। इसी बीच, 2024 के जुलाई-अगस्त आंदोलन के दौरान देश छोड़कर गईं तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना ने बांग्लादेश लौटने का ऐलान कर दिया है। फिर से प्रतिबंध की खबरों के बीच जमात-ए-इस्लामी ने सरकार से सवाल किया है कि क्या बीएनपी अवामी लीग को फिर से बांग्लादेश की राजनीति की मुख्यधारा में लाना चाहती है।

ये घटनाएं 2024 के छात्र आंदोलन के बाद बनी नई राजनीतिक व्यवस्था को चुनौती दे रही हैं। 2024 के जुलाई-अगस्त आंदोलन के बाद शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के पतन के साथ ही जमात-ए-इस्लामी पर लगा पुराना प्रतिबंध हटा लिया गया था। अंतरिम सरकार और सुप्रीम कोर्ट के फैसलों ने पार्टी को नए सिरे से संगठित होने का मौका दिया। फरवरी 2026 के आम चुनाव में जमात-ए-इस्लामी ने 68 सीटें जीतकर मुख्य विपक्षी दल की भूमिका हासिल की। BNP के तारिक रहमान के नेतृत्व वाली सरकार के सामने ▶8पर

अमेरिका-ईरान हमले रोकने पर सहमत, कतर की राजधानी दोहा में मंगलवार को वार्ता संभव, प्रमुख न्यूज वेबसाइट का दावा

वाशिंगटन

अमेरिकी न्यूज वेबसाइट एक्सियोस ने एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी के हवाले से दावा किया है कि अमेरिका और ईरान एक-दूसरे पर हमले रोकने पर सहमत हो गए हैं। एक्सियोस ने कहा कि दोनों पक्षों के मंगलवार को कतर की राजधानी दोहा में मिलने की उम्मीद है। दोनों पक्ष होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर अपने विवाद और मतभेद को सुलझाने पर बातचीत करेंगे। होर्मुज तेल आपूर्ति का एक अहम रास्ता है।

एक्सियोस की रिपोर्ट के अनुसार, इस अधिकारी ने कहा कि इस वक्त दोनों पक्ष मंगलवार को कतर की राजधानी दोहा में होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट आफ होर्मुज) को लेकर अपने विवाद को सुलझाने के लिए बैठक करने की योजना बना रहे हैं। दोहा वार्ता में अमेरिकी तकनीकी टीम के प्रमुख निक स्टीवर्ट के शामिल होने की उम्मीद है।

इस अधिकारी ने कहा, हमने सभी तरह की सैन्य कार्रवाई रोकने का फैसला किया है। एक दूसरे अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि दोनों पक्ष फिलहाल पीछे हटेंगे और जहाज आजादी से आ-जा सकेंगे क्योंकि तकनीकी बातचीत जारी रहेगी। दोनों अमेरिकी अधिकारियों और मामले की जानकारी रखने वाले एक तीसरे सूत्र ने मंगलवार को होने वाली बैठक की पुष्टि की।

शुरुआत में यह बैठक स्विट्जरलैंड में ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर चर्चा के लिए प्रस्तावित थी, लेकिन हालिया सैन्य टकराव के बाद इसका स्थान बदलकर कतर की राजधानी दोहा किया गया है। अब बैठक का एजेंडा सीमित कर केवल होर्मुज से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित किया गया है। व्हाइट हाउस ने प्रस्तावित वार्ता पर अभी तक कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है।

उल्लेखनीय है कि होर्मुज जलडमरूमध्य दोनों देशों के बीच हुए समझौते को लागू करने में सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। ईरान ने होर्मुज से कमर्शियल जहाजों के सुरक्षित गुजरने की सुविधा देने के लिए पूरी कोशिश करने का वादा किया था। इसके बदले में अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों पर लगी नाकाबंदी हटा ली थी। पिछले सप्ताह स्विट्जरलैंड में बातचीत के दौरान दोनों पक्ष हाटलाइन स्थापित करने पर भी राजी हुए थे। अरब न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के प्रकाशन कार्यालय के सदस्य मेहदी फजाइली ने रविवार को सरकारी टीवी को बताया कि देश पर हुए हमलों और अमेरिका के साथ हुए समझौते की शर्तें पूरी न होने के कारण ईरान रविवार को होने वाली तकनीकी बातचीत में शामिल नहीं हुआ।

न्यूज ब्रीफ

प्रधानमंत्री मोदी शामिल हुए सेशेल्स के राष्ट्रीय दिवस के जश्न में

विक्टोरिया (सेशेल्स)। भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को सेशेल्स की स्वतंत्रता की 50वीं वर्षगांठ के मौके पर राजधानी विक्टोरिया में आयोजित राष्ट्रीय दिवस समारोह के जश्न में शामिल हुए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा इस समारोह में शामिल होना उनके लिए सम्मान की बात है। उन्होंने सेशेल्स के लोगों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। सेशेल्स के राष्ट्रीय दिवस समारोह में शामिल होना मेरे लिए सम्मान की बात है। यह समारोह सेशेल्स की आजादी की स्वर्ण जयंती का प्रतीक है। यह अवसर पिछले पचास वर्ष में सेशेल्स के लोगों की शानदार यात्रा को एक उचित श्रद्धांजलि थी। उन्होंने कहा, भारत को सेशेल्स के विकास के सफर में एक भरोसेमंद दोस्त और साझेदार के तौर पर उसके साथ खड़े होने पर गर्व है। हमारी साझेदारी साझा मूल्यों और लोगों के बीच आपसी संबंधों के मजबूत होने के साथ और भी गहरी होती जा रही है। मुझे पूरा भरोसा है कि आने वाले समय में हमारी दोस्ती और भी मजबूत होगी। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सेशेल्स की आजादी की 50वीं सालगिरह के मौके पर आयोजित नेशनल डे के जश्न में गेस्ट आफ आनर के तौर पर शामिल हुए और ऐसा सम्मान पाने वाले वे पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने। उन्होंने कहा, इस परेड में भारतीय नौसेना और सेना की टीमों वाली एक भारतीय मार्चिंग टुकड़ी ने हिस्सा लिया। भारतीय मार्चिंग यूनिट का हिस्सा एक भारतीय नौसेना बैंड भी रहा। यह भारत और सेशेल्स की करीबी और खास साझेदारी को दिखाता है। एक खास पहल के तहत आईएनएस तरकश और आईएनएस इक्षक को पोर्ट विक्टोरिया में खड़ा किया गया। यह सेशेल्स के साथ भारत की पुरानी दोस्ती को दर्शाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस ऐतिहासिक मौके पर सेशेल्स के लोगों को भारत की ओर से शुभकामनाएं दीं।

पाकिस्तान का अफगान सीमा पर हवाई हमला, 25 आतंकियों को मारने का दावा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की संघीय सरकार ने कराची में सिंध रेंजर्स मुख्यालय पर हमले के बाद 28 और 29 जून की दरमियानी रात अफगान सीमा पर हवाई हमले कर 25 आतंकवादियों को मार गिराने का दावा किया है। सूचनामंत्री अताउल्लाह तरार ने इसकी पुष्टि की है। पाकिस्तानी सेना की मीडिया एवं जनसंपर्क शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के रावलपिंडी मुख्यालय ने कहा कि यह कामयाबी खुफिया आधारित अभियान में मिली। पाकिस्तान के समाचार चैनल जियो न्यूज और दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, सूचनामंत्री तरार ने एक्स पर कहा कि सुरक्षा बलों ने इस अभियान में कुल 29 आतंकवादियों को मार गिराया है। यह हमले हाल ही में पाकिस्तान के अंदर खैबर पख्तूनख्वा और बलोचिस्तान में निर्दोष लोगों और कराची में पाकिस्तान रेंजर्स (सिंध) मुख्यालय के खिलाफ हुई आतंकवादी घटनाओं के बाद किए गए।

अब भारतीयों का ट्रंप पर भरोसा हुआ कम, 25 सालों में सबसे ज्यादा आई गिरावट

वाशिंगटन। भारतीयों का अमेरिकी सरकार पर भरोसा पिछले 25 सालों में सबसे कम हो गया है। वहीं अमेरिका के बारे में नकारात्मक राय रिकार्ड ऊंचाई पर पहुंच गई है। भारतीयों ने विदेशी नेताओं में सबसे ज्यादा रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को पसंद किया है। दुनियाभर में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बारे में लोगों की राय अच्छी नहीं है। 2026 के ग्लोबल ओपिनियन सर्वे के पुराने डेटा के मुताबिक भारतीय दुनिया के दूसरे बड़े नेताओं की तुलना में रूस के पुतिन पर ज्यादा भरोसा करते हैं। व्लादिमीर पुतिन पर 51 फीसदी लोगों ने भरोसा जताया है। इसके बाद डोनाल्ड ट्रंप 39फीसदी, इजरायली पीएम नेतन्याहू 34फीसदी, फ्रांसीसी प्रेसिडेंट इमैनुएल मैक्रों 33फीसदी, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की 29फीसदी और शी जिनपिंग छठें नंबर पर 25फीसदी लोगों के भरोसेमंद हैं। सर्वे से पता चलता है कि 45फीसदी भारतीय अमेरिका के बारे में सकारात्मक राय रखते हैं जबकि 31फीसदी की राय नकारात्मक है। यह पिछले 25 सालों में सबसे ज्यादा नकारात्मक रेटिंग है। सिर्फ 39फीसदी भारतीयों को भरोसा है कि ट्रंप वैश्विक मामलों में सही कदम उठाएंगे, जो 25 साल में किसी अमेरिकी राष्ट्रपति पर भरोसे की सबसे कम रेटिंग है। ये आंकड़े पिछले साल की तुलना में बहुत बड़ा बदलाव है।

नेपाल में दुश्मनी भुलाकर दोस्त बनेंगे ओली-प्रचंड बालेन शाह के डर से बदल रहे है, सारे समीकरण

काठमांडु

नेपाल की राजनीति में एक बार फिर बड़ा उलटफेर होता दिख रहा है, जहां सालों तक एक-दूसरे के सबसे बड़े राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी रहे केपी शर्मा ओली और पुष्प कमल दहल प्रचंड अब फिर करीब आ रहे हैं। दोनों नेताओं के बीच लगातार बातचीत चल रही है और संकेत मिल रहे हैं कि जल्द ही वामपंथी दलों का एक नया गठबंधन बन सकता है। यह सवाल हर किसी के मन में है कि आखिर ऐसा क्या हुआ कि सत्ता के लिए एक-दूसरे से भिड़ने वाले ये दो नेता फिर से साथ आने को तैयार हो गए राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इसकी सबसे बड़ी वजह सिर्फ सत्ता की लालसा नहीं, बल्कि नेपाल की बदलती राजनीतिक परिस्थितियां और नए प्रधानमंत्री बालेन शाह का बढ़ता दबदबा है।

बालेन शाह के सत्ता में आने के बाद से पुराने नेताओं की मुश्किलें बढ़ गई हैं, क्योंकि उनकी सरकार बड़े नेताओं की संपत्ति और भ्रष्टाचार के मामलों की जांच करा रही है। ऐसे में ओली और प्रचंड को लगने लगा है कि अगर वे अलग-अलग रहे तो उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है, और एकजुट होकर ही वे इस नई चुनौती का सामना कर सकते हैं। हालांकि, उनका यह गठबंधन कितने दिन चल पाएगा, यह देखने वाली बात होगी, क्योंकि उनका इतिहास काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा है। केपी शर्मा ओली, एक गरीब परिवार से उठकर प्रधानमंत्री की कुर्सी तक पहुंचे, जिन्होंने कम्युनिस्ट आंदोलन के दौरान 14 साल जेल में बिताए। वह धीरे-धीरे यूएमएल के सबसे ताकतवर नेता बने और उन्हें बेहद चालाक, जिद्दी और हमेशा अपनी शर्तों पर खेलने वाला माना जाता है। भारत विरोधी नेता के तौर पर इनकी छवि बनी हुई है। दूसरी ओर, पुष्प कमल दहल प्रचंड ने 10 सालों तक हिंसक माओवादी आंदोलन चलाया और 2006 में शांति समझौते के बाद राजनीति में आ गए। आज भी उनकी इमेज एक ऐसे नेता की है जो कभी भी पाला बदल सकते हैं। हालांकि, ओली और प्रचंड में एक बात कामन है कि दोनों सत्ता चाहते हैं, और इसी सत्ता के लिए वे कभी दोस्त तो कभी दुश्मन बनते रहे हैं।

उनकी दोस्ती और दुश्मनी का इतिहास काफी पुराना है। 2015 में नेपाल का नया संविधान बना और दोनों जानते थे कि अकेले लड़कर नहीं जीत सकते। ओली और प्रचंड पहली बार 2017 में साथ आए, जिसका फायदा हुआ और उन्होंने दो तिहाई बहुमत हासिल कर लिया। गठबंधन का फार्मूला था कि ढाई साल केपी ओली और ढाई साल पुष्प कमल दहल प्रचंड पीएम बनेंगे। यह प्लान सुनने में जितना अच्छा था, उतना जमीन पर लागू नहीं हो पाया। 2018 में दोनों दलों का विलय हो गया और नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी बनी। लेकिन ओली को सत्ता का सुख इतना अच्छा लगा कि उन्होंने दहल को किनारे करना शुरू कर दिया, कैबिनेट में दहल के लोगों को कम महत्व मिला, पार्टी के फैसले भी ओली अकेले लेने लगे और दहल को पीएम भी नहीं बनने दिया। अंततः सुप्रीम कोर्ट ने पार्टी का विलय खत्म कर दिया।

दूसरी बार वे 2022 में साथ आए, लेकिन तब उनकी दोस्ती 2 महीने भी नहीं चली। दरअसल, 2022 के चुनाव में दोनों अलग-अलग लड़े और दोनों कमजोर हुए। दहल को लगा कि ओली के बिना सरकार नहीं बनेगी, लेकिन बाद में दहल ने 2 महीने बाद नेपाली कांग्रेस के साथ मिलकर ओली को हटा दिया और खुद पीएम बन गए। ओली को यह विश्वासघात लगा और रिश्तों में कड़वाहट आ गई। अब एक बार फिर, बालेन शाह के बढ़ते प्रभाव के कारण, सिर्फ ओली और प्रचंड ही नहीं, बल्कि दोनों दलों के कई बड़े नेता भी लगातार संपर्क में हैं। राज्य सरकारों में तालमेल, संविधान की रक्षा और साझा रणनीति जैसे मुद्दों पर बातचीत चल रही है। 28 जून को मदन भंडारी की 75वीं जयंती पर होने वाले एक कार्यक्रम में ओली और प्रचंड लंबे समय बाद एक ही मंच पर नजर आएंगे। इसे दोनों नेताओं के रिश्तों में आई नई नरमी का एक बड़ा संकेत माना जा रहा है। यह कार्यक्रम पब्लिक को यह संदेश देगा कि दोनों साथ हैं और उनके काडर को कम्युनिस्ट एकता फिर से बनने का मैसेज मिलेगा, साथ ही सरकार को भी चेतावनी होगी कि उसे मिलकर घेरा जाएगा।

यूक्रेन के ड्रोन हमले में रूस की रिफाइनरी में लगी आग, पुतिन का चुनौतियों से निपटने का दावा

मास्को/कीव

यूक्रेन ने आक्रामक रुख अपनाते हुए रूस पर ड्रोन हमला किया है। यूक्रेनी ड्रोन हमले में रूस की तेल रिफाइनरी में आग लग गई है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इस हमले के कुछ घंटे बाद रविवार को सुरक्षा पक्की करने और चुनौतियों से निपटने का वादा किया।

द मास्को टाइम्स और तास की रिपोर्ट के अनुसार, कीव इन हमलों को फरवरी 2022 में शुरू हुए युद्ध के बाद से यूक्रेनी नागरिकों और ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर रूस के लगभग रोजाना होने वाले हमलों का उचित बदला मानता है।

पुतिन ने यूनाइटेड रशिया पार्टी के सम्मेलन में कहा, हां, हम समस्याओं को देख रहे हैं। हमें उनके बारे में पता है और हम उनका जवाब दे रहे हैं। हम निश्चित रूप से देश और अपने नागरिकों की सुरक्षा के साथ-साथ रूस की सीमाओं की अखंडता भी सुनिश्चित करेंगे।

पुतिन का यह भाषण यूक्रेन के एक ड्रोन हमले के कुछ घंटों बाद आया। इस हमले में रूस के दक्षिणी क्रास्नोडार क्षेत्र में एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक रिफाइनरी में आग लग गई। क्षेत्रीय गवर्नर वेनियामिन कोंद्रात्येव ने यह जानकारी दी। कीव ने इस हमले की जिम्मेदारी ली और यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने इसे उन आपरेशन्स का हिस्सा बताया जो रूस की युद्ध लड़ने की क्षमता को कम करते हैं।

जेलेंस्की ने रविवार को एक्स पर कहा, क्रास्नोडार क्षेत्र में स्लाव्यांस्क तेल रिफाइनरी पर हमला हुआ। यह स्थान फ्रंटलाइन से लगभग 300 किलोमीटर दूर है। हमने यारोस्लाव क्षेत्र में भी एक रिफाइनरी को निशाना बनाया, जो हमारी सीमा से लगभग 700 किलोमीटर दूर है। पिछले सप्ताह यूक्रेन के हमले के कारण मास्को के दक्षिण-पूर्व में एक रिफाइनरी में भीषण आग लग गई थी। इससे राजधानी का बाहरी इलाका धुएं से भर गया था।

रूस के कब्जेवाले क्रीमिया ने शुक्रवार को प्रायद्वीप पर बढ़ते यूक्रेनी हवाई हमलों के असर को कम करने के लिए आपातकालीन स्थिति घोषित की है।

यह क्षेत्र ईंधन की कमी और बिजली कटौती से जूझ रहा है। यह स्थिति यूक्रेनी हमलों के कारण उत्पन्न हुई है।

ईरान से दुबई के लिए उड़ानें फिर शुरू होंगी, यात्रियों को मिलेगा फायदा

तेहरान। जंग कहीं भी हो आम आदमी के लिए परेशानी का कारण बनती है। जंग ही है जिसके कारण दुबई जाने वाले यात्री लंबे समय से उड़ाने शुरु होने का इंतजार कर रहे थे। अब उनके लिए खुशखबरी है कि ईरान से दुबई के लिए उड़ाने शुरु हो गई हैं। दोनों देशों के बीच एक जुलाई से फिर से यह सेवा बहाल होगी। ईरान के नागरिक उड्डयन संगठन के प्रवक्ता माजिद अखवान ने जानकारी दी है कि दोनों देशों के नागरिक उड्डयन संगठन ने तेहरान से दुबई के लिए उड़ानें बहाल करने की मंजूरी दे दी है। गौरतलब है कि ईरान के विमानन अधिकारियों ने जून की शुरुआत में देश के पश्चिमी हिस्से का हवाई क्षेत्र बंद कर दिया था। इस फैसले के पीछे इजरायल के साथ बढ़ता तनाव था। इसके बाद ईरान ने बीते मंगलवार को देश के पश्चिमी हिस्से में हवाई यात्रा बहाल करने का फैसला किया। ईरान-अमेरिका ने 18 जून की रात वर्चुअली एक समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं। इस समझौते का उद्देश्य दोनों देशों के बीच 28 फरवरी से शुरू हुए सैन्य संघर्ष को समाप्त करना है। इस समझोते में अमेरिका के समुद्री नाकेबंदी हटाने और ईरान के होर्मुज जलडमरूमध्य में नौवहन बहाल करने की समयसीमा भी तय की गयी है। इसके अलावा ईरान ने परमाणु हथियार हासिल न करने की प्रतिबद्धता जतायी है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम के मुद्दे को अलग समझौते के जरिये सुलझाया जायेगा। दोनों पक्ष इस मामले पर 60 दिनों के भीतर बातचीत करेंगे।

पाकिस्तान का गैस संकट: ईरान से सस्ते तेल और गैस आयात की उम्मीद

इस्लामाबाद

पाकिस्तान वर्तमान में एक गंभीर गैस संकट से जूझ रहा है, जिससे उसके अधिकांश हिस्सों में उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस स्थिति से निपटने के लिए, अब पाकिस्तान की उम्मीदें पड़ोसी देश ईरान पर टिकी हैं, जहां से उसे सस्ते तेल और गैस आयात करने की संभावना दिख रही है। यह उम्मीद ऐसे समय में जगी है जब हाल ही में अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम हुआ है, जिसमें पाकिस्तान ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

पाकिस्तानी अर्थशास्त्री महमूद रसूल ने बताया है कि देश के कई हिस्सों में, खासकर पंजाब प्रांत में, गैस की गंभीर कमी है। स्थिति ऐसी है कि सरकार को उपभोक्ताओं को दिन में केवल कुछ घंटों के लिए ही गैस आपूर्ति करनी पड़ रही है। इस ऊर्जा संकट के कारण न केवल घरेलू उपभोक्ता बल्कि उद्योग भी प्रभावित हो रहे हैं, जिससे देश की अर्थव्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है। हालिया घटनाक्रम में, अमेरिका ने ईरान पर लगाए गए प्रतिबंधों में अस्थायी तौर पर ढील दी है। उसने 60 दिनों की छूट जारी की है, जो ईरान को विशिष्ट शर्तों के तहत कच्चा तेल और पेट्रोलियम उत्पाद निर्यात करने की अनुमति देती है। हालांकि यह प्रतिबंधों की स्थायी छूट नहीं है और यह अमेरिका-ईरान वार्ताओं के परिणाम के आधार पर नवीनीकृत या समाप्त की जा सकती है, लेकिन इस फैसले ने ईरान से ऊर्जा आयात की संभावनाओं को खोल दिया है। इस छूट के बाद, कई हलकों से ईरान से सस्ता तेल और गैस खरीदने की मांग उठने लगी है ताकि आम जनता को बढ़ती महंगाई से राहत मिल सके। पाकिस्तान के पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने लाहौर में इस मुद्दे पर बात करते हुए कहा कि ईरान-अमेरिका संघर्ष समाप्त होने के बाद खाड़ी क्षेत्र में शांति बहाल हुई है, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पेट्रोलियम की कीमतों में गिरावट आई है। मलिक ने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान अब ईरान से सस्ते दामों में तेल और गैस आयात करने के विकल्प पर गंभीरता से विचार कर रहा है। उन्होंने यह भी दोहराया कि पाकिस्तान सरकार अंतरराष्ट्रीय समझौतों और दायित्वों के अनुसार काम करना जारी रखेगी, जिसका अर्थ है कि कोई भी आयात समझौता वैश्विक मानदंडों और संधियों के दायरे में ही होगा। मंत्री मलिक ने इस दौरान कुछ तत्वों पर पेट्रोलियम की कीमतों के बारे में जनता को गुमराह करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने यह सुनिश्चित किया है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पेट्रोलियम की कम कीमतों का फायदा तुरंत जनता तक पहुंचे। अमेरिका-ईरान युद्ध के समय पाकिस्तान में पेट्रोलियम की कीमतें 414 रुपए प्रति लीटर तक बढ़ गई थीं, जिससे आम लोगों की जेब पर भारी बोझ पड़ा था। वर्तमान में, पेट्रोल की कीमत 300 रुपए प्रति लीटर है, जो पहले की तुलना में कुछ राहत प्रदान करती है, लेकिन गैस संकट अभी भी एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। ईरान से ऊर्जा आयात की संभावना पाकिस्तान के लिए न केवल अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने का एक सस्ता विकल्प प्रदान कर सकती है, बल्कि भू-राजनीतिक संबंधों को मजबूत करने का अवसर भी बन सकती है।

तनाव बढ़ाने वाले बयान दे रहे नेता, लाए जा रहे पुराने मुद्दे, भारत ने नहीं दी कोई प्रतिक्रिया

ढाका

भारत और बांग्लादेश के बीच हाल ही में पटरी पर लौटते दिख रहे रिश्तों में एक बार फिर तनाव की आशंका पैदा हो गई है। इसकी वजह बांग्लादेश के विपक्षी दल नेशनल सिटिजन्स पार्टी (एनसीपी) के ऐसे बयान हैं, जिनमें भारत से माफी मांगने की मांग की गई है, साथ ही पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी पर भी टिप्पणी की गई है। फिलहाल, भारत की ओर से इन बयानों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। यह घटनाक्रम तब सामने आया है जब भारत ने हाल ही में बांग्लादेशी नागरिकों के लिए सामान्य यात्रा वीजा जारी करने की प्रक्रिया फिर से शुरू करके दोनों देशों के रिश्तों को स्थिर करने का प्रयास किया था, जिसका ऐलान बांग्लादेश में भारत के नए उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी ने पद संभालने के बाद किया था। रिपोर्ट के अनुसार, एनसीपी सांसद और विपक्ष के चीफ व्हिप नाहिद इस्लाम ने बांग्लादेशी संसद में बजट पर चर्चा के दौरान कहा

कि भारत को आवामी लीग का 16 साल तक समर्थन करने के लिए माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत ने अभी तक बांग्लादेश के हालिया राजनीतिक इतिहास में अपनी भूमिका को स्वीकार नहीं किया है। नाहिद ने जोर देकर कहा कि बांग्लादेश के अपने पड़ोसियों के साथ रिश्ते बराबरी और सम्मान के आधार पर होने चाहिए। उन्होंने नए भारतीय उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी का नाम लेते हुए कहा, नए भारतीय उच्चायुक्त को माफी से शुरुआत करनी चाहिए। 16 सालों से भारत की सरकार प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से आवामी लीग को सत्ता में रखने में मदद कर रही है और इसके लिए उसे बांग्लादेश से माफी मांगनी चाहिए। इसके अलावा, नाहिद ने भारत पर उस्मान हादी के हत्यारों को पनाह देने का भी आरोप लगाया और इसके लिए भी माफी की मांग की। नाहिद इस्लाम ने भारतीय सीमा बलों पर बांग्लादेशी नागरिकों की हत्या का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बीएनपी सरकार के सत्ता में आने के बाद करीब 10 बांग्लादेशी भारत के सीमा सुरक्षा बल की तरफ से मारे जा चुके हैं। उन्होंने बीएनपी पर टिप्पणी करते हुए कहा कि हम देखना चाहते हैं कि राष्ट्रवादी कही जाने वाली यह पार्टी सीमा पर हत्याओं को कैसे रोकती है। ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक, नाहिद ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी पर भी गैर-जिम्मेदाराना बयानों का आरोप लगाया और बांग्लादेश सरकार तथा विदेश मंत्रालय से मजबूती से जवाब देने का आग्रह किया। यह सब ऐसे समय में हो रहा है जब भारत सरकार ने बांग्लादेश में भारत के उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी को केंद्रीय कैबिनेट मंत्री के समकक्ष दर्जा दिया है। गृह मंत्रालय द्वारा जारी एक आदेश में कहा गया कि यह दर्जा केवल रस्मी कार्यक्रमों के लिए एक व्यक्तिगत व्यवस्था के तहत दिया गया है। 25 जून को पदभार संभालने के बाद, त्रिवेदी ने बांग्लादेशी नागरिकों के लिए सामान्य यात्रा वीजा सेवा फिर से शुरू करने की घोषणा की थी। यह सेवा लगभग दो साल पहले, मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के दौरान सुरक्षा हालात बिगड़ने और नई दिल्ली के साथ संबंधों में तनाव आने के कारण रोक दी गई थी। त्रिवेदी ने बताया कि वीजा के लिए आवेदन 28 जून से ढाका, राजशाही, चटगांव, सिलहट और खुलना सहित सभी पांच केंद्रों से जमा किए जा सकेंगे, और भविष्य में इस प्रक्रिया का और विस्तार किया जाएगा।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपके पास आज अतिरिक्त ऊर्जा है, जो आपको किसी पार्टी या कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए प्रेरित करेगी। आप अपने पहनावे और बरताव में नयापन रखें। सेमिनार में हिस्सा लेकर आज आप कई नए विचार पा सकते हैं। वक्त से हर काम को पूरा करना ठीक होता है अगर आप ऐसा करते हैं तो आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाते हैं। अगर आप हर काम को कल पर टालते हैं तो अपने लिए आप कभी समय नहीं निकाल पाएंगे। दाम्पत्य जीवन मे नयापन होगा चहरे पर मुस्कुराहट होगी । बच्चों के साथ गौशाला मे जाकर सेवा करें और दान करें

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

शारीरिक तौर पर तंदुरुस्त रहने के लिए शाकाहारी भोजन की आदत अपनाए । अगर आप सूझ–बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं। आज न सिर्फ़ अजनबियों से, बल्कि दोस्तों से सावधान रहने की ज़रूरत भी है। प्यार के नज़रिए से यह दिन बेहद ख़ास रहेगा। किसी साझीदारी वाले व्यवसाय में जाने से बचें – क्योंकि मुमकिन है कि भागीदार आपका फ़ायदा उठाने की कोशिश करें। ज़रूरतमंदों की मदद करने की आपकी ख़ासियत आपको सम्मान दिलाएगी। आज आप महसूस करेंगे कि जीवनसाथी के साथ की एहमियत कितनी हैं ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड,छ,के,को,ह

आज अगर आप दूसरों की बात मानकर निवेश करेंगे, तो आर्थिक नुक़सान तक़रीबन पक्का है। आज के दिन बिना कुछ ख़ास किए आप आसानी से लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने में क़ामयाब रहेंगे। आज आप कुछ अलग क़िस्म के रोमांस का अनुभव कर सकते हैं। योग्य कर्मियों को पदोन्नति या आर्थिक मुनाफ़ा हो सकता है। आज आपको ढेरों दिलचस्प निमंत्रण मिलेंगे– साथ ही आपको एक आकस्मिक उपहार भी मिल सकता है। यह एहसास आज अपने जीवनसाथी से मिल सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

बहुत ज़्यादा चिंता करना मानसिक शांति को बर्बाद कर सकता है। इससे बचें, क्योंकि ज़रा–सी चिंता और मानसिक तनव भी शरीर पर ख़राब असर डालते हैं। नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं । अगर वो गुस्से में हैं तो उन्हें शांत करने की कोशिश करें। काम में आपकी दक्षता की आज परीक्षा होगी। आज आप सबसे दूर होकर अपने आप के लिए वक्त निकाल पाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएँ। आज आप अपने किसी वादे को पूरा नहीं कर पाएंगे जिसकी वजह से आपका प्रेमी आपसे नाराज हो जाएगा। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे। आध्यात्म की ओर आज आपका झुकाव देखा जा सकता है और आप किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं। परिवार के सदस्यों की बातों को नजरअंदाज करना आप को नुकसानदेह साबित हो सकती हैं पहली प्राथमिकता परिवार को देनी चाहिए।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज धन का आगमन आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। आज के दिन बिना कुछ ख़ास किए आप आसानी से लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने में क़ामयाब रहेंगे। उदास न हों, कभी–कभी विफल होना कोई ख़राब बात नहीं है। वक्त के साथ चलना आपके लिए अच्छा है लेकिन साथ ही आपको यह समझना भी जरुरी है कि जब कभी आपके पास खाली समय हो अपने करीबियों के साथ वक्त बिताएं। आज आपका मन धार्मिक कार्यों में रमेगा जिससे आपको मानसिक शांति का अनुभव होगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। दोस्तों और परिवार के साथ मज़ेदार समय बीतेगा। जो अपने प्रिय के साथ छुट्टियाँ बिता रहे हैं, ये उनकी ज़िन्दगी के सबसे यादगार लम्हों में से होंगे। संतोषजनक परिणाम पाने के लिए काम को योजनाबद्ध तरीक़े से करें, दफ़्तर की परेशानियों को हल करने में आपको मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। आपको और आपके जीवनसाथी को कोई बहुत सुखद ख़बर सुनने को मिल सकती है। जिससे शाम का वक्त बहुत ही खुशनुमा बितेगा आप एकदम रिलैक्स फील करेंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपकी कोई चल संपत्ति चोरी हो सकती है इसलिए जितना हो सके इनका ध्यान रखें। एक बेहतरीन शाम के लिए रिश्तेदार/दोस्त घर आ सकते हैं। शाम ढलते–ढलते कोई आकस्मिक प्यारभरा झुकाव आपके दिलोदिमाग़ पर छा सकता है। कार्यक्षेत्र के नज़रिए से आज का दिन आपका है। इसका भरपूर फ़ायदा उठाएँ। दूसरों की राय को ग़ौर से सुनें– अगर आप आज वाक़ई फ़ायदा चाहते हैं तो। आज आपको सच्चे प्यार का एहसास होगा। बच्चों की पढाई पर आप को बहुत महनत करनी पडेगी , अन्यथा बच्चों को भविष्य मे अधिक परिश्रम करना पडेगा ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज किसी करीबी से आपका झगड़ा हो सकता है और बात कोर्ट कचहरी तक जा सकती है। जिसकी वजह से आपका अच्छा खास धन खर्च हो सकता है। कुल मिलाकर फ़ायदेमंद दिन है। लेकिन आप समझते थे जिसपर आप आँखें बंद करके यक़ीन कर सकते हैं, वह आपके भरोसे को तोड़ सकता है। आपकी क़ामयाबी में महिलाएँ अहम किरदार अदा करेंगी, चाहे आप किसी भी क्षेत्र में क्यों न हों। अगर आप ख़रीदारी पर जाएँ तो ज़रूरत से ज़्यादा जेब ढीली करने से बचें। अपने जीवनसाथी से बात करें और कुछ मस्तीभरी योजना बनाएँ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आप उचित बचत कर पाने में सक्षम होंगे। आपके पास आज अतिरिक्त ऊर्जा है आप आज प्यार की मनोदशा में होंगे– और आपके लिए काफ़ी मौक़े भी होंगे। भागीदार आपकी योजनाओं और व्यावसायिक ख़यालों के प्रति उत्साही होंगे। दिन उम्दा है, आज के दिन अपने लिए समय निकालें और अपनी कमियों और खुबियों पर गौर फर्माएं। इससे आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन आएंगे। आज आपका वैवाहिक जीवन हँसी–ख़ुशी, प्यार और उल्लास का केन्द्र बन सकता है

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपको कमीशन, लाभांश या रोयल्टी के ज़रिए फ़ायदा होगा। आपके जीवनसाथी की सेहत आपको चिंता में डाल सकती है। आज कार्यक्षेत्र में आपकी ऊर्जा घर के किसी मसले को लेकर कम रहेगी। इस राशि के कारोबारियों को आज के दिन अपने साझेदारों पर नजर बनाए रखने की जरुरत है, वो आपको नुक्सान पहुंचा सकते हैं। अपने शरीर को दुरुस्त करने के लिए आज भी आप कई बार सोचेंगे लेकिन बाकी दिनों की तरह भी आज यह प्लान धरा का धरा रह जाएगा। आपका जीवनसाथी आपको प्यार का एहसास देना चाहता है, उसकी मदद करें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

ख़र्चों में हुई अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी आपके मन की शांति को भंग करेगी। आपका मज़ाकिया स्वभाव आपके चारों ओर के वातावरण को ख़ुशनुमा बना देगा। फूल देकर अपने प्यार का इज़हार करें। कार्यक्षेत्र में समझ–बूझ के उठाए गए आपके क़दम फलदायी होंगे। इससे आपको समय पर योजनाएँ पूरी करने में मदद मिलेगी। साथ ही नई परियोजनाएँ शुरू करने के लिए सही समय है। आज आप अपने जीवनसाथी को सरप्राइज दे सकते हैं, अपने सारे कामों को छोड़कर आज आप उनके साथ वक्त बिता सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 30 जून 2026, मंगलवार
विक्रम संवत : 2083
मास : आषाढ़ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : प्रतिपदा अहोरात्र
नक्षत्र : पूर्वाषाढा अहोरात्र
योग : ब्रह्म दोपहर 03:18 तक
करण : बालव सायं 06:36 तक
चन्द्रराशि : धनु
सूर्योदय : 05:45, सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:57 सूर्यास्त 06:49 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:48, सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:38 , सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहूकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : आषाढ़ मास आरंभ

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

पीआरएसआई हैदराबाद चैप्टर की 55वीं वार्षिक आम सभा सम्पन्न

व्यावसायिक उत्कृष्टता की दिशा में बनाई कार्ययोजना, कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए

सदस्यता विस्तार, क्षमता निर्माण और डिजिटल संचार पर रहेगा विशेष फोकस

हैदराबाद, 29 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई), हैदराबाद चैप्टर, तेलंगाना राज्य ने हैदराबाद प्रेस क्लब में व्यावसायिक उत्कृष्टता की ओर प्रयास विषय के साथ अपनी 55वीं वार्षिक आम सभा का सफल आयोजन किया। बैठक की अध्यक्षता चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. यादगिरी कंभमपाटी ने की।

अपने स्वागत उद्बोधन में डॉ. कंभमपाटी ने वर्ष 2025-26 के दौरान चैप्टर द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी देते हुए सदस्यों के सहयोग एवं योगदान के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि सदस्यों के सामूहिक प्रयासों के परिणामस्वरूप चैप्टर को देहरादून में आयोजित 47वें अखिल भारतीय जनसंपर्क सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ चैप्टर पुरस्कार तथा सर्वश्रेष्ठ सचिव पुरस्कार प्राप्त हुआ। वार्षिक आम सभा में कई महत्वपूर्ण नियुक्तियों की घोषणा की गई। श्री श्रीकर रेड्डी (सीईओ, पीआर सूत्र) ने उपाध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया, जबकि डॉ. बिक्शा केथावत (प्रेक्स, एआईआर) को कार्यकारिणी समिति का सदस्य बनाया गया। अंतरराष्ट्रीय जादूगर डॉ. समाला वेणु एम. को राष्ट्रीय परिषद का नया सदस्य नामित किया गया, जिससे चैप्टर में राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों की संख्या बढ़कर सात हो गई। पूर्व अध्यक्ष श्री प्रमोद राव को सलाहकार नियुक्त किया गया।

सदस्यता विस्तार के उद्देश्य से चैप्टर ने ईच वन ब्रिंग वन (प्रत्येक सदस्य एक नया सदस्य जोड़े) अभियान को पुनः जारी रखने का निर्णय लिया।

सभा में निर्णय लिया गया कि नए सदस्यों से प्राप्त सदस्यता शुल्क का 50 प्रतिशत चैप्टर की वित्तीय स्थिरता को सुदृढ़ करने हेतु कॉर्पस फंड में जमा किया जाएगा। साथ ही समाचार भवन, मसाब टैंक, प्रेस अकादमी, चैपल रोड तथा अन्य उपयुक्त स्थानों पर स्थायी कार्यालय स्थापित करने की संभावनाओं का अध्ययन किया जाएगा। वर्ष 2026-27 के लिए चैप्टर ने कई महत्वाकांक्षी योजनाओं की घोषणा की। पीआरएसआई स्टूडेंट फोरम के अंतर्गत विभिन्न शिक्षण संस्थानों के साथ हुए एमओयू के आधार पर 13 संस्थानों में व्याख्यान एवं कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

इसके अतिरिक्त ‘‘बोर्ड रूम से क्लास रूम तक पीआर‘‘ पहल के तहत जुड़वां शहरों के तीन विद्यालयों के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं तथा विद्यार्थियों के साथ कई संवाद कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए जा चुके हैं। संस्था के वरिष्ठ स्तंभ एवं पाँच कार्यकाल तक अध्यक्ष रहे स्वर्गीय एन. एल. नरसिम्हा राव की स्मृति में एक विशेष स्मारक व्याख्यान आयोजित करने का निर्णय लिया गया। पूर्व अध्यक्ष परिषद की ओर से श्री वाई. बाबजी ने आश्वासन दिया कि परिषद भविष्य में विभिन्न जन-जागरूकता कार्यक्रमों के आयोजन में चैप्टर का सहयोग करेगी।

सभा के दौरान जनवरी-जून 2026 अवधि के लिए 'पब्लिक रिलेशंस वॉइस' के 74वें संस्करण का विमोचन किया गया। इस अंक का संपादन श्री वाई. बाबजी ने किया है। सदस्यों ने चौथे तेलंगाना पीआर सम्मेलन के सफल आयोजन की भी सराहना की।

चैप्टर के सचिव श्री के. राजेश ने वर्ष 2025-26 की वार्षिक गतिविधि रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया तथा विभिन्न पहलों के प्रमुख सहयोगी एवं प्रायोजक के रूप में एनएमडीसी के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया। बैठक का समापन तेलंगाना में जनसंपर्क पेशे को क्षमता निर्माण, उद्योग जगत से बेहतर समन्वय तथा डिजिटल-प्रथम संचार रणनीतियों के माध्यम से और अधिक सशक्त बनाने के संकल्प के साथ हुआ।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के नियमित अन्नदान में नए सदस्यों का हुआ सम्मान

हैदराबाद, 29 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में सोमवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का श्रद्धा एवं सेवा भाव के साथ आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया गया। सेवा कार्य में सभी सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए मानवता की मिसाल प्रस्तुत की। इस अवसर पर राधे-राधे ग्रुप के नए सदस्य राजश्री कोठारी एवं सुरेश कोठारी का समूह की ओर से सम्मानपूर्वक स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। उपस्थित सदस्यों ने पुष्पमाला एवं सम्मान स्वरूप उनका अभिनंदन करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके जुड़ने से सेवा कार्यों को और अधिक गति मिलेगी। अपने विचार व्यक्त करते हुए सुरेश कोठारी ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद निस्वार्थ सेवा, समर्पण और मानवता का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि बिना किसी भेदभाव के प्रतिदिन जरूरतमंदों तक भोजन पहुँचाने का यह अभियान अत्यंत प्रेरणादायक है। ऐसे सेवा कार्य समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं और प्रत्येक व्यक्ति को अपनी क्षमता के अनुसार समाज सेवा के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वे भी भविष्य में ग्रुप की सभी सेवा गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता निभाते रहेंगे। इस अवसर पर सुभाष अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, उमाकांत गुप्ता, उर्मिला गुप्ता, राजश्री कोठारी, सुरेश कोठारी सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने सेवा कार्य में सक्रिय सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम का समापन सभी के उज्ज्वल स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि एवं निरंतर सेवा कार्यों की सफलता की मंगलकामना के साथ हुआ।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के हैदराबाद आगमन पर आयोजित बूथ अध्यक्षों की विजय संकल्प सभा में उपस्थित भाजपा तेलंगाना अल्पसंख्यक मोर्चा के उपाध्यक्ष समीर खान, महामंत्री सतीश हुंडिया, मीडिया कन्वीनर मुकेश जैन चौहान, सरदार मनदीप सिंह संधु, संजय जैन एवं अन्य।

जमीन विवाद को लेकर तहसीलदार को ज्ञापन, किसान ने दी आंदोलन की चेतावनी

मदनूर, 29 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्थानीय निवासी हनमलू पुत्र बलना संदुरवार ने सोमवार को तीसरी बार प्रजा वाणी कार्यक्रम में मंडल तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा।

उन्होंने बताया कि मैसम्मा तालाब के पास सर्वे नंबर 681, 683, 709 की उनकी 9 गुंटा जमीन है। आरोप है कि गौड़ बंधुओं ने बिना सूचना के उनके खेत के गेट पूरी तरह हटा दिए, जिससे उन्हें अपनी जमीन की पहचान नहीं हो पा रही है।

हनमलू ने तहसीलदार से मांग की कि गौड़ बंधुओं पर कानूनी कार्रवाई कर एक सप्ताह के भीतर उनकी 9 गुंटा जमीन वापस दिलाई जाए, अन्यथा वे तहसीलदार कार्यालय के सामने आंदोलन करेंगे।

डॉ. बी. रवींद्र नायक को वैद्य शिरोमणि पुरस्कार

हैदराबाद, 29 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर तेलंगाना चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के निदेशक डॉ. बी. रवींद्र नायक को राज्य का एकमात्र 'वैद्य शिरोमणि पुरस्कार 2026' दिया जाएगा।

तेलंगाना बुद्धिजीवी मंच के अध्यक्ष डॉ. राज नारायण मुदिराज ने बताया कि पुरस्कार 1 जुलाई को सुबह 11 बजे, कोटी स्थित स्वास्थ्य निदेशालय कार्यालय में प्रदान किया जाएगा।

डॉ. नायक पिछले 35 वर्षों से गरीबों के स्वास्थ्य और रोग-मुक्त समाज के लिए कार्यरत हैं। उन्होंने वारंगल व खम्मम के ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक चिकित्सा सेवाएं दी हैं और कई जागरूकता शिविर, रैलियां व संगोष्ठियां आयोजित की हैं। गरीबों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के उत्कृष्ट प्रयासों के लिए उन्हें यह सम्मान दिया जा रहा है।

श्री रंगनाथ स्वामी ब्रह्मोत्सव में पूर्व विधायक दसारी मनोहर रेड्डी शामिल

पेद्दापल्ली, 29 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली मंडल के बोमपल्ली गांव में आयोजित श्री रंगनाथ स्वामी ब्रह्मोत्सव में पूर्व विधायक श्री दसारी मनोहर रेड्डी ने भाग लिया। गांववासियों के निमंत्रण पर उन्होंने भगवान के दर्शन कर विशेष पूजा की। इस अवसर पर ग्रामीणों व मंदिर समिति ने श्री रेड्डी का शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया। उन्होंने श्री रंगनाथ स्वामी से सभी परिवारों पर कृपा बनाए रखने की कामना की।

कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष मरकू लक्ष्मण, टाउन अध्यक्ष उप्पू राजकुमार, इठड नेता सलेंद्र रामुलु यादव, कोमरेश, अंजैया, सतीश, सादी, लिंगैया, शंकरैया, चंटी हरीश सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जनसुनवाई कार्यक्रम: डीआरओ राजेश्वरी ने अधिकारियों को दिए निर्देश

पेद्दापल्ली, 29 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। सोमवार को कलेक्ट्रेट मीटिंग हॉल में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में जिला राजस्व अधिकारी राजेश्वरी ने जनता से आवेदन लिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी आवेदनों का शीघ्र निस्तारण करें और जनसुनवाई के आवेदनों को सर्वोच्च प्राथमिकता दें, कोई भी आवेदन लंबित न रखें।

प्रमुख मामले: शमीम सुल्ताना, पेद्दापल्ली: करीमनगर में घर होने के कारण इंदिराम्मा हाउस के लिए आवेदन किया। डीआरओ ने पीडी हाउसिंग को पत्र लिखकर मामले की जांच के निर्देश दिए।

गोपाल स्वामी, रामागुंडम: पैरालिसिस से ग्रस्त व चइअ पास हैं। नौकरी के लिए आवेदन पर डीआरओ ने इनहेरिटेंस ऑफिसर को कार्रवाई के निर्देश दिए।

सना कोमुरय्या, मेदाराम: आंगनवाड़ी टीचर द्वारा अवैध रूप से दिव्यांग/विधवा पेंशन लेने की शिकायत पर जिला कल्याण अधिकारी को जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए।

कार्यक्रम में कलेक्ट्रेट डी. डिवीजन सुपरवाइजर ईश्वर प्रसाद सहित संबंधित जिला अधिकारी मौजूद रहे।

पोलियो ड्रॉप अभियान: जिला स्पेशल ऑफिसर ने किया निरीक्षण

बांसवाड़ा, 29 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला स्पेशल ऑफिसर डॉ. प्रदीप कुमार ने सोमवार को बांसवाड़ा मंडल के हनमाजीपेट पीएचसी अंतर्गत कोनापुर सब-सेंटर का दौरा किया। उन्होंने स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देश दिए कि 0-5 साल तक के सभी बच्चों को पोलियो ड्रॉप्स देना सुनिश्चित करें। डॉ. मानसा ने बताया कि गांव में 5 साल से कम उम्र के 199 बच्चों में से 191 को पोलियो ड्रॉप्स दी जा चुकी हैं।निरीक्षण के दौरान मेडिकल स्टाफ डॉ. जी. मानसा, हेल्थ वर्कर के. श्रावणी, आंगनवाड़ी टीचर विनयरानी, आशा वर्कर्स सत्यवती, अनुराधा व अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

पेद्दापल्ली जिला सरकारी अस्पताल को राज्य स्तर पर 4 अवॉर्ड

पेद्दापल्ली, 29 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीसी जेएसी स्टेट चेयरमैन जाजुला श्रीनिवास गौड़ ने कहा कि पेद्दापल्ली जिला सरकारी अस्पताल को राज्य स्तर पर चार अवॉर्ड मिलना जिले के लिए गर्व की बात है। उन्होंने अस्पताल सुपरिटेंडेंट डी. श्रीधर को सम्मानित किया और वार्डों का दौरा कर मरीजों की सुविधाओं का जायजा लिया।

उन्होंने डॉक्टरों को 'भगवान का रूप' बताते हुए कहा कि ये अवॉर्ड डॉक्टरों व स्टाफ के समर्पण का प्रमाण हैं। साथ ही उम्मीद जताई कि भविष्य में यह अस्पताल राज्य के अन्य सरकारी अस्पतालों के लिए मॉडल बनेगा। कार्यक्रम में बीसी जेएसी डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन दसारी उषा, वाइस प्रेसिडेंट कोंडी सतीश, महिला कन्वीनर सिरवेनी स्वप्ना, कोमाटिपल्ली सदानन्दम समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

मंचेरियाल नगर परिषद की सभा में हंगामा, 3 भाजपा पार्षद निलंबित

मंचेरियाल, 29 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगर परिषद की साधारण सभा में हंगामा हो गया। महापौर धरनी मधुकर ने भाजपा के तीन पार्षदोंमुकेश गोड, कस्तूरी नागराज व बोटला अनिताको सभा न चलने देने और बार-बार बाधा डालने के आरोप में निलंबित कर दिया।

सूचना मिलते ही भाजपा जिलाध्यक्ष नगनूरी वेंकटेश गोड के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने नगर परिषद के सामने धरना देकर महापौर व आयुक्त अन्वेष के खिलाफ नारेबाजी की। बाद में सीआई प्रमोद राव ने समझाकर धरना हटवाया।भाजपा नेताओं ने नगर परिषद कार्यालय से आई.बी. चौराहे तक रैली निकालकर आंबेडकर प्रतिमा को ज्ञापन सौंपा। पार्षद मुकेश गोड ने आरोप लगाया कि नगर परिषद में मनमाने ढंग से काम हो रहा है, करोड़ों का भ्रष्टाचार है और केंद्र सरकार की निधि का दुरुपयोग हो रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्षदों के अलावा अन्य पार्षदों को नजरअंदाज किया जा रहा है।

वट सावित्री पूर्णिमा पर महिलाओं ने की पति की दीर्घायु की कामना

मदनूर, 29 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। संयुक्त मंडल व विभिन्न गांवों में सोमवार को विवाहित महिलाओं ने वट सावित्री पूर्णिमा व्रत भक्तिभाव से मनाया। महिलाओं ने वट वृक्ष को देव वृक्ष मानकर जड़ में जल अर्पित किया और कच्चा सूत, फल-फूल, धूप-दीप व सुहाग सामग्री से पूजा की। 108 बार कच्चा सूत लपेटकर वृक्ष की परिक्रमा करते हुए महिलाओं ने पति की लंबी आयु, अच्छे स्वास्थ्य और सुखद वैवाहिक जीवन की प्रार्थना की। मान्यता है कि वट वृक्ष में ब्रह्मा, विष्णु और महेश का वास होता है।

क्या आप जानते हैं, घर के मुख्यद्वार के सामने कौन से पेड हो कौनसे नहीं

वास्तु और फेंगशुई के अनुसार घर में छोटे-छोटे और कुछ विशेष पेड पौधों को लगाना अच्छा माना जाता है तुलसी और बेंबु, मनीप्लांट, अपराजिता, जैसे कई पौधे हैं जिन्हे घर में लगाना बहुत शुभ माना जाता है लेकिन कुछ ऐसे पेड़ या पौधे भी होते है जिसे घर के सामने होना अच्छा नहीं माना जाता है। कई घरों के मुख्य द्वार के सामने कैक्टस के छोटे पौधे लगा देते हैं, चाँदनी बेल या मनीप्लांट लगा देते हैं, जिससे मुख्य द्वार में अवरोध पैदा हो जाता है।

इस प्रकार के घर में भी बाधा का कारण बनता है। मुख्य द्वार के सामने या अंदर की ओर कोई नुकीली चीज हो तो वहाँ रहने वालों को कोई न कोई बाधा आती रहेगी। इसी प्रकार यदि घर के सामने बिजली का खंभा या ट्रांसफार्मर लगा हो तो आपके यहाँ अच्छी ऊर्जा आने के बजाय निगेटिव ऊर्जा आएगी, जिसके कारण उस घर में रहने वाले लोगों को मानसिक तनाव होगा। उनका स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा।

पूर्व में पीपल का पेड नहीं होना चाहिए। अकारण भय व धन की हानि होती है। आग्नेय में अनार का पेड अति शुभ परिणाम देने वाला होता है। दक्षिण में गुलर का पेड शुभ रहेगा। नैऋत्य में इमली शुभ रहती है। दक्षिण नैऋत्य में जामुन और कदंब का पेड शुभ रहता है। उत्तर में पाकड का पेड लगाना ठीक रहेगा। ईशान में आँवला का पेड अति फलदायी रहता है। ईशान-पूर्व में आम का पेड शुभ रहता है। इस प्रकार हम पेड लगाकर शुभाशुभ फल प्राप्त कर सकते हैं।

मुख्य द्वार के सामने कोई रास्ता द्वार की ओर जा रहा हो तब भी बाधा का कारण बनता है। ग्रह स्वामी की अकाल मृत्यु हो सकती है। घर के सामने बडा वृक्ष रहे तो वहाँ रहने वालों की प्रगति में बाधा का कारण बनता है। यदि उस वृक्ष की छाँव घर पर पडती हो तो नुकसानप्रद रहता है। जबकि उसकी छाया कहीं से भी मकान पर नहीं पडती हो तो हानि नहीं होगी। कई जगह बंगलों में या घरों के सामने लंबे अशोक वृक्ष लगा दिए जाते हैं, जिससे घर में आड सी हो जाती है। यहाँ भी घर में रहने वालों की प्रगति के मार्ग में बाधा का कारण बनता है। जहाँ तक हो सके मुख्य द्वार को बाधा से रहित ही रखना चाहिए।

जब किस्मत साथ न दे तो सुख सौभाग्य प्राप्ति को करें यह उपाय

घर में स्थापित देवी- देवताओं को रोज फूलों से श्रृंगारित करना चाहिए। इस बात का ध्यान रखें कि फूल ताजे ही हो। सच्चे मन से देवी-देवताओं को फूल आदि अर्पित करने से वे प्रसन्न होते हैं व साधक का भाग्य चमका देते हैं।

घर को साफ-स्वच्छ रखें- प्रतिदिन सुबह झाड़ू-पोछा करें। शाम के समय घर में झाड़ू-पोछा न करें। ऐसा करने से मां लक्ष्मी रूठ जाती हैं और साधक को आर्थिक हानि का सामना करना पड सकता है।

कोशिशों के बाद भी आप किसी काम में बार-बार असफल हो रहे हैं या मेहनत के अनुसार सफलता नहीं मिल पा रही है। ऐसे में किस्मत या भाग्य का साथ न होने की बात कही जाती है। ज्यादा धन या पैसा कमाने के लिए किस्मत का साथ होना बहुत जरूरी है अन्यथा इस मनोकामना की पूर्ति होना असंभव सा ही है। ज्योतिष में कई ऐसे उपाय बताए गए हैं जिन्हें अपनाने से दुर्भाग्य पीछा छोड देता है और भाग्य साथ देने लगता है। जब किस्मत साथ न दे तो करें यह उपाय इस छोटे से उपाय द्वारा बदकिस्मत लोगों की भी किस्मत साथ देने लगेगी ।

यदि आपको भी पूरी मेहनत के बाद उचित सफलता प्राप्त नहीं हो रही है तो प्रतिदिन सूखे आटे में थोडी सी हल्दी मिलाकर गाय को खिलाएं। ऐसा नियमित रूप से प्रतिदिन करें। गाय को सभी शास्त्रों के अनुसार पूजनीय एवं पवित्र माना गया है। गाय में ही सभी देवी-देवताओं का वास है और इसकी पूजा करने से भक्त को भाग्य का साथ मिलता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार गौमाता को संतुष्ट करनेपरवे सेवक को सेवाके प्रतिफल में आशीर्वादस्वरूपसभी मनोकामनाओं को पूर्ण करती हैं। गाय को सूखे आटे में हल्दी मिलाकर खिलाने से वे अतिप्रसन्न होती हैं। हमेशा अच्छे कर्म करो, अपने धर्म का पालन करो किस्मत के बारे मे तो मे हर मनुष्य थोडी बहुत जानकारी रखता है, कहते हैं जब हम कडे परिश्रम करने के बाद सफलता प्राप्त करते है तो वह हमारे कर्म है लेकिन जब हम बिना मेहनत के बावजूद सफलता प्राप्त करते हैं उसे किस्मत कहते है। ब्रहम बेला में उठ कर इश्वर का नाम, ध्यान, योग और पूजा करने से अकस्मात् लाभ होता है। सूर्योदय से पूर्व ब्रहमा बेला में उठे, और अपने दोनों हांथो की हंथेली को रगरे और हंथेली को देख कर अपने मुंह पर फेरे, क्योंकि :- शास्त्रों में कहा गया है की कराग्रे वसते लक्ष्मी, करमध्ये सरस्वती। करमूले स्थिता गौरी, मंगलं करदर्शनम् ॥ हमारे हाथ के अग्र भाग में लक्ष्मी, तथा हाथ के मूल मे सरस्वती का वास है अर्थात भगवान ने हमारे हाथों में इतनी ताकत दे रखी है, जिसके बल पर हम धन अर्थात लक्ष्मी अर्जित करतें हैं। जिसके बल पर हम विद्या सरस्वती प्राप्त करतें हैं।इतना ही नहीं सरस्वती तथा लक्ष्मी जो हम अर्जित करते हैं, उनका समन्वय स्थापित करने के लिए प्रभू स्वयं हाथ के मध्य में बैठे हैं। ऐसे में क्यों न सुबह अपनें हाथ के दर्शन कर प्रभू की दी हुई ताकत का लाभ उठायें।। भोजन के लिए बनाई जा रही रोटी में से पहली रोटी गाय को दें। धर्म ग्रंथों के अनुसार गाय में सभी देवताओं का निवास माना गया है। अगर प्रतिदिन गाय को रोटी दी जाए तो सभी देवता प्रसन्न होते हैं और सभी मनोकामना पूरी करते हैं। प्रतिदिन चीटियों को शक्कर मिला हुआ आटा खिलाएं। ऐसा करने से आपके पाप कर्मों का क्षय होगा और पुण्य कर्म उदय होंगे। यही पुण्य कर्म आपकी मनोकामना पूर्ति में सहायक होंगे।

नवग्रहों की अद्भुत शक्तियां

नवग्रहों में अद्भुत शक्तियां है जिसके कारण इसे देवताओं के समान आदर दिया गया है। यह दवा की भांति व्यक्तियों को पीडा से उबारने में सक्षम होता है। इनमें कमजोर ग्रहों को बलवान बनाने की क्षमता होती है जिससे असंभव को भी संभव करने में भी राशि रत्न कारगर होते हैं।

पुखराज की ज्योतिषीय विशेषता

बृहस्पति ग्रह का रत्न पुखराज पीली आभा लिये होता है। यह गहरा पीला, हल्का पीला एवं सफेद भी होता है। छूने में ठोस, चिकना, चमकीला, दाग धब्बा रहित पुखराज उत्तम होता है। दूध में रात भर रखने से असली पुखराज क्षीण नहीं होता है और न ही इसका रंग फीका होता है। पुखराज धारण करने से पहले अच्छी तरह जांच परख लेना चाहिए कि रत्न दोष रहित हो।

पुखराज धारण करने से लाभ

जिस व्यक्ति की कुण्डली में बृहस्पति नीच का होता है अथवा कमजोर होता है उनके लिए पुखराज धारण करना लाभप्रद होता है। पुखराज अध्यात्म, सत्यता, लनशीलता और सजगता का प्रतीक होता है। प्रेमियो के लिए यह भाग्यशाली रत्न माना जाता है। मानसिक शांति एवं आत्मिक शांति के लिए भी यह रत्न लाभकारी होता है। इस रत्न को धारण करने से वाणी सम्बन्धी दोष एवं गले की पीडा से राहत मिलती है। प्राचीन यूनान में इसे अपोलो देवता द्वारा प्रदान किया गया माना जाता था जिसका उपयोग कई प्रकार के रोगों के ईलाज के लिए किया जाता था। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार जिस कन्या की शादी में बार बार बाधा आ रही हो वह अगर पुखराज धारण करती हैं तो विवाह में बाधक तत्व का अंत होता है और जल्दी शादी होती है।

हीरा की ज्योतिषीय विशेषता हीरा संसार का सबसे कठोर रत्न है। इसे किसी भी अन्य रत्न से खरोंचा नहीं जा सकता। हीरा जितना कठोर व चमकीला होता है उतना ही अच्छा माना जाता है। यह मुख्यत: सफेद, पीला , लाल, गुलाबी और काला होता है। मान्यताओं के अनुसार संतान की इच्छा रखने वाली महिलाओं को हीरा धारण नहीं करना चाहिए। ज्योतिषशास्त्र इस मान्यता को नही स्वीकार करता है। ज्योतिषशास्त्र के नियमानुसार जो स्त्री त्रिकोण हीरा धारण करती हैं उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति होती है।

हीरा धारण करने से लाभ

हीरा शुक्र का रत्न है। तुला और वृषभ राशि वाले अगर इस रत्न को धारण करते हैं तो उनका शुक्र मजबूत होता है फलत: शुक्र से सम्बन्धित सभी क्षेत्रो में उन्हें लाभ मिलता है। जिनकी कुण्डली में शुक्र कमजोर अथवा मंदा है उन्हें भी हीरा धारण करने से लाभ मिलता है। हीरा की विशेषता है कि इसे धारण करने वाला व्यक्ति साहसी, बुद्धिमान और उत्साही होता है। हीरा कई प्रकार के मानसिक रोगों में लाभकारी होता है। यह जहर काटने में भी सक्षम होता है। हीरा धारण करने वाले पर जादू टोने का प्रभाव नहीं होता है। रंग के अनुसार हीरा का अलग अलग प्रभाव होता है जैसे लाल और पीला हीरा राजनीति और प्रशासन से सम्बन्धित व्यक्तियो के लिए लाभप्रद होता है। सामाजिक, धार्मिक और आध्यात्मिक क्षेत्र से जुडे हुए लोगों के लिए सफेद हीरा उत्तम होता है।

मनोवांछित फल की प्राप्ति के लिए कीजिए यह व्रत

मां ललिता

महाविद्याओं में से एक हैं। आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी के दिन मां ललिता का व्रत किया जाता है। इस व्रत को उपांग ललिता व्रत कहा जाता है। यह व्रत करने पर मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है। इस वर्ष उपांग ललिता व्रत 17 अक्टूबर यानी शनिवार के दिन है।

मां ललिता की उत्पतिः

उपांग ललिता मां शक्ति का स्वरूप हैं। मां ललिता की उत्पत्ति तब हुई जब ब्रहमा जी द्वारा छोडे गये चक्र से पाताल समाप्त होने लगा तब इस स्थिति से विचलित होकर ऋषि-मुनि भी परेशान हो गए और संपूर्ण पृथ्वी धीरे-धीरे जलमग्न होने लगी है।तब सभी ऋषि माता ललिता देवी की उपासना की। उनकी प्रार्थना से प्रसन्न होकर देवी जी प्रकट होती हैं तथा इस विनाशकारी चक्र को थाम लेती हैं। सृष्टि पुन: नवजीवन को पाती है।

मां ललिता का स्वरूपः

कालिकापुराण के अनुसार देवी की दो भुजाएं हैं, यह गौर वर्ण की, रक्तिम कमल पर विराजित हैं। ललिता देवी की पूजा से समृद्धि की प्राप्त होती है। दक्षिणमार्गी शाक्तों के मतानुसार देवी ललिता को चण्डी का स्थान प्राप्त है। इनकी पूजा पद्धति देवीचण्डी के समान ही की जाती है।

व्रत का महत्वः

उपांग ललिता व्रत करने से मां उपांग ललिता का आशीर्वाद मिलता है। पौराणिक मान्यतानुसारइसदिन देवीललिता ने एक दानव लियाथा।इसदिन भक्तगण षोडषोपचार विधि से मां ललिता का पूजन करते है। इस दिन मां ललिता के साथ साथ स्कंदमाता और शिव शंकर की भी शास्त्रानुसार पूजा की जाती है। ऐसे करें पूजनः शक्तिस्वरूपा देवी ललिता को समर्पित उपांग ललिता पंचमी आश्विन मास के शुक्ल पक्ष को पंचम नवरात्र के दिन मनाई जाती है। इस शुभ दिन भक्तगण व्रत एवं उपवास का पालन करते हैं, यह दिन उपांग ललिता व्रत के नाम से जाना जाता है।

कुछ ऐसी चीजें जिन्हें घर में रखने से कभी नहीं होती पैसों की कमी

अगर आप धन संबंधी परेशानियों को लेकर चिंतित रहते हैं तो इसका कारण आपके घर में मौजूद वास्तुदोष हो सकता है। इस दोष से मुक्ति और धन-सुख के लिए वास्तुशास्त्र में कुछ चीजें ऐसी बताई गई हैं जिन्हें घर में रखने से धन संबंधी सभी परेशानियां अपने आप खत्म हो जाती हैं और घर में हमेशा धन-धान्य बना रहता है।

धातु के बने कछुए और मछली को घर में रखना बहुत ही शुभ माना जाता है। ऐसा करने से घर से जुडी सभी समस्याएं खत्म होने लगती हैं। घर के जिस हिस्से में परिवार के सदस्य सबसे ज्यादा समय विताते हैं, वहां पर चांदी, पीतल या तांबे का पिरामिड रखें। यह घर के सदस्यों की आय में वृद्धि करता है। घर की उत्तर दिशा में पानी से भरी सुराही रखनी चाहिए। इससे घर में धन की कमी नहीं होती। सुराही न हो तो मिट्टी का घडा रखा जा सकता है। ये कभी भी खाली न रहे, पानी खत्म हो जाने पर इसे फिर से भर दें। घर की द्क्षिण-पश्चिम दिशा में भगवान हनुमान की पंचस्वरूप वाली मूर्ति या तस्वीर लगाएं। नियमित रूप से उनकी पूजा करें। घर के मेन गेट पर देवी लक्ष्मी, भगवान कुबेर या स्वास्तिक का चिन्ह या फोटो लगाने से घर में कभी पैसों की कमी नहीं होती। घर में वास्तु भगवान की मूर्ति या तस्वीर रखने से घर के सभी वास्तु दोष खत्म हो जाते हैं और घर में कभी पैसों की कमी नहीं आती।

क्यों लेना पडा भगवान विष्णु को वामन रूप में जन्म

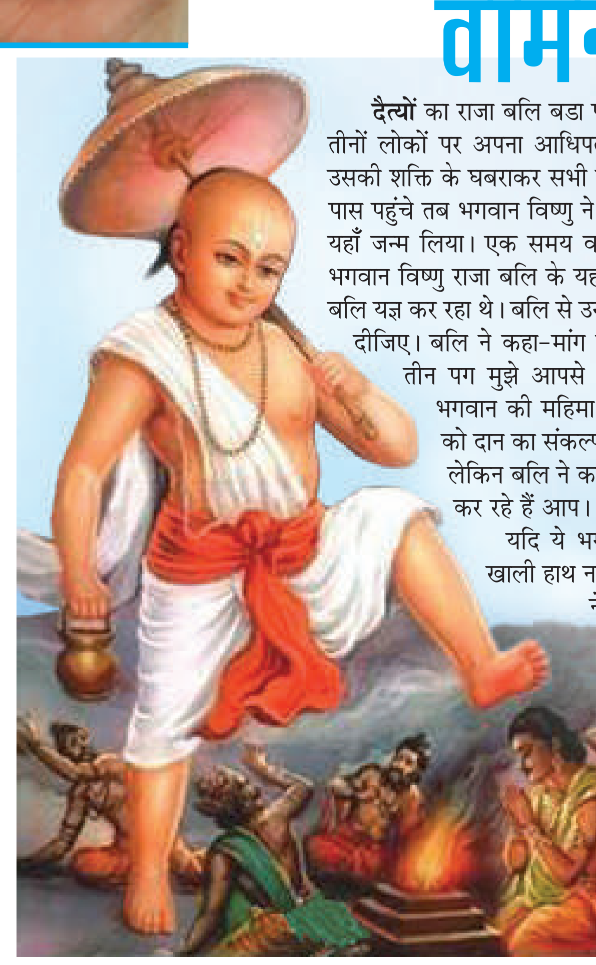

दैत्यों का राजा बलि बडा पराक्रमी राजा था। उसने तीनों लोकों पर अपना आधिपत्य स्थापित कर लिया। उसकी शक्ति के घबराकर सभी देवता भगवान वामन के पास पहुंचे तब भगवान विष्णु ने अदिति और कश्यप के यहाँ जन्म लिया। एक समय वामन रूप में विराजमान भगवान विष्णु राजा बलि के यहाँ पहुचे उस समय राजा बलि यज्ञ कर रहा थे। बलि से उन्होंने कहा राजा मुझे दान दीजिए। बलि ने कहा-मांग लीजिए। वामन ने कहा तीन पग मुझे आपसे धरती चाहिए। दैत्यगुरु भगवान की महिमा जान गए। उन्होंने बलि को दान का संकल्प लेने से मना कर दिया। लेकिन बलि ने कहा - गुरुजी ये क्या बात कर रहे हैं आप।

यदि ये भगवान हैं तो भी मैं इन्हें खाली हाथ नहीं जाने दे सकता। बलि ने संकल्प ले लिया। भगवान वामन ने अपने विराट स्वरूप से एक पग में बलि का राज्य नाप लिया, एक पैर से स्वर्ग का राज नाप लिया। बलि के पास कुछ भी नहीं बचा। तब भगवान ने कहा तीसरा पग कहां रखूं। बलि ने कहा- -मेरे मस्तक पर रख दीजिए। जैसे ही भगवान ने उसके ऊपर पग धरा राजा बलि पाताल में चले गए। भगवान ने बलि को पाताल का राजा बना दिया। सतयुग में दैत्यराज प्रहाद के पोत्र बलि ने स्वर्ग में अधिकार कर लिया था। सभी देवता इस विपत्ति से मुक्ति पाने के लिए भगवान विष्णु के पास गए।

तब भगवान विष्णु ने देवताओ से कहा की में स्वयं देवमाता अदिति के गर्भ से जन्म लेकर तुम्हे स्वर्ग का राज्य दिलाऊंगा। कुछ समय पश्चात भाद्रपद शुक्ल द्वादशी को भगवान विष्णु ने वामन अवतार के रूप में जन्म लिया। इधर दैत्यराज बलि ने अपने गुरु शुक्रचार्य और मुनियो के साथ दीर्घकाल तक चलने वाले यज्ञ का आयोजन किया।

बलि के इस महायज्ञ में ब्रहमचारी वामन जी भी गए। वे अपनी मुस्कान से सब लोगो के मन मोह लेते थे। दैत्य गुरु शुक्राचार्य ने अपने तपो बल से वामन के रूप में अवतरित भगवान विष्णु को पहचान लिया। उन्होंने बलि को बताया की तुम्हारी राजलक्ष्मी का अपरहण करने भगवान विष्णु वामनरूपी अवतार में आये है। गुरुदेव की बातो को सुन कर राजा बलि ने कहा हे गुरुदेव आप क्यों धर्म विरोधी वचन कह रहे है, भगवान विष्णु स्वयं मुझ से दान मांगने आये है इस से बढकर और क्या हो सकता है। मैं तो केवल भगवान विष्णु की प्रसन्नता के लिए यह यज्ञ कर रहा हुँ। यदि भगवान विष्णु स्वयं पधारे है तो में कृतार्थ हो गया। तभी वामनजी बलि के यज्ञशाला में पधारे, उन्हें देख राजा बलि अपने दोनों हाथ जोड के उनके सामने खडे हो गए और कहा, हे प्रभु मुझे अपनी सेवा का अवसर दीजिये।तब वामन भगवान ने उनसे तीन पग भूमि मांगी और कहा भूमिदान का महात्म्य महान है।

राजा बलि के गुरु शुक्राचार्य भगवान विष्णु की लीला समझ गए और उन्होंने राजा बलि को दान देने से मना किया। लेकिन फिर भी बलि ने भूमि दान के संकल्प के लिए कलश उठाया परन्तु गुरु शुक्राचार्य उस कलश में घुस गए। भगवान विष्णु यह जान गए की गुरु शुक्राचार्य कलश में घुसकर जल की धारा को रोक रहे है .अत: उन्होंने कुश के अग्र भाग को कलश के मुख में घुसेड दिया जिसने गुरु शुक्राचार्य की एक आँख को नष्ट कर दिया। पीडा से व्याकुल होकर गुरु शुक्राचार्य उस कलश से बाहर निकले।

तब बलिं ने तीन पग दान का संकल्प लिया। भगवान विष्णु ने विशाल रूप धारण कर पहले एक पग पूरी धरती को नाप लिया तथा अपने दूसरे पग में उन्होंने पुरे स्वर्गलोक को नापा। जब तीसरे पग के रखने के लिए कोई जगह नही बची तो बलि के सामने संकट उत्पन्न हो गया। वामन भगवान ने उन्हें भय दिखाया की यदि तुमने अपना संकल्प पूरा नही किया तो ये अधर्म होगा। तब तीसरे पग के लिए अपने आप को समर्पित करते हुए राजा बलि ने अपना सर उनके पग के निचे रख लिया। वामन भगवान के तीसरा पग रखते ही बलि पाताललोक पहुंच गया। बलि की दानवीरता को देख वामनरूप भगवान विष्णु ने उन्हें पाताल का राजा बना दिया और इस तरह भगवान विष्णु ने इंद्र को स्वर्गलोक सोपा।

बॉस को खुश करना है? यह उपाय करिये फिर देखें चमत्कार

शाम को ऑफिस से लौटते वक्त आप सोचते होंगे कि दिन-रात मेहनत करता रहता हूँ लेकिन बॉस का ध्यान मुझ पर जाता ही नहीं। सुबह ऑफिस आते वक्त आप प्लानिंग करते होंगे कि आज मैं ऐसा करके या वैसा करके बॉस का दिल जीत लूंगा फिर मेरी तरक्की तय है। पर ऑफिस पहुंचते ही पिछले दिन का बचा काम निबटाते निबटाते इतना समय लग जाता होगा कि कुछ नया कर के दिखाने का समय ही नहीं मिलता होगा। कुछ नया कर दिखाने का समय मिलता भी होगा तो कई बार ऐसा भी हो जाता है कि काम आपने किया लेकिन श्रेय कोई और ले गया। इन सब वाकयों से किसी भी व्यक्ति का निराश होना स्वाभाविक ही है। आखिर इंसान का मन अपनी मेहनत का फल चाहता ही है, इंसान अपना अगला दिन पिछले दिन के मुकाबले बेहतर जीना चाहता ही है।

आइए यहां हम आपको कुछ ऐसे टिप्स दे रहे हैं जिन पर अमल करके आप बॉस की नजरों में ही नहीं ऑफिस के पूरे स्टाफ की नजरों में भी चढ़ सकते हैं। और यकीन जानिये यदि ऐसा हो गया तो फिर आपकी तरक्की तय है-

समय का प्रबंधन जरूरी

सफलता के लिये यह बेहद जरूरी है कि आप समय को पैसे की तरह खर्च करना सीखें। समय की पाबंदी यदि जीवन में नहीं है तो व्यक्ति किसी भी सूरत में सफल नहीं हो सकता। आपको जो प्रोजेक्ट दिया गया है उसे समय पर ही नहीं समय से पहले ही पूरा करके देंगे तो अच्छा रहेगा। यदि प्रोजेक्ट में ऑफिस के किसी सहयोगी की मदद भी लेनी है तो उसे प्यार से समझाएं, यदि आप आदेश के जरिये काम लेंगे तो वह या तो मन से काम नहीं करेगा या फिर उसमें देर करवायेगा। अपने प्रोजेक्ट को पूरा करने की औपचारिकता निभाने की जगह प्रोजेक्ट में कुछ रचनात्मकता दिखाएंगे तो यकीनन बॉस की नजरों में आप दूसरों से अलग साबित होंगे।

अपडेट रहना जरूरी

आप जिस क्षेत्र में भी नौकरी करते हों उस क्षेत्र की गतिविधियों और नई तकनीक से आपको खुद को अपडेट रखना चाहिए। यदि आप तकनीकी व्यक्ति न होते हुए भी तकनीकी रूप से कुशल हैं तो इससे आपकी योग्यता बढ़ती ही है। अपनी कंपनी को नयी तकनीक से अवगत कराते रहने से आपका कद बढ़ेगा।

चुगलखोरी से बचें

अकसर ऑफिस पॉलिटिक्स की चर्चाएं कार्यालयों में होती रहती हैं जोकि गॉसिप के लिए तो ठीक हैं लेकिन यह किसी भी कार्यालय का माहौल बिगाड़ती हैं। यदि आपने आज किसी की चुगली बॉस से की है तो वह भी समय आने पर आपकी चुगली कर सकता है और यदि वह समय आपकी तरक्की होने का हुआ तो यह आपके लिए नुकसानदेह हो सकता है।

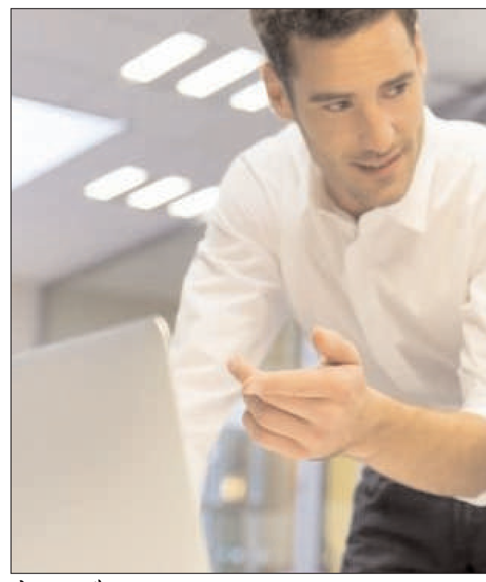

ऑफिस में गप्पेबाजी से बचें

हालांकि निजी कंपनियों में यह कम ही देखने को मिलता है कि कर्मचारी आपस में गप्पेबाजी कर रहे हों लेकिन फिर भी यदि आपके ऑफिस में ऐसा माहौल है तो उस माहौल से खुद को दूर करें। घर की बात ऑफिस में सबके साथ शेयर नहीं करें क्योंकि आपके सामने भले कोई आपकी किसी समस्या से सहानुभूति दर्शाए लेकिन पीछे से वह उस समस्या के लिए आपका मजाक भी उड़ा सकता है।

सोशल मीडिया से बचें

वर्किंग ऑवर में ऑफिस के पीसी या लैपटॉप पर सोशल मीडिया का इस्तेमाल नहीं करें और ना ही मूवी आदि देखें। मोबाइल फोन पर भी व्हाटसएप पर चैट करते रहने, सोशल मीडिया पर पोस्ट करते रहने या फिर ऑनलाइन गेम खेलते रहने से आप कंपनी की ब्लैक लिस्ट में शामिल हो जाएंगे। आपको भले लगे कि आपको मोबाइल पर सोशल मीडिया का उपयोग करते किसी ने नहीं देखा है लेकिन हो सकता है कि कोई आपकी पोस्टस पर नजर रख रहा हो और उसमें पोस्टिंग टाइम से पता चल जायेगा कि आप ऑफिस का काम कर रहे थे या सोशल मीडिया पर थे।

पहनावा ठीक हो

ऑफिस में फॉर्मेल कपड़ों में ही जाएं तो ठीक रहेगा। कैजुअल कपड़े आकर्षक तो लगते हैं लेकिन वह कार्यालय की शोभा नहीं बढ़ाते। चुस्त कपड़ों को पहनने से बचें और ज्यादा डियो आदि लगा कर नहीं घूमें। इसके अलावा आप जहां भी बैठ कर कार्य करते हैं उस स्थान की साफ सफाई और साज सज्जा पर भी ध्यान दें ताकि लोगों की नजरें खुद ही उस ओर आकर्षित हों।

आपके विचार

हर व्यक्ति की अपनी अलग धार्मिक आस्था या राजनीतिक विचार होते हैं इसलिए उसे किसी पर थोपने या उस पर किसी से बहस में उलझने की बजाय अच्छा है कि आप अपने विचार अपने पास ही रखें। हमेशा सभी के साथ सकारात्मक संवाद करें और चर्चाओं के दौरान अपने नये आइडिया को शेयर कर लोगों को प्रभावित करें।

सहयोग करें

ऑफिस के अन्य कर्मचारियों के साथ सदैव सहयोगात्मक रवैया रखें। जूनियर को ज्यादा से ज्यादा सिखाएं और सीनियर का ज्यादा से ज्यादा कहना मानेंगे तो बड़ी जिम्मेदारियों के लिए आपको ही आगे किया जायेगा। ऑफिस के लोगों से उधार आदि मांग कर अपनी छवि नहीं खराब करें। यदि आपको पैसे की जरूरत है तो कंपनी से एडवांस आदि की मांग करें।

ऑफिस में घर नहीं

घरवालों या रिश्तेदारों या फिर दोस्तों को अकसर ऑफिस में नहीं बुलाया करें क्योंकि इससे एक तो आपका कार्यसमय बर्बाद होता है तथा दूसरे लोगों का भी ध्यान भंग होता है।

संपर्कों का इस्तेमाल

अपने संपर्कों का इस्तेमाल कर अपनी कंपनी को लाभ पहुँचाएं और जिस कार्य के लिए आपकी नियुक्ति की गयी है उस कार्य को तो निपुणता के साथ करें ही साथ ही अन्य कार्य भी करेंगे तो कंपनी आप पर और निर्भर होती जायेगी और आपको खुश करना चाहेगी। और आखिर में, यही कहा जा सकता है कि बॉस सब जानते हैं लेकिन तब तक कुछ नहीं करते जब तक वह मजबूर न हो जाएं इसलिए उक्त सुझावों पर आप गौर करें और इन्हें आजमाएं फिर देखें आपके बॉस भी आप पर विशेष कृपा करने के लिए मजबूर हो जाएंगे।

पुरानी जींस से बनाएं क्रिएटीव चीजें

घर की सफाई करते समय घर में कई पुरानी चाजें मिलती हैं। जिसे लोग बाहर फैंक देते हैं। इसे फैंकने की बजाएं इसका इस्तेमाल घर की कई क्रिएटिव चीजें बनाने में कर सकते हैं जैसे- कुशन कवर,बैग और फुटवियर। आइए जाने कैसे करें इस्तेमाल।

1. कुशन कवर बनाएं

अगर आपके पास कोई पुरानी जींस है तो उससे आप कुशन कवर बना सकते हैं। इससे घर को अट्रेक्टिव लुक मिलेगा।

2. बैग बनाएं

मार्केट से कई जींस बैग खरीदें होंगे लेकिन अपनी पुरानी जींस से इसे घर पर ही बना सकते हैं। इस पर किसी पुराने बैग के हैंडल भी लगा सकते हैं।

3. बेड कवर

अगर आप अपने बेडरुम को कोई अट्रेक्टिव लुक देना चाहते हैं तो इसे अगल-अगल कलर की पुरानी जींस को जोड़ कर बनाएं।

4. होम डैकर

पेन स्टैंड, डोर मैट, टेबल मैट, फ्लोर कुशन्स और चेयर कवर बनाने के लिए जींस को इनकी शेप के हिसाब से काटे और स्टिच कर लें।

5. फुटवेयर सजाएं

आप फ्लिप-फ्लॉप, चप्पल्स और कैनवस को पुरानी जींस के कपड़े से न्यू लुक दे सकते हैं। जींस की पतली स्ट्रैप को काटकर उसे फिल्प-फ्लॉप और चप्पल के ऊपर लगाएं।

मौज मस्ती के फायदे

मौज-मस्ती करना किसको पंसद नहीं होता है, उस पर अगर ये आपके सेहत को लाभ पहुचाएं तो ये सोने पर सुहागा जैसा हो जाता है। जी हां, मौज मस्ती करना आपकी सेहत के लिए लाभदायक होता है। भागदौड़ भरी जिंदगी में मौज मस्ती करने पल वैसे ही कम होते है। लेकिन जब आप इस मूड में रहते तो ये आपके मानसिक स्वास्थ्य को आराम देता है। ये आपके शरीर के खुश रहने वाले रसायनों की क्रिया को बढ़ाते है।

खुशी वाले रसायन

ऑक्सीटोसिन, सेरोटोनिन और डोपामाइन जैसे पॉजीटिव हार्मोन हमारे शरीर को खुशी का अहसास दिलाते है। मौज मस्ती जैसी गतिविधियों से इनके उत्पादन में बढ़ोत्तरी होती है। ये तनाव व अवसाद आदि से भी बचाव करती है, साथ ही दिमाग को भी सक्रिय करते है। अपने परिवार, दोस्त व पार्टनर के साथ अच्छा समय बिताएं।

नर्व सेल्स एक्टिव

आप जिन लोगो के साथ मौज मस्ती करते है तो पक्का ही आप को उनका साथ अच्छा लगता है। ये खुशी आपके लिए सेहतमंद होती है। इससे आपके दिमाग की 100 मिलियन नर्व सेल्स एक्टिव होती हैं। दिमाग में मौजूद न्यूरॉन्स के एक दूसरे से कनेक्ट होने पर आप तनाव मुक्त और आराम महसूस करते हैं।

सफेद पदार्थ बढ़ाने में सहायक

सफेद पदार्थ दिमाग की गहरी परतों में पाया जाता है। ये न्यूरॉन्स के साथ मिलकर दिमाग में नर्व सिग्नल्स के प्रसारण को बेहतर करता है। यानि इसके बढ़ने से आप ज्यादा एक्टिव और स्मार्ट नजर आ सकते हैं। आप जब कुछ नई गतिविधि में शामिल होते हैं, तो आपके सारे सेंस एक्टिव होते हैं।

स्वस्थ रखने में सहायक

हर समय कुछ नया करते रहने से दिमाग क्रियाशील रहता है। जिससे अवसाद होने का खतरा कम रहता है। शारीरिक और मानसिक एक्टिविटी की कमी के कारण एक उम्र में आपकी नर्व सेल्स सफेद पदार्थ से जुड़ने से रुक सकती है। अगर आपके दिमाग में सफेद पदार्थ बढ़ता है, तो इससे बुढ़ापें में आप अल्जाइमर और मानसिक डिसऑर्डर जैसी बीमारियों से बच सकते हैं।

ट्रैवलिंग के वक्त यूं पैक करें अपनी जूलरी

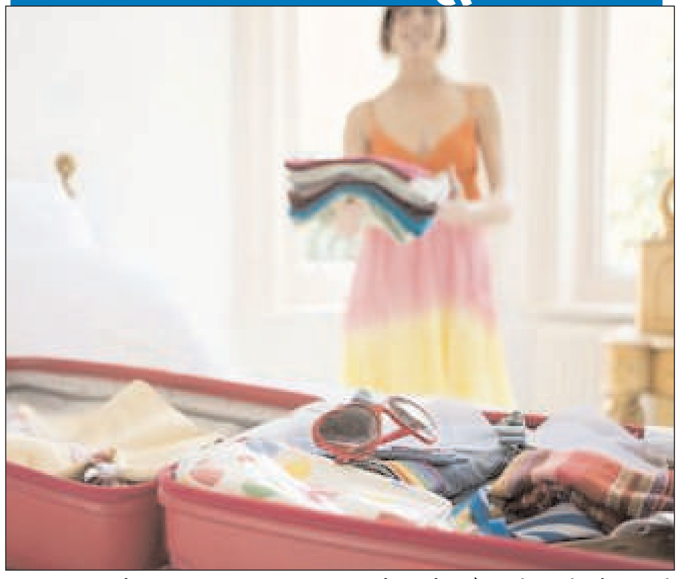

जहां एक ओर यात्रा करना, घूमना-फिरना मजेदार होता है। वहीं दूसरी ओर जूलरी की पैकिंग करना बोझिल मालूम पड़ सकता है। ऐसे में जूलरी ब्रैंड एनटाइस की क्रिएटिव डायरेक्टर मंजू कोठारी और मिनावाला के क्रिएटिव डायरेक्टर शहजाद जावेरी ने ट्रैवलिंग के दौरान जूलरी की सुरक्षित पैकिंग के संबंध में कई सुझाव दिए हैं।

» प्लास्टिक के डिस्पोजेबल पाउच ईयर रिंग्स रखने के काम में आ सकते हैं। प्लास्टिक पाउच में लपेटकर उन्हें यात्रा के दौरान आसानी से ले जाया जा सकता है।

» छोटे ईयर रिंग्स को बटन में हैंग किया जा सकता है और फिर इन्हें छोटे बॉक्स या पाउच में रख लें।

» गले के हार या चेन को टूटने या मुड़ने से बचाने के लिए आप इन्हें स्ट्रॉ के बीच में रख सकती हैं, इससे ये सुरक्षित रहेंगे।

» आप चाहें तो मुलायम बेबी टॉवेल में भी सुरक्षित रूप से जूलरी को लपेटकर रख सकती हैं और तौलिए के आखिरी सिरे को बालों के बैंड से बांध लें।

» छोटी जूलरी जैसे ईयर रिंग और पेंडेंट को रखने के लिए आप टिन कंटेनर के बीच में कॉटन बॉल्स रखकर उसके ऊपर इन आभूषणों को रख सकती हैं, इससे ये सुरक्षित रहेंगे।

» आप मोजे में भी आभूषण पैक कर ट्रैवेल बैग में रख सकती हैं।

वजन के हिसाब से पीएंगे पानी तो हमेशा रहेंगे हैल्दी!

पानी पीना सेहत के लिए बहुत जरूरी है। हम लोग अक्सर सुनते हैं कि नियमित रूप से 2 लीटर पानी का सेवन जरूर करना चाहिए। इससे शरीर से विषैले पदार्थ बाहर निकल जाते हैं और स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है। सही मात्रा में पानी पीने से मेटाबॉलिज्म भी अच्छा रहता है। जिससे वजन कंट्रोल में रहता है। कुछ लोग यह जान नहीं पाते कि उनके लिए कितना पानी पीना है। जरूरत से कम पानी पाने से विषैले पदार्थ बाहर नहीं निकल पाते और ज्यादा पानी पीने से जरूरी पोषक तत्वों पर भी बुरा असर पड़ता है।

वजन के हिसाब से पीए पानी

यह जरूरी नहीं कि हर किसी को दिन में 2 लीटर पानी ही पीना चाहिए। पानी की मात्रा आपके वजन पर निर्भर करती है। इसके लिए जरूरी है कि पहले अपने वजन की पुष्टि कर लें। 50 किलों और 70 किलो वाले वजन के लोगों कि पानी पाने की जरूरत अलग-अलग होती है।

इस तरह पीएं पानी

अपने सही वजन को 30 के साथ विभाजन करें। जैसे 60/30 = 2 यह पानी पीने की सही मात्रा है। 60 किलों वाले व्यक्ति को 2 लीटर पानी की जरूरत होती है। यह मात्रा भार के हिसाल से घटती बढ़ती रहती है। आपके काम के हिसाब से भी पानी की मात्रा बढ़ या घट सकती है।

एक्सरसाइज के वक्त पीएं ज्यादा पानी

ज्यादा वर्कआउट करने वाले लोगों को पानी की भी ज्यादा जरूरत होती है। इससे बॉडी में से पसीना बहुत ज्यादा निकलता है, ऐसे में पानी की कमी को रोकने के लिए थोड़े-थोड़े समय बाद पानी पीते रहे। पानी की जगह पर आप एनर्जी ड्रिंक,जूस,नींबू पानी और लस्सी का सेवन भी कर सकते हैं।

बारिश के मौसम में बच्चों का ऐसे रखें ख्याल नहीं होगी कोई बीमारी

यूं तो बच्चों के लिए बारिश का मौसम और मानसून खूब सारी मस्ती लेकर आता है, लेकिन इस मौसम में बीमारियां भी काफी बढ़ती हैं. इस मौसम में बच्चों की सेहत का खास तौर पर ख्याल रखना होता है. बारिश का सीजन में बच्चे कई सारी बीमारियों को न्यौता देते हैं, ऐसे में वो बीमार ना हो जाएं कुछ इस तरह उनका ख्याल रखें.

साफ पानी से धोएं खाद्य पदार्थ

बारिश के मौसम में जमीन में रहने वाले ज्यादातर कीड़े सतह पर आ जाते हैं, जो फल, सब्जियों और खाद्य पदार्थों को दूषित करते हैं. इसलिए किसी भी फल और सब्जियों को खाने से पहले साफ पानी से अच्छे से धोएं और अगर जरूरत हो तो बीमारी से बचने के लिए पोटैशियम परमेंगनेट का प्रयोग किया जा सकता है.

उबला हुआ पानी पिलाएं

बरसात में पानी के वजह से भी इंफेक्शन होता है, बच्चों को उबला हुआ पानी पिलाएं और खुद भी यही पिएं. साफ-सफाई का खास तौर पर ध्यान रखें मच्छरों से बचने के लिए घर और आस-पास गंदगी न होने दें और जर्म्स रिपेलेंट लिक्विड का इस्तेमाल करें.

समस्या होने पर डॉक्टर की सलाह लें

बच्चों का इम्यून सिस्टम कमजोर होता है और बीमारियां उनपर जल्दी अटैक करती हैं. तो इस मौसम में बच्चों में बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत डॉक्टर की सलाह लें. बारिश में बीमारियों से बचाने के लिए बच्चों को गंदगी से दूर रखें.

बच्चों को भींगने से बचाएं

बारिश में बच्चों को भीगने न दें. अगर वे स्कूल से लौटते वक्त भीग जाएं तो तुरंत उन्हें साफ पानी से नहालाएं और हीटर या आग से सर्दी को दूर करें. बच्चों के शरीर की साफ-सफाई का भी ध्यान रखें. साथ ही उनके खेलने की जगह को भी साफ रखें.

संपादकीय

सियासी नेतृत्व का पिछड़ापन

कांगड़ा के राजनीतिक नेतृत्व के पिछड़ेपन के लिए यहां के नेताओं का भोलापन, पहचान का संकट, आपसी मेलभाव तथा स्वीकार्यता की कमी मानी जा सकती है। कांग्रेस के नजरिए से कांगड़ा को सत्ता प्राप्ति का हक मिलता रहा। पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह ने तो बाकायदा कांगड़ा की शून्यता के दरवाजे खोलकर झांकने की कोशिश में सत्ता के कई संस्थान स्थापित किए। हालांकि सरकारों की सियासी बाध्यताओं ने कांगड़ा के उच्चारण तो बढ़ाए, लेकिन यहां कोई भी नेता महफूज न हुआ। अधिकतर सत्ता के दरबान बने या कांगड़ा की सियासी प्रतिभा के खिलाफ षड्यंत्रकारी बन गए। वीरभद्र हों, धूमल हों या जयराम ठाकुर, सभी ने अपना पंथ बनाने की कोशिश की, लिहाजा दरबारी होने का रुतबा मौजूदा सरकार के तहत स्थानीय निकाय चुनावों तक देखा गया। पालमपुर नगर निगम पर कांग्रेस के कब्जे ने भाजपा के नेतृत्व में कांगड़ा का शौर्य पस्त किया, तो धर्मशाला में भाजपा का अग्रणी चेहरा, कांग्रेस से भाजपा में आए सुधीर शर्मा की संगत में आगे बढ़ता देखा गया। यहां कांग्रेस की परीक्षा में कांगड़ा को सफल करने का कोई नायाब हीरा नहीं मिला, तो पड़ताल अगले चुनाव को सालती रहेगी। बेशक प्रतीकों में कांगड़ा का नाम हुआ। सबसे अधिक व सत्ता के नजदीक पहुंचाने में वीरभद्र की डॉक्ट्रिन श्रेष्ठ रही, लेकिन अपने-अपने सियासी अनुपात साधने की कोशिश में हर मुख्यमंत्री ने डमरू जरूर बजाए। वीरभद्र सिंह ने मुख्यमंत्री का शीतकालीन प्रवास, मंत्रिमंडलीय बैठकें, विधानसभा का शीतकालीन सत्र और धर्मशाला को शीतकालीन राजधानी का दर्जा दिया, तो प्रेम कुमार धूमल ने सचिवालय से खेल राजधानी के रुतबे से मुख्यालय को नवाजा। जयराम ने राज्य के चिंतन मनन में धर्मशाला में इन्वेस्टर मीट, जी-ट्वंटी सम्मेलन के अलावा कई राष्ट्रीय पर्व और पहचान के इवेंट यहां आयोजित किए। वीरभद्र सिंह की रिवायतों से प्रभावित सुखविंद्र सुक्खू ने धर्मशाला तक कई विभागों, निगमों और बोर्डों के मुख्यालय पहुंचाए, तो संपूर्ण कांगड़ा घाटी को पर्यटन राजधानी घोषित करके, गगल एयरपोर्ट विस्तार को यकीनी बनाया। प्रस्तावित एयरोसिटी के जरिए एक अंतरराष्ट्रीय मुकाम की तलाशी शुरू हुई है। वनखंडी में अंतरराष्ट्रीय स्तर का चिड़ियाघर और विभिन्न पर्यटन परियोजनाओं की दिशा में कदम उठाकर प्रतीक सुदृढ़ किए हैं। लिफाफों में चिट्ठियां बंटती रही, लेकिन किसी के नाम खत न हुए। कांगड़ा को लेकर नित नए प्रयोग जरूर हुए, लेकिन यहां के नेताओं में प्रयोगधर्मिता के बजाय एक-दूसरे की टांग खींचने की प्रतियोगिताएं चलती रहीं। राष्ट्रीय स्तर पर नेताओं ने अपने कद और पद के लिए प्रतीक सुदृढ़ किए, जातियों और समूहों के नेता बने या मुद्दों की फिराक में स्थायित्व हासिल किया। देश में भाजपा की राजनीति ने जिस तरह धर्मस्थलों को कब्जे में लिया, इससे कुछ नेता ऊंचे उठे। ऐसे में कांगड़ा के मंदिर स्थलों मसलन ज्वालाजी, कांगड़ा, चामुंडा और बैजनाथ की परिक्रमा में भाजपा नेता कम से कम अपने लिए बहुत कुछ हासिल कर सकते थे, लेकिन ऐसा करने में कांगड़ा के नेता असमर्थ रहे। चिंतपूर्णी, दियोटसिद्ध, नयनादेवी व बाला सुंदरी मंदिरों पर केंद्रित आस्था ने कुछ नेताओं का वर्चस्व आजमाया है। दियोटसिद्ध में आय-व्यय का हिसाब राजनीतिक चाकरी करता है, लेकिन यही मानदंड कांगड़ा में लागू नहीं हो पाए। कांगड़ा के नगर निकायों में नेतागिरी का आलम यह कि कांगड़ा की छत पवन काजल को नहीं मिली, तो पालमपुर की सियासत ने शांता कुमार के बयान भी धराशायी किए। ऐसे में कांगड़ा के नेताओं के बीच भले ही मंडलियां सजती रहें, लेकिन कायदे की वह तस्वीर ही नहीं बनी, जहां नेताओं के पीछे जनता खड़ी हो।

कांग्रेस के नजरिए से कांगड़ा को सत्ता प्राप्ति का हक मिलता रहा। पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह ने तो बाकायदा कांगड़ा की शून्यता के दरवाजे खोलकर झांकने की कोशिश में सत्ता के कई संस्थान स्थापित किए। हालांकि सरकारों की सियासी बाध्यताओं ने कांगड़ा के उच्चारण तो बढ़ाए, लेकिन यहां कोई भी नेता महफूज न हुआ। अधिकतर सत्ता के दरबान बने या कांगड़ा की सियासी प्रतिभा के खिलाफ षड्यंत्रकारी बन गए। वीरभद्र हों, धूमल हों या जयराम ठाकुर, सभी ने अपना पंथ बनाने की कोशिश की, लिहाजा दरबारी होने का रुतबा मौजूदा सरकार के तहत स्थानीय निकाय चुनावों तक देखा गया। पालमपुर नगर निगम पर कांग्रेस के कब्जे ने भाजपा के नेतृत्व में कांगड़ा का शौर्य पस्त किया, तो धर्मशाला में भाजपा का अग्रणी चेहरा, कांग्रेस से भाजपा में आए सुधीर शर्मा की संगत में आगे बढ़ता देखा गया। यहां कांग्रेस की परीक्षा में कांगड़ा को सफल करने का कोई नायाब हीरा नहीं मिला, तो पड़ताल अगले चुनाव को सालती रहेगी। बेशक प्रतीकों में कांगड़ा का नाम हुआ। सबसे अधिक व सत्ता के नजदीक पहुंचाने में वीरभद्र की डॉक्ट्रिन श्रेष्ठ रही, लेकिन अपने-अपने सियासी अनुपात साधने की कोशिश में हर मुख्यमंत्री ने डमरू जरूर बजाए।

सम्मान का मूल्य उसके साथ मिलने वाली राशि से नहीं, बल्कि उसके पीछे निहित आदर से आँका जाता है

क्या हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी साहित्यकारों की अपेक्षाओं पर खरी उतर रही है?

वे शब्दों में समय का इतिहास लिखते हैं, संवेदनाओं को संस्कृति का आकार देते हैं और समाज की चेतना को दिशा प्रदान करते हैं। उनकी लेखनी केवल रचना नहीं करती, बल्कि पीढ़ियों के विचारों का संस्कार भी करती है। इसलिए साहित्यकार का सम्मान किसी सरकारी कार्यक्रम की औपचारिकता नहीं, बल्कि समाज की सांस्कृतिक परिपक्वता और संवेदनशीलता का सार्वजनिक उद्घोष होता है। इसी संदर्भ में हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी की वर्तमान कार्यप्रणाली अनेक प्रश्नों के घेरे में दिखाई देती है। लंबे समय से प्रतीक्षारत साहित्यकारों को अंततः सम्मानित तो किया गया, किंतु जिस प्रकार यह प्रक्रिया संपन्न हुई, उसने प्रसन्नता से अधिक निराशा को जन्म दिया। अनेक सम्मानित साहित्यकारों से बातचीत के दौरान जो अनुभव सामने आए, वे केवल व्यक्तिगत असंतोष की अभिव्यक्ति नहीं थे, बल्कि उस व्यवस्था की ओर संकेत कर रहे थे जहाँ संवेदना पर औपचारिकता और आत्मीयता पर प्रशासनिक प्रक्रिया भारी पड़ती दिखाई देती है।

साहित्य किसी राष्ट्र की आत्मा का सबसे निर्मल स्वर है और साहित्यकार उस स्वर के अनथक साधक। वे शब्दों में समय का इतिहास लिखते हैं, संवेदनाओं को संस्कृति का आकार देते हैं और समाज की चेतना को दिशा प्रदान करते हैं। उनकी लेखनी केवल रचना नहीं करती, बल्कि पीढ़ियों के विचारों का संस्कार भी करती है। इसलिए साहित्यकार का सम्मान किसी सरकारी कार्यक्रम की औपचारिकता नहीं, बल्कि समाज की सांस्कृतिक परिपक्वता और संवेदनशीलता का सार्वजनिक उद्घोष होता है। इसी संदर्भ में हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी की वर्तमान कार्यप्रणाली अनेक प्रश्नों के घेरे में दिखाई देती है। लंबे समय से प्रतीक्षारत साहित्यकारों को अंततः सम्मानित तो किया गया, किंतु जिस प्रकार यह प्रक्रिया संपन्न हुई, उसने प्रसन्नता से अधिक निराशा को जन्म दिया। अनेक सम्मानित साहित्यकारों से बातचीत के दौरान जो अनुभव सामने आए, वे केवल व्यक्तिगत असंतोष की अभिव्यक्ति नहीं थे, बल्कि उस व्यवस्था की ओर संकेत कर रहे थे जहाँ संवेदना पर औपचारिकता और आत्मीयता पर प्रशासनिक प्रक्रिया भारी पड़ती दिखाई देती है। सम्मान का मूल्य उसके साथ मिलने वाली राशि से नहीं, बल्कि उसके पीछे निहित आदर से आँका जाता है। एक सम्मान-पत्र केवल कागज़ का दस्तावेज़ नहीं होता; वह समाज की ओर से किसी रचनाकार की वर्षों की साधना को दिया गया सार्वजनिक प्रणाम होता है। इसलिए उसके प्रत्येक शब्द, प्रत्येक हस्ताक्षर और प्रत्येक औपचारिकता का अपना सांकेतिक महत्व होता है। सोशल मीडिया पर प्रसारित कुछ सम्मान-पत्रों ने अनेक साहित्यकारों को आश्चर्यचकित किया। उन पर किसी सक्षम अधिकारी के हस्ताक्षर दृष्टिगोचर नहीं हुए। केवल नाम और पदनाम मुद्रित कर देना प्रशासनिक आवश्यकता पूरी कर सकता है, परंतु सम्मान की आत्मीय गरिमा का स्थान नहीं ले सकता। हस्ताक्षर केवल स्याही की रेखाएँ नहीं होते, वे संस्था की स्वीकृति, उत्तरदायित्व और सम्मान-बोध के जीवंत प्रतीक होते हैं। जब वही अनुपस्थित हों, तो सम्मान की गरिमा कहीं अधूरी-सी प्रतीत होती है। यदि इसके पीछे कोई प्रशासनिक अथवा विधिक कारण रहा हो, तो अकादमी का दायित्व था कि वह साहित्यकारों के समक्ष उसे स्पष्ट करती। संस्थाएँ केवल निर्णयों से नहीं, संवाद से भी विश्वास अर्जित करती हैं। संवाद का अभाव प्रायः अविश्वास को जन्म देता है और अविश्वास किसी भी सांस्कृतिक संस्था के लिए सबसे बड़ी चुनौती होता है। हरियाणा का साहित्यिक समाज आज भी उन अवसरों को स्मरण करता है जब राज्यपाल भवन में गरिमामय वातावरण के बीच साहित्यकारों का सम्मान किया जाता था। वहाँ पुरस्कार केवल प्रदान नहीं किए जाते थे, बल्कि साहित्य की प्रतिष्ठा

का उत्सव मनाया जाता था। मंच पर उपस्थित प्रत्येक साहित्यकार स्वयं को राज्य की सांस्कृतिक चेतना का सम्मानित प्रतिनिधि अनुभव करता था। आज भव्यता से अधिक आत्मीयता का अभाव महसूस होता है और यही पीड़ा साहित्यकारों के मन को उद्वेलित करती है। चिंता केवल सम्मान समारोह तक सीमित नहीं है। पिछले चार वर्षों के दौरान अकादमी की साहित्यिक सक्रियता को लेकर भी अनेक प्रश्न उठे हैं। वर्ष 2023, 2024, 2025 और वर्तमान वर्ष 2026 तक न तो पुरस्कारों एवं सम्मानों की नियमित प्रक्रिया दिखाई दी, न पांडुलिपियों के आमंत्रण की निरंतरता बनी रही, न व्यापक साहित्यिक कार्यशालाएँ आयोजित हुईं, न युवा रचनाकारों के लिए योजनाबद्ध कार्यक्रम सामने आए और न ही प्रदेशव्यापी साहित्यिक संवाद का कोई सशक्त वातावरण निर्मित हो सका। यदि किसी साहित्य अकादमी के प्रांगण में रचनात्मक गतिविधियों का प्रवाह मंद पड़ जाए, तो स्वाभाविक है कि साहित्यिक समाज चिंता व्यक्त करेगा। साहित्य अकादमी केवल पुरस्कार बाँटने वाली संस्था नहीं होती। उसका वास्तविक स्वरूप एक जीवंत सांस्कृतिक विश्वविद्यालय का होता है, जहाँ विचारों का आदान-प्रदान होता है, नई प्रतिभाएँ दिशा पाती हैं, वरिष्ठ रचनाकारों के अनुभव नई पीढ़ी तक पहुँचते हैं और भाषा-संस्कृति की निरंतर साधना होती है। यदि यह भूमिका सीमित हो जाए, तो संस्था की उपयोगिता स्वयं प्रश्नों के घेरे में आ जाती है। एक और गंभीर प्रश्न साहित्यकारों की सहभागिता को लेकर भी उठता है। अनेक रचनाकारों का अनुभव है कि अकादमी की निर्णय-प्रक्रिया में सक्रिय साहित्यकारों की भागीदारी अपेक्षित स्तर पर दिखाई नहीं देती। किसी भी साहित्यिक संस्था की आत्मा उसके लेखक, कवि, आलोचक, शोधकर्ता और अनुवादक होते हैं। यदि वही निर्णयों से दूर अनुभव करने लगें, तो संस्था का साहित्यिक चरित्र धीरे-धीरे प्रशासनिक स्वरूप में सिमटने लगता है। यह लेख किसी व्यक्ति विशेष के विरोध में नहीं, बल्कि व्यवस्था के आत्ममंथन का विनम्र आग्रह है। लोकतांत्रिक संस्थाओं की शक्ति आलोचना को स्वीकार करने और उससे सीखने में निहित होती है। यदि साहित्यकार प्रश्न उठा रहे हैं, तो उन्हें असहमति नहीं, बल्कि सुधार के अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। आवश्यक है कि अकादमी पुरस्कारों एवं सम्मानों की प्रक्रिया को समयबद्ध बनाए, सम्मान समारोहों की गरिमा पुनर्स्थापित करे, साहित्यकारों के साथ नियमित संवाद स्थापित करे और पूरे वर्ष की साहित्यिक गतिविधियों का सुविचारित कैलेंडर सार्वजनिक करे। प्रत्येक जिले में साहित्यिक कार्यशालाएँ, पुस्तक चर्चाएँ, युवा लेखक सम्मेलन, लोक-साहित्य महोत्सव, शोधपरक संगोष्ठियाँ और विद्यालय-महाविद्यालय स्तर पर साहित्यिक अभियान आयोजित किए जाएँ। यही किसी सशक्त साहित्य अकादमी की पहचान होती है। साहित्यकार सम्मान का याचक नहीं होता। वह केवल अपने श्रम, अपनी साधना और अपनी सृजनशीलता के प्रति सम्मानजनक व्यवहार की अपेक्षा करता है। उसका सबसे बड़ा पुरस्कार समाज का विश्वास और उसका सबसे बड़ा सम्मान उसकी गरिमा है। यदि वही आहत होने लगे, तो यह किसी एक व्यक्ति की पीड़ा नहीं, बल्कि समूचे साहित्यिक समाज की वेदना बन जाती है। हरियाणा की साहित्यिक परंपरा अत्यंत समृद्ध और गौरवशाली रही है। इस भूमि ने ऐसे अनेक साहित्यकार दिए हैं जिनकी लेखनी ने राष्ट्रीय साहित्य को नई ऊँचाइयाँ प्रदान की हैं। ऐसी गौरवशाली परंपरा की साहित्यिक संस्था से अपेक्षा भी उसी स्तर की स्वाभाविक है। आवश्यकता है कि अकादमी प्रशासनिक औपचारिकताओं से ऊपर उठकर साहित्य की आत्मा को समझे, साहित्यकारों के सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता दे और स्वयं को केवल एक कार्यालय नहीं, बल्कि सांस्कृतिक चेतना के सशक्त केंद्र के रूप में स्थापित करे। आज आवश्यकता किसी विवाद को जन्म देने की नहीं, बल्कि विश्वास को पुनर्जीवित करने की है। सम्मान केवल प्रदान नहीं किया जाता, उसे अनुभव भी कराया जाता है। जब तक साहित्यकार स्वयं को सम्मानित अनुभव नहीं करेगा, तब तक सबसे भव्य आयोजन भी भीतर से रिक्त प्रतीत होंगे। आशा है कि हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी इन प्रश्नों को सकारात्मक दृष्टि से स्वीकार करेगी और आत्ममंथन के माध्यम से ऐसी कार्यसंस्कृति विकसित करेगी जिसमें साहित्यकार का स्वाभिमान, साहित्य की गरिमा और संस्कृति का सम्मान सर्वोच्च स्थान प्राप्त करे। क्योंकि अंततः किसी भी समाज का भविष्य उसकी आर्थिक उपलब्धियों से नहीं, बल्कि उसकी सांस्कृतिक चेतना से निर्धारित होता है—और उस चेतना का सबसे उज्ज्वल दीप साहित्य ही है।

देश दुनीया से

सड़क पर पैदल चलना : अब मौलिक अधिकार

भारत में विकास की पहचान अक्सर चौड़ी सड़कों, फ्लाईओवरों और एक्सप्रेसवे से की जाती है। लेकिन विकास का वास्तविक अर्थ केवल तेज गति से दौड़ते वाहनों की सुविधा नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा और गरिमा भी है। दुर्भाग्य से हमारे देश में सड़क पर पैदल चलने वाले व्यक्ति को आज भी सबसे कमजोर और उपेक्षित सड़क उपयोगकर्ता माना जाता है। यही कारण है कि सड़क दुर्घटनाओं में सबसे अधिक नुकसान अक्सर उन्हीं लोगों को उठाना पड़ता है जिनके पास कोई वाहन नहीं होता। हाल ही में एक अत्यंत दुखद मामले की सुनवाई के दौरान देश के सर्वोच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण टिप्पणी की। एक पिता अपने पांच वर्षीय पुत्र को स्कूल छोडने जा रहा था, तभी एक सड़क दुर्घटना में मासूम बच्चे की जान चली गई। मुआवजे की सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि पैदल चलने का अधिकार संविधान के तहत मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए तथा सड़कों पर पैदल यात्रियों के अधिकारों को मोटर वाहनों से ऊपर रखा जाना चाहिए। यह टिप्पणी केवल एक मामले तक सीमित नहीं है, बल्कि देश की सड़क सुरक्षा व्यवस्था और विकास की सोच पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 (1)-डी में देश के पूरे क्षेत्र में स्वतंत्र रूप से घूमने का अधिकार है और अनुच्छेद 21 प्रत्येक नागरिक को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान करता है। सर्वोच्च न्यायालय भी समय-समय पर इन अनुच्छेदों की व्यापक व्याख्या करते हुए गरिमामय जीवन, स्वच्छ पर्यावरण और सुरक्षित जीवन को भी इसका हिस्सा मान चुका है। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या सड़क पर सुरक्षित रूप से चलना भी नागरिक के जीवन के अधिकार का हिस्सा नहीं होना चाहिए? यदि कोई व्यक्ति घर से निकलकर सड़क पार करने में ही अपनी जान गंवा दे, तो उसके संवैधानिक अधिकारों की रक्षा का दावा कितना सार्थक रह जाता है? भारत में सड़क दुर्घटनाएं एक गंभीर सार्वजनिक संकट बन चुकी हैं। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि हर वर्ष लाखों सड़क दुर्घटनाएं होती हैं और डेढ़ लाख से अधिक लोगों की मृत्यु हो जाती है। औसतन प्रति वर्ष 30500 से अधिक पैदल यात्रियों की जान चली जाती है। कुल पैदल यात्रियों में से लगभग 31 प्रतिशत राष्ट्रीय मार्गों पर काल का ग्रास बन जाते हैं। ये आंकड़े पूरे विश्व में सबसे अधिक हैं। इनमें बड़ी संख्या पैदल यात्रियों, साइकिल चालकों और अन्य कमजोर सड़क उपयोगकर्ताओं की होती है। तेज रफ्तार, लापरवाही से वाहन चलाना, शराब पीकर ड्राइविंग करना और सड़क सुरक्षा नियमों की अनदेखी इसके प्रमुख कारण हैं। विडंबना यह है कि मोटर वाहन अधिनियम 1988 में वाहनों, चालकों और यातायात नियमों से संबंधित विस्तृत प्रावधान हैं। वाहन पंजीकरण, ड्राइविंग लाइसेंस, बीमा, प्रदूषण नियंत्रण और दंडात्मक प्रावधानों को विस्तार से परिभाषित किया गया है। लेकिन पैदल यात्रियों के अधिकारों, उनकी सुरक्षा और उनके लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे को लेकर कोई समग्र कानूनी ढांचा दिखाई नहीं देता। कानून यह तो बताता है कि वाहन कैसे चलाया जाए, लेकिन यह पर्याप्त रूप से सुनिश्चित नहीं करता कि सड़क पर चलने वाला व्यक्ति सुरक्षित कैसे रहेगा। देश के अधिकांश शहरों में फुटपाथ या तो हैं ही नहीं, और जहां हैं, वहां अतिक्रमण का कब्जा है। कई स्थानों पर जेब्रा क्रॉसिंग केवल सफेद धारियों तक सीमित हैं, जिनका वाहन चालक सम्मान नहीं करते। स्कूलों, अस्पतालों और बाजारों के आसपास भी पैदल यात्रियों की सुरक्षा के पर्याप्त प्रबंध नहीं मिलते। परिणामस्वरूप सड़कें नागरिकों के बजाय वाहनों के लिए अधिक अनुकूल दिखाई देती हैं। अब समय आ गया है कि सरकार इस विषय पर गंभीरता से विचार करे। जिस प्रकार बच्चों, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों के लिए विशेष कानून बनाए गए हैं, उसी प्रकार पैदल यात्रियों की सुरक्षा के लिए भी एक व्यापक राष्ट्रीय नीति या स्वतंत्र कानून बनाया जाना चाहिए। सड़कों के निर्माण और यातायात प्रबंधन में पैदल यात्री प्रथम की अवधारणा को अपनाया जाना चाहिए। सरकार को प्रत्येक सड़क परियोजना में सुरक्षित फुटपाथ, जेब्रा क्रॉसिंग, अंडरपास और पैदल पुल अनिवार्य करने चाहिए। स्कूलों और अस्पतालों के आसपास विशेष सुरक्षा क्षेत्र विकसित किए जाने चाहिए। सड़क निर्माण से पहले पैदल यात्री सुरक्षा ऑडिट अनिवार्य होना चाहिए। साथ ही तेज रफ्तार या लापरवाही से वाहन चलाकर पैदल यात्रियों को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ कठोर दंड सुनिश्चित किया जाना चाहिए। विकसित देशों ने सड़क को केवल वाहनों के लिए नहीं, बल्कि नागरिकों के लिए साझा सार्वजनिक स्थान माना है। इसलिए वहां पैदल चलना केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि एक संरक्षित नागरिक अधिकार के रूप में देखा जाता है। अमरीका, ब्रिटेन और जापान जैसे देशों में पैदल चलने वालों को सड़क की उल्टी दिशा में चलने की हिदायत दी जाती है ताकि सामने से आने वाली गाड़ी को देखा जा सके। यद्यपि पैदल यात्रियों के लिए कोई अलग अंतरराष्ट्रीय संधि नहीं है, फिर भी संयुक्त राष्ट्र और विश्व स्वास्थ्य संगठन की विभिन्न घोषणाएं सुरक्षित और सुलभ पैदल परिवहन को एक महत्वपूर्ण मानव और शहरी अधिकार के रूप में स्वीकार करती हैं।

आप का नजरीया

यह 'रामद्रोह' है

अयोध्या के राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव एवं विहिप के उपाध्यक्ष चंपत राय बंसल को, अंततः, इस्तीफा देना पड़ा। अनिल मिश्रा ने भी ट्रस्ट सदस्य के तौर पर इस्तीफा दे दिया है। प्रभु श्रीराम की प्रतिमा प्राण-प्रतिष्ठा के जो अनुष्ठान किए गए थे, अनिल मिश्रा और उनकी पत्नी ने 'यजमान' की भूमिका निभाई थी। ऐसा व्यक्ति 'पतित' कैसे हो सकता है? बहरहाल ट्रस्ट की बैठक 11 जुलाई घोषित की गई है, जिसमें इन इस्तीफों पर विचार किया जाएगा। इस्तीफे स्वीकार किए जाएंगे अथवा नहीं, यह फिलहाल असमंजस है। राम मंदिर के भीतर जो चोरी-डकैती की गई है, वह 'महापाप' या 'महाडकैती' ही नहीं, बल्कि 'रामद्रोह' है। यह देशद्रोह से भी जघन्य अपराध है, गंभीर है, संवेदनशील है, क्योंकि करोड़ों आस्थाओं को लूटा गया है। एक संगठित गिरोह के तौर पर उन्होंने ही प्रभु राम के दान-चढ़ावे को लूटा है, जिनके चेहरों पर 'राम सेवक' के मुखौटे थे। उनमें से अधिकतर न्यायिक हिरासत में जेल के भीतर हैं, लेकिन आंशिक तौर पर...क्योंकि पुलिस ने उनकी रिमांड ही अदालत से नहीं मांगी है। पुलिस भी विशेष जांच टीम की अंतरिम रपट को ही पूर्ण साक्ष्य मान रही है, लिहाजा जेलगामी 'राम सेवक' जमानत पर भी बाहर आ सकते हैं! ये हिरासतें 'छोटी मछलियों' की हैं। आश्चर्य है कि न तो विशेष जांच टीम की कथित रपट में और न ही प्राथमिकी में चंपत राय और अनिल मिश्रा सरीखी 'बड़ी मछलियों' के नाम, आरोपितों की जमात में, दर्ज किए गए हैं। करोड़ों के जमीन-सौदों के दस्तावेजों पर चंपत राय और अनिल मिश्रा के ही दस्तखत हैं। तो फिर ये चेहरे आरोपित क्यों नहीं हैं? मामला निष्ठाओं का नहीं, नीयत का है और साक्ष्यों का है। इनकी जवाबदेही क्यों नहीं है? मंदिर का ट्रस्ट क्या प्रधानमंत्री दफ्तर को ब्यौरे देने से इंकार कर सकता है? ट्रस्ट केंद्र सरकार ने ही गठित किया था। राम मंदिर के ऐसे ट्रस्ट को अभी तक भंग क्यों नहीं किया गया? क्योंकि चंपत राय मूलतः संघ के प्रचारक रहे हैं और प्रधानमंत्री मोदी भी संघ के प्रचारक थे! क्या चंपत राय, अनिल मिश्रा, नृपेन्द्र मिश्रा से लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ही राम मंदिर के ठेकेदार हैं? पहरेदार हैं? क्या प्रभु राम इनकी ही बपौती हैं? करोड़ों रुपए की चोरी-डकैती के आरोप हैं, खरीदी गई जमीनों में घपले के सवाल हैं, चंपत राय ट्रस्ट के सर्वेसर्वा रहे हैं, तो उन्हें आरोपित क्यों नहीं बनाया गया? शक तो यह भी है कि इनके जरिए 'और बड़ी मछलियां' बेनकाब हो सकती हैं! बहरहाल अब ट्रस्ट स्तब्ध, आहत, दुखी महसूस कर रहा है। ट्रस्ट ने प्रेस विज्ञप्ति जारी की है, जो न तो लेटरहेड पर है और न ही किसी अधिकृत पदाधिकारी के हस्ताक्षर हैं। अलबत्ता ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि का नाम जरूर टंकित किया गया है। ट्रस्ट का आरोप है कि कुछ असामाजिक, अधार्मिक, स्वार्थी तत्त्वों ने सनातन पर लांछन लगाने की कोशिश की है। ये लांछन नहीं, यथार्थ है, क्योंकि आम रामभक्तों न सवाल उठाए हैं। कमोबेश 79.85 लाख रुपए से अधिक की नकदी तो बरामद की गई है। वे लुटेरे तो 'राम सेवक' कहे जाते थे! ट्रस्ट ने विज्ञप्ति के जरिए उन दानदाताओं को आश्वस्त करने का प्रयास किया है, जिन्होंने 200 किलो, 60 किलो की चांदी की ईंटें, काकभुशुंडी की चांदी की प्रतिमा, सोने-हीरे के आभूषण, प्रभु की चरण-पादुका आदि भगवान राम को अर्पित की थीं। उद्धव ठाकरे ने भी 4 किलो चांदी की ईंटें और 1 करोड़ रुपए नकद राम मंदिर में दान दिए थे। सवाल है कि किसी को भी रसीद क्यों नहीं दी गई? दानदाता के साथ फोटो खिंचवाने से इंकार क्यों किया गया? अब यदि ये दान सुरक्षित और उपलब्ध हैं, तो उनकी फोटो सार्वजनिक क्यों न की जाए? यह तथ्य भी सामने आया है कि मंदिर में 40 दिनों के अंतराल में 70 बार चोरी-डकैती की गई। कितना संगठित और साजिशकार गिरोह रहा होगा? बहरहाल ट्रस्ट ने ही खुलासा किया है कि अभी तक राम मंदिर में 4575 करोड़ रुपए का कुल दान, चढ़ावा आया है। उसमें से 2475 करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं।

अनिल मिश्रा ने भी ट्रस्ट सदस्य के तौर पर इस्तीफा दे दिया है। प्रभु श्रीराम की प्रतिमा प्राण-प्रतिष्ठा के जो अनुष्ठान किए गए थे, अनिल मिश्रा और उनकी पत्नी ने 'यजमान' की भूमिका निभाई थी। ऐसा व्यक्ति 'पतित' कैसे हो सकता है? बहरहाल ट्रस्ट की बैठक 11 जुलाई घोषित की गई है, जिसमें इन इस्तीफों पर विचार किया जाएगा। इस्तीफे स्वीकार किए जाएंगे अथवा नहीं, यह फिलहाल असमंजस है। राम मंदिर के भीतर जो चोरी-डकैती की गई है, वह 'महापाप' या 'महाडकैती' ही नहीं, बल्कि 'रामद्रोह' है। यह देशद्रोह से भी जघन्य अपराध है, गंभीर है, संवेदनशील है, क्योंकि करोड़ों आस्थाओं को लूटा गया है। एक संगठित गिरोह के तौर पर उन्होंने ही प्रभु राम के दान-चढ़ावे को लूटा है, जिनके चेहरों पर 'राम सेवक' के मुखौटे थे। उनमें से अधिकतर न्यायिक हिरासत में जेल के भीतर हैं, लेकिन आंशिक तौर पर...क्योंकि पुलिस ने उनकी रिमांड ही अदालत से नहीं मांगी है। पुलिस भी विशेष जांच टीम की अंतरिम रपट को ही पूर्ण साक्ष्य मान रही है, लिहाजा जेलगामी 'राम सेवक' जमानत पर भी बाहर आ सकते हैं! ये हिरासतें 'छोटी मछलियों' की हैं। आश्चर्य है कि न तो विशेष जांच टीम की कथित रपट में और न ही प्राथमिकी में चंपत राय और अनिल मिश्रा सरीखी 'बड़ी मछलियों' के नाम, आरोपितों की जमात में, दर्ज किए गए हैं।

कुछ अलग

दूल्हे की तलवार

कोई आज तक नहीं बता पाया कि दूल्हे की सजावट में तलवार का क्या काम, फिर भी साहसी दूल्हा किसी फतह के मुगालते में शादी में तलवार को अपना प्रतीक मान लेता है। शादी सफल होने की गारंटी, पति के कर्मों, समर्पण, निरंतर हार और प्रायश्चित में है। खैर शादी के ठीक पहले ही दूल्हे की तलवार गुम हो गई थी। जिस तलवार के सहारे दूल्हे के पिता, चाचा, दादा और पुरखों ने शादियां रचाई थीं, आखिर वो खो कैसे सकती, लिहाजा घर के सदस्य परेशान हो गए। परिवार की शान के लिए एक अदद तलवार चाहिए थी। किसी तरह किराये पर तलवार का बंदोबस्त हुआ, लेकिन उसके ऊपर पहले से ही कई दूल्हों के नाम खुदे हुए थे। गिनती में वह सौवां दूल्हा था जो इसी तलवार के सहारे शादी रचाने जा रहा था। एक दिल किया कि वह इससे पूर्व बने दूल्हों से पूछे कि तलवार लटकाने से क्या मिला, 'क्यों न चाकू या छुरी लटका लूं।' दिक्कत यह भी थी कि तलवार लटका कर उसे शादी का रात-दिन एक करना था। बाजार से सोना खरीदना फिर भी आसान है, लेकिन दूल्हा होने की योग्यता कठिन है। अब शक्ल से नहीं, टिकाऊपन से दूल्हे तय होते हैं। वह तय कर चुका था कि एक बार शादी हो जाए, वह जिंदगी भर टिका रहेगा। खैर दूल्हे को तलवार की चिंता थी कि कहीं फिर से खो न जाए। वह राजनीतिक गारंटियों की तरह तलवार की गारंटी पर शक कर रहा था। तलवार टांगे-टांगे उसने शादी की तमाम शर्तें मान लीं, जो उसके पुरखों ने भी कभी मानी थीं। अब वह उत्तीर्ण दूल्हा था, लिहाजा तलवार हटा दी गई। उसकी पगड़ी उतर चुकी थी और साधारण कपड़ों में पति जैसा दिखाई दे रहा था। आश्चर्य यह कि आदर्श पति की कोई भी निशानी नहीं होती।

दृष्टि कोण

व्यापार समझौतों का नया सुकूनदेह परिदृश्य

हाल ही में 25 से 27 जून तक लंदन में भारत-ब्रिटेन व्यापक, आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीइटीए) की समीक्षा के बाद केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सीइटीए 15 जुलाई से कार्यान्वित होगा। इससे भारत और ब्रिटेन दोनों लाभान्वित होंगे। खासतौर से भारत से निर्यात बढ़ेंगे एवं भारतीय पेशेवरों के लिए ब्रिटेन के बाजार में अवसर बढ़ेंगे। इसमें कोई दोमत नहीं हैं कि इस समय भारत के व्यापार समझौतों का परिदृश्य लगातार सुकूनदायक होता जा रहा है। विगत 17 जून को फ्रांस में जी-7 शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस बैठक में ट्रंप ने कहा कि अमरीका के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार समझौता जल्द आकार लेगा। ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि मैं उन्हें बहुत पसंद करता हूं, वे मेरे अच्छे दोस्त हैं और भविष्य में मैं भारत जा सकता हूं। ट्रंप की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब दोनों देश व्यापार समझौते के लिए अपने आर्थिक-व्यापारिक मुद्दों को सुलझाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में पिछले दिनों 1 जून से 4 जून के बीच नई दिल्ली में भारत और अमरीका के बीच महत्वपूर्ण व्यापार वार्ता संपन्न हुई है। इस वार्ता के बाद दोनों देशों ने कहा कि उनके बीच द्विपक्षीय व्यापार वार्ता से संबंधित 99 प्रतिशत मुद्दे तय हो चुके हैं और दोनों देश एक पारस्परिक रूप से लाभकारी अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की राह पर हैं। यह भी महत्वपूर्ण है कि जी-7 सम्मेलन के इतर प्रधानमंत्री मोदी के साथ यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने वार्ता के दौरान कहा कि यूरोपीय संघ के साथ भारत का मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) जल्द ही कार्यान्वित होगा। यूरोपीय संघ के साथ भारत के व्यापार समझौते को सभी व्यापार समझौतों में सबसे महत्वपूर्ण माना गया है। उल्लेखनीय है कि वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत आगामी 10 महीनों में 9

एफटीए लागू करेगा। इससे देश निर्यात, विनिर्माण और निवेश का वैश्विक केंद्र बनने की राह पर आगे बढ़ते हुए दिखाई देगा। पश्चिम एशिया संकट के समाधान से भारत से निर्यात बढ़ाने और अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने के मद्देनजर व्यापार समझौतों की अहम भूमिका उभरकर दिखाई दे रही है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि जब इस समय वैश्विक निर्यात का ग्राफ तेजी से घट रहा है, वहीं हाल ही में प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार अप्रैल-मई माह 2026 में भारत का निर्यात पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले करीब 15 प्रतिशत बढ़ गया है और भारत की विकास दर भी उभरते हुए देशों में सबसे अधिक है। ऐसे में अब नए व्यापार समझौतों से इस वित्तीय वर्ष 2026-27 में जहां भारत के निर्यात तेजी से बढ़ेंगे, वहीं अर्थव्यवस्था की रफ्तार और तेज होगी। विगत एक जून को भारत और ओमान के बीच वृहद आर्थिक एवं साझेदारी समझौता (सीईपीए) लागू हो गया है। इससे आगामी पांच वर्षों में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार दोगुना होकर 20 अरब डॉलर के पार पहुंचने का अनुमान है। ओमान में भारत के 99 प्रतिशत से अधिक उत्पादों को शुल्क मुक्त प्रवेश मिलेगा। इसके जरिये ओमान में भारत के कृषि, समुद्री उत्पाद, रत्न एवं आभूषण, फार्मास्यूटिकल्स, वस्त्र, प्लास्टिक, इंजीनियरिंग सामान, कपड़ा, फुटवियर और ऑटोमोबाइल जैसे क्षेत्रों को पूर्ण शुल्क समाप्ति और निर्यात विस्तार का अवसर मिलेगा। खास बात यह है कि यह समझौता दक्षिण एशिया, खाड़ी क्षेत्र और पूर्वी अफ्रीका को जोडने वाला एक रणनीतिक आर्थिक गलियारा स्थापित करेगा।

फीफा विश्व कप 2026 : कनाडा ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर पहली बार अंतिम-16 में बनाई जगह

स्टापेज टाइम में कप्तान स्टीफन यूस्टाकियो ने गोल कर टीम को दिलाई जीत

इंगलवुड

सह-मेजबान कनाडा ने फीफा विश्व कप 2026 के प्री-क्वार्टर फाइनल में रविवार को दक्षिण अफ्रीका को 1-0 से हराकर इतिहास रच दिया। कप्तान स्टीफन यूस्टाकियो ने दूसरे हाफ के स्टापेज टाइम में शानदार लंबी दूरी का गोल दागकर अपनी टीम को पहली बार विश्व कप के अंतिम-16 में पहुंचाया। मुकाबला पूरे समय बेहद कड़ा और रोमांचक रहा।

दोनों टीमों को कई मौके मिले, लेकिन कोई भी गोल नहीं कर सकी। मैच अतिरिक्त समय की ओर बढ़ता दिख रहा था, तभी स्टापेज टाइम में यूस्टाकियो ने पेनल्टी क्षेत्र के बाहर से जोरदार शाट लगाकर गेंद को गोलकीपर रानवेन विलियम्स के हाथों से दूर नेट में पहुंचा दिया। गोल खाने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने बराबरी के लिए अंतिम मिनटों में पूरी ताकत लगा दी, लेकिन कनाडा की रक्षा पंक्ति ने सभी प्रयास विफल कर दिए और टीम ने 1-0 की ऐतिहासिक जीत दर्ज की।

कनाडा के मुख्य कोच जेसी मार्श ने मैच के बाद खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा कि टीम ने पिछले दो वर्षों की मेहनत और तय रणनीति पर भरोसा रखा, जिसका परिणाम उन्हें इस ऐतिहासिक सफलता के रूप में मिला।

पहले हाफ में दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। कनाडा को हाफ टाइम से ठीक पहले बढ़त लेने का शानदार मौका मिला, लेकिन मोइज़ बाम्बिटो का हेडर गोल लाइन से साफ कर दिया गया, जबकि ताजोन बुकेनन का प्रयास गोलकीपर विलियम्स ने रोक लिया। इसके बाद रिची लारिया के पेनल्टी की अपील को वीएआर समीक्षा के बाद भी खारिज कर दिया गया।

दूसरे हाफ में कनाडा लगातार आक्रामक रहा। टानी ओलुवासेयी और जोनाथन डेविड भी गोल करने के करीब पहुंचे, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के रक्षकों ने शानदार बचाव किया। आखिरकार स्टापेज टाइम में यूस्टाकियो के विजयी गोल ने मुकाबले का फैसला कर दिया।

अब कनाडा क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए 4 जुलाई को ह्यूस्टन में नीदरलैंड्स या मोरक्को में से किसी एक टीम से भिड़ेगा।

संक्षिप्त स्कोर:

कनाडा 1 (स्टीफन यूस्टाकियो) ने दक्षिण अफ्रीका 0 को हराया।

न्यूज ब्रीफ

आइसलैंड क्रिकेट ने गंभीर पर कसा तंज, उन्हें कोच बनाने का इरादा नहीं

मुम्बई। आइसलैंड क्रिकेट ने आयरलैंड जैसी कमजोर टीम के खिलाफ हार के बाद भारतीय क्रिकेट टीम के

मुख्य कोच गौतम गंभीर पर निशाना साधा है। आइसलैंड क्रिकेट ने सोशल मीडिया पर कहा कि गंभीर को कोच बनाने का उनका कोई इरादा नहीं है। आइसलैंड क्रिकेट की ये पोस्ट सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। उन्होंने आगे लिखा कि बेहतरीन खिलाड़ियों से सजी भारतीय टीम को आयरलैंड के खिलाफ सीरीज हराने जैसा के लिए खास प्रतिभा की आवश्यकता होती है। साथ ही लिखा, हम पुष्टि कर सकते हैं कि हम गंभीर को अपनी कोचिंग स्टाफ में शामिल करना नहीं चाहते हालांकि, वह बेहद प्रतिभाशाली हैं। उन भारतीय खिलाड़ियों के साथ आयरलैंड में ऐसे परिणाम देना वाकई असाधारण है। यह हार भारतीय टीम के लिए इसलिए भी निराशाजनक है क्योंकि उसने अभी तीन माह पहले ही टी20 विश्व कप खिताब जीत था। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय टीम दो मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज खेलने आयरलैंड पहुंची थी पर हैरानी की बात ये रही कि टीम को दोनों मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा था। पहला मैच बेलफास्ट में हुआ, जिसमें भारत को 34 रनों से हार मिली। इसके बाद, रविवार को बारिश से प्रभावित दूसरे टी20 में आयरलैंड ने 1 रन से रोमांचक जीत दर्ज की। दोनों ही मैचों में भारतीय गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया पर बल्लेबाज पूरी तरह विफल रहे। कप्तान श्रेयस के अलावा संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा भी इस सीरीज में असफल रहे।

विदाई टेस्ट की अंतिम पारी में सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे स्टोक्स

क्राइस्टचर्च। इंग्लैंड ने टेस्ट क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स न्यूजीलैंड के खिलाफ यहां खेले जा रहे

अपने करियर के अंतिम विदायी मैच में सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे। इस मैच में इंग्लैंड ने चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में 15 ओवरों में 4 विकेट खोकर 103 रन बना लिए हैं। अब मैच के पांचवें और आखिरी दिन इंग्लैंड को जीत दर्ज करने के लिए 270 रनों की जरुरत है। वहीं कीवी को जीम के लिए 6 विकेट लेने हैं। चौथे दिन का खेल समाप्त होने के समय अनुभवी जो रूट 9 रन और एमिलियो गे 6 रन बनाकर खेल रहे थे। वहीं इंग्लैंड के कप्तान स्टोक्स इस मैच के बाद खेल को अलविदा कह देंगे। स्टोक्स ने अपने अंतिम टेस्ट की पारी में यादगार प्रदर्शन किया। स्टोक्स ने पारी शुरु करते हुए केवल 20 गेंदों पर 150 के तूफानी स्ट्राइक रेट से 30 रन बनाये। अपनी इस आतिशी पारी में इस बल्लेबाज ने 2 शानदार चौके और 2 छक्के लगाये। भले ही स्टोक्स बड़ी पारी नहीं खेल पाए पर ओपनर के तौर पर उतरने के उनके इस साहसिक फैसले और निडर बल्लेबाजी ने मैदान पर मौजूद हर दर्शक को उत्साहित कर दिया। वहीं स्टोक्स के साथ पारी की शुरुआत करने आए बेन डकेट ने भी अच्छी लय दिखाई और 42 गेंदों में 6 चौकों की मदद से 36 रनों की तेज पारी खेली। इन दोनो ने टीम को 103 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए अच्छी शुरुआत दी पर इसके बाद न्यूजीलैंड के युवा गेंदबाज ज़क्री फाल्क्स ने अपनी सटीक गेंदबाजी से इंग्लैंड के मध्यक्रम को धवस्त कर रख दिया। न्यूजीलैंड की गेंदबाजी की बात करें तो ज़क्री फाल्क्स सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने अपने 5.5 ओवरों में 42 रन देकर 3 विकेट झटके।

एटलेटिको मैड्रिड छोड़कर बार्सिलोना जाना चाहते हैं अल्वारेज़

न्यूजर्सी। अर्जेंटीना के स्टार स्ट्राइकर जूलियन अल्वारेज़ अब एटलेटिको मैड्रिड छोड़कर शीर्ष स्पेनिश

क्लब बार्सिलोना जाना चाहते हैं। अर्जेंटीना की फीफा विश्व कप में आस्ट्रिया पर जीत के बाद अल्वारेज़ ने भी माना है कि वह अब एटलेटिको मैड्रिड से आगे बढ़ना चाहते हैं वहं दूसरी ओर एटलेटिको मैड्रिड इसके लिए तैयार नजर नहीं आता । अल्वारेज़ के अनुसार भविष्य के लिए ट्रांसफर सबसे बेहतर विकल्प है। उन्होंने यह भी कहा कि वह इस मामले में क्लब के अधिकारियों के साथ बात कर रहे हैं। उन्होंने किसी क्लब का नाम नहीं लिया, लेकिन मौजूद जानकारी के अनुसार स्पेनिश दिग्गज बार्सिलोना में खेलने की उनकी इच्छा किसी से छिपी नहीं है। पिछले कुछ सप्ताह से बार्सिलोना, पेरिस सेंट जर्मेन और आर्सेनल जैसे बड़े क्लबों का नाम जूलियन अल्वारेज़ के साथ जोड़ा जा रहा था। वहीं, स्पेन की मीडिया में लगातार यह दावा किया जा रहा है कि खिलाड़ी और बार्सिलोना के बीच व्यक्तिगत शर्तों पर सहमति भी बन चुकी है। रिपोर्टों के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच पांच साल के अनुबंध को लेकर बातचीत सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ी है। हालांकि, एटलेटिको मैड्रिड ने इस मामले में अभी कुछ नहीं कहा है। क्लब ने आधिकारिक बयान जारी करते हुए साफ कहा है कि जूलियन अल्वारेज़ बिक्री के लिए उपलब्ध नहीं हैं।

ईशान में एक अच्छे टेस्ट बल्लेबाज बनने की भी सभी योग्यताएं : श्रीकांत

चेन्नई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व भारतीय कप्तान कृष्णमाचारी श्रीकांत ने कहा है कि आक्रामक सलामी बल्लेबाज ईशान किशन एक अच्छे टेस्ट बल्लेबाज बन सकते हैं पर उन्हें अवसर नहीं मिल रहा। श्रीकांत के अनुसार एक अच्छे टेस्ट बल्लेबाज बनने के लिए जिस प्रकार का कौशल चाहिये वह इस बल्लेबाज में है पर फिर भी उसे अवसर नहीं मिल रहा। साथ ही कहा कि ये निराशाजन बात है कि एक काबिल खिलाड़ी टीम में जगह हासिल नहीं कर पा रहा। ये एक प्रकार से उसकी प्रतिभा के साथ अन्याय है।

गौरतलब है कि करीब दो साल तक राष्ट्रीय टीम से बाहर रहने के बाद, किशन हाल ही में टी20 विश्वकप से टीम में वापसी करने में सफल रहे हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ 50-ओवर के प्रारुप में भी उन्होंने एक अच्छा शतक लगाया है। श्रीकांत के अनुसार उन्हें ईशान के खेलने का अंदाज अच्छा लगता है। इसी को देखते हुए इस पूर्व कप्तान का मानना है कि कि साल 2023 में कुछ टेस्ट मैच खेल चुके किशन टेस्ट में अवसर मिलने पर भी प्रभावित ही करेंगे। उन्होंने इस बल्लेबाज के खेल की सराहना करते हुए कहा, मैं ईशान किशन का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। उन्होंने अचानक वापसी की है और बहुत बढ़िया खेल रहे हैं। मुझे उनका खेल पसंद है। उनके स्ट्रोक खेलने का तरीका, टाइमिंग, पावर और आसानी से खेलने की क्षमता सब लाजवाब है। वह सभी प्रारुपों में बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं पर उन्हें एक प्रारुप तक ही सीमित कर दिया गया है जो भारतीय क्रिकेट के लिए नुकसान देह रहेगा। गौरतलब है कि साल 2024 में ईशान को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के केंद्रीय अनुबंध से हटा दिया गया था। तब इसका कारण जानबूझकर घरेलू क्रिकेट नहीं खेलना बताया गया। इसके बाद ईशान ने घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर अपने को साबित करते हुए मैदान पर वापसी की। श्रीकांत ने भारतीय क्रिकेट टीम की मौजूदा चयन समिति पर भी अपनी राय रखी। उनका मानना है कि समिति घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले कुछ खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम में मौके देने के मामले में हमेशा अच्छा काम नहीं कर पाई है। उन्होंने यशस्वी जायसवाल का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्हें शीर्ष क्रम में बहुत ज्यादा प्रतिस्पर्धा होने के कारण सीमित ओवरों के क्रिकेट में कभी-कभी ही मौके मिलते हैं, जो उनके लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। श्रीकांत ने जायसवाल की प्रतिभा पर जोर देते हुए कहा, वह सभी फार्मेट में खेलने वाले क्रिकेटर हैं। लेकिन उन्हें सिर्फ टेस्ट क्रिकेट में ही मौका मिलता है। उन्होंने जायसवाल के अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन का जिक्र करते हुए बताया, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछली सीरीज में भी, उन्होंने एकदिवसय मैचों में से एक में शतक लगाया था। उन्होंने इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया जैसे बड़े टेस्ट खेलने वाले देशों में भी शतक लगाए हैं। मुझे लगता है कि वह टी20 क्रिकेट में भी कमाल के हैं।

महिला क्रिकेट टीम के प्रति भेदभाव का रवैया अब तक नहीं बदला : सना मीर

लाहौर। पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मीर ने कहा है कि खराब प्रदर्शन के बाद जिस प्रकार से महिला क्रिकेटरों को निशाना बनाया जाता है, उससे साफ है कि अभी भी उनके खिलाफ भेदभाग बरता जा रहा है। सना के अनुसार क्रिकेट के प्रति दीवानगी के बाद भी प्रशंसकों और आलोचकों द्वारा पुरुष और महिला टीम को लेकर दोहरा रवैय अपनाया जा रहा है। टी20 विश्वकप में पाक के खराब प्रदर्शन से भी प्रशंसक भड़के थे। पाक टीम ने विश्व कप में लगातार चार हार के बाद नीदरलैंड्स पर एकमात्र जीत की है। इस निराशाजनक प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए, सना ने सवाल किया कि जब पुरुष टीम खराब प्रदर्शन करती है, तो क्या कोई उनसे घर पर ही रहकर काम करने को कहता है। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि दोहरा रवैया नहीं चलेगा। खासकर जब पुरुष और महिला टीमों के प्रदर्शन पर चर्चा की जाती है। उन्होंने कहा, मैं आलोचना के इस लहजे से सहमत नहीं हूं। हां, टीम उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी पर केवल इसलिए कि यह महिला टीम है तो उससे भेदभाव क्यों किया जाये उन्होंने दुख जताया कि इतने सालों बाद भी महिला टीम को वह सम्मान नहीं मिल रहा है, जिसकी वे अधिकारी हैं। उन्होंने ने प्रशंसकों और आलोचकों से कहा कि पेशेसर क्रिकेट अपनाने वाली लड़कियों को जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, उन पर भी ध्यान देने को कहा है। उन्होंने कहा कि लड़कियों की क्षमता साबित करने में कई साल लग गए, और यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि उनके प्रदर्शन को अभी भी उनके लिंग के आधार पर आंका जा रहा है, न कि क्रिकेट कौशल के आधार पर। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सबसे पहले महिला क्रिकेट के प्रति सामाजिक सोच बदलने की जरूरत है।

यूएस ओपन बैडमिंटन के फाइनल में हारे किदांबी श्रीकांत

फुलर्टन

भारत के अनुभवी शटलर किदांबी श्रीकांत का यूएस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट जीतने का सपना अधूरा रह गया। पुरुष एकल फाइनल में रविवार को उन्हें चीनी ताइपे के सू ली-यांग के खिलाफ तीन गेम तक चले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा।

विश्व चैंपियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता और पूर्व विश्व नंबर-1 श्रीकांत ने पहला गेम गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए दूसरा गेम अपने नाम किया, लेकिन निर्णायक गेम में वह युवा प्रतिद्वंद्वी की तेज रफ्तार और आक्रामक खेल का जवाब नहीं दे सके। लगभग एक घंटे तक चले मुकाबले में श्रीकांत 15-21, 21-16, 9-21 से पराजित हुए।

33 वर्षीय श्रीकांत इस सत्र का अपना पहला फाइनल खेल रहे थे। मुकाबले की शुरुआत उन्होंने अच्छी की, लेकिन कुछ अनावश्यक गलतियों का फायदा उठाकर सू ली-यांग ने पहला गेम जीत लिया।

दूसरे गेम में श्रीकांत ने शानदार नेट प्ले और दमदार स्मैश का प्रदर्शन किया। उन्होंने लगातार बढ़त बनाए रखी और 21-16 से गेम जीतकर मुकाबला बराबरी पर ला दिया।

हालांकि निर्णायक तीसरे गेम में सू ली-यांग ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और लगातार बढ़त बनाते हुए श्रीकांत पर दबाव बनाए रखा। ब्रेक तक उन्होंने चार अंकों की बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद श्रीकांत वापसी नहीं कर सके और सू ली-यांग ने मैच जीतकर अपने करियर का पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीत लिया।

इस हार के बावजूद श्रीकांत का प्रदर्शन पूरे टूर्नामेंट में शानदार रहा। उन्होंने सेमीफाइनल में जापान के युदाई ओकिमोटो को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। पिछले वर्ष भी वह मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 और सैयद मोदी इंटरनेशनल सुपर 300 में उपविजेता रहे थे।

एलियट को मैनचेस्टर सिटी ने रिकार्ड कीमत पर अपने साथ जोड़ा

लंदन। ब्रिटेन में मिडफील्डर एलियट एंडरसन प्रीमियर लीग में सबसे महंगे फुटबालर बने हैं। मैनचेस्टर सिटी ने नाटिंघम फारेस्ट के एलियट को 116 मिलियन पाउंड की रिकार्ड कीमत में खरीदा है। ये किसी भी ब्रिटिश खिलाड़ी को मिलनी वाली सबसे महंगी ट्रांसफर फीस है। 23 वर्षीय एलियट ने इसी के साथ ही ही वेस्ट हैम यूनाइटेड से आर्सेनल में 105 मिलियन पाउंड में शामिल हुए फुटबालर डेक्लन राइस का रिकार्ड तोड़ दिया है। इससे साफ है कि प्रीमियर लीग में स्टार खिलाड़ियों को मोटी रकम देने में क्लब पीछे नहीं है। विशेष रुप से स्टार खिलाड़ियों को। दोनों क्लबों के बीच अंतिम सहमति बन चुकी है और एलियट ने भी नाटिंघम फारेस्ट को क्लब छोड़ने की सहमति दे दी है। अब मेडिकल जांच के बाद इस रिकार्ड सौदे की आधिकारिक घोषणा होगी। यह भी कहा जा रहा है कि मैनचेस्टर सिटी ने शुरुआत में एंडरसन के लिए 80 मिलियन पाउंड का प्रस्ताव दिया था पर नाटिंघम फारेस्ट ने उसे अस्वीकार कर दिया था। वहीं पिछले प्रीमियर लीग सत्र में एलियट एंडरसन ने नाटिंघम फारेस्ट के लिए असाधारण प्रदर्शन करते हुए अपनी पहचान बनाई। उन्होंने सभी 38 लीग मुकाबले खेले और केवल एक बार ही शुरुआती एकादश से बाहर रहे।

झारखंड की तीन बेटियां भारतीय जूनियर महिला हाकी टीम में चयनित, इंग्लैंड-स्काटलैंड दौरे पर करेंगी देश का प्रतिनिधित्व

रांची

झारखंड की महिला हाकी ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। राजधानी रांची स्थित सीएम स्कूल आफ एक्सीलेंस, बरियातू हाकी सेंटर की तीन होनहार खिलाड़ी बिनीमा धान, पार्वती टोप्पो और रोशनी आइंद का चयन भारतीय जूनियर महिला हाकी टीम में हुआ है। तीनों खिलाड़ी 5 से 14 जुलाई तक होने वाले इंग्लैंड और स्काटलैंड दौरे पर भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी।

भारतीय जूनियर महिला हाकी टीम इस दौरे के दौरान कुल सात अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलेगी। यूरोप की मजबूत टीमों के खिलाफ खेलने का यह अवसर खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव हासिल करने और अपने खेल को और निखारने का महत्वपूर्ण मंच माना जा रहा है।

बरियातू हाकी सेंटर लंबे समय से झारखंड में महिला हाकी प्रतिभाओं को तैयार करने का प्रमुख केंद्र रहा है। यहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर कई खिलाड़ी पहले भी भारतीय टीम तक अपनी जगह बना चुकी हैं। एक साथ तीन खिलाड़ियों का राष्ट्रीय टीम में चयन सेंटर की उत्कृष्ट प्रशिक्षण व्यवस्था, प्रशिक्षकों की मेहनत और खिलाड़ियों के समर्पण का परिणाम माना जा रहा है।

हाकी झारखंड के महासचिव विजय शंकर सिंह ने तीनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए इसे पूरे राज्य के लिए गौरव का क्षण बताया। उन्होंने कहा कि बरियातू हाकी सेंटर लगातार भारतीय टीम को प्रतिभाशाली खिलाड़ी दे रहा है, जो झारखंड में जमीनी स्तर पर खेल प्रतिभाओं के प्रभावी विकास का प्रमाण है। उन्होंने विश्वास जताया कि बिनीमा धान, पार्वती टोप्पो और रोशनी आइंद अपने शानदार प्रदर्शन से न केवल झारखंड, बल्कि पूरे देश का नाम भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर रोशन करेंगी। उनके चयन से राज्य के युवा खिलाड़ियों को भी प्रेरणा मिलेगी और झारखंड में महिला हाकी को नई ऊर्जा प्राप्त होगी।

आमिर जंगू के दोहरे शतक और रोच के 300 टेस्ट विकेट से वेस्टइंडीज ने श्रीलंका को पारी और 217 रन से रौंदा

एंटीगा। वेस्टइंडीज ने पहले टेस्ट मैच में श्रीलंका को पारी और 217 रन के विशाल अंतर से हराकर दो मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली। मैच के चौथे दिन रविवार को वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका की दूसरी पारी केवल 101 रन पर समेट दी।

इससे पहले श्रीलंका ने पहली पारी में 308 रन बनाए थे। कप्तान धनंजय डी सिल्वा ने शानदार 120 रन की शतकीय पारी खेली, जबकि दिनेश चांडीमल ने 54 रन और नुवांडी फर्नांडो ने 84 रन का योगदान दिया। वेस्टइंडीज की ओर से जस्टिन ग्रीव्स ने तीन विकेट लिए।

जवाब में वेस्टइंडीज ने बल्लेबाजी का शानदार प्रदर्शन करते हुए 626/9 पर पारी घोषित की। विकेटकीपर बल्लेबाज आमिर जंगू ने करियर का पहला दोहरा शतक लगाते हुए 233 रन बनाए, जबकि कप्तान रोस्टन चेज़ ने 194 रन की शानदार पारी खेली। दोनों बल्लेबाजों की

बड़ी पारियों की बदौलत मेजबान टीम ने 318 रन की बढ़त हासिल की।

चौथे दिन श्रीलंका ने 15/1 से आगे खेलना शुरू किया, लेकिन उसकी शुरुआत बेहद खराब रही। दिन के पहले ही ओवर में केमार रोच ने निशान मदुश्का को एलबीडब्ल्यू आउट किया, जबकि तीन गेंद बाद जेडन सील्स ने नाइटवाचमैन कासुन राजिथा को स्लिप में कैच कराकर पवेलियन भेज दिया।

कमिंदु मेंडिस और दिनेश चांडीमल ने पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन कमिंदु मेंडिस शमर जोसेफ की गेंद पर बोल्ड हो गए। इसके बाद पहली पारी में शतक लगाने वाले कप्तान धनंजय डी सिल्वा भी एलबीडब्ल्यू आउट होकर लौट गए। श्रीलंका ने जल्द ही आधी टीम गंवा दी। केमार रोच ने कुसल मेंडिस को भी बोल्ड कर श्रीलंका की मुश्किलें बढ़ा दीं। बारिश के कारण कुछ देर खेल रुका, लेकिन खेल शुरू होते ही वेस्टइंडीज के गेंदबाजों ने दबाव बनाए रखा।

दोपहर के भोजन के बाद रोच ने लगातार गेंदों पर दिनेश चांडीमल और मिलान रत्नायके के विकेट लेकर मैच पूरी तरह अपने नाम कर लिया। इसके बाद असिता फर्नांडो को बोल्ड कर रोच ने टेस्ट क्रिकेट में अपने 300 विकेट पूरे किए। वह इस उपलब्धि तक पहुंचने वाले वेस्टइंडीज के केवल पांचवें गेंदबाज बने।

अंतिम विकेट जेडन सील्स ने लेकर श्रीलंका की पारी समाप्त की और वेस्टइंडीज को कप्तान रोस्टन चेज़ की अगुवाई में पहली टेस्ट जीत दिलाई। दोनों टीमों के बीच दूसरा और अंतिम टेस्ट इसी मैदान पर शुक्रवार से खेला जाएगा।

संक्षिप्त स्कोर:

श्रीलंका: 308 और 101 (दिनेश चांडीमल 43; केमार रोच 4/51)

वेस्टइंडीज: 626/9 घोषित (आमिर जंगू 233, रोस्टन चेज़ 194)

परिणाम: वेस्टइंडीज ने श्रीलंका को पारी और 217 रन से हराया।

न्यूज ब्रीफ

आरईसी के पीएफसी में विलय की योजना को दोनों कंपनियों के निदेशक मंडल की मंजूरी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की पावर फाइनेंस कार्पोरेशन लिमिटेड (पीएफसी) और रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन (आरईसी) लिमिटेड के निदेशक मंडलों ने आरईसी के पीएफसी में विलय की योजना को मंजूरी दे दी है। आरईसी का पीएफसी में विलय होने से एक ऐसी वित्तीय कंपनी बनेगी, जिसका कुल कर्ज खाता 11 लाख करोड़ रुपये से अधिक का होगा। शेयर बाजार को देर रात दोनों कंपनियों ने इस विलय की जानकारी दी। सोमवार को कारोबार के दौरान दिन में करीब आरईसी के शेयर 0.37 फीसदी यानी 1.35 रुपये चढ़कर 366 रुपये प्रति शेयर पर ट्रेड कर रहे थे, जबकि पीएफसी के शेयर 1.56 फीसदी यानी कि करीब 6.75 रुपये टूटकर 425.90 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार कर रहे थे। आरईसी के पीएफसी में विलय कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 230-232 और अन्य लागू प्रावधानों के तहत किया जाएगा, जिसमें संबंधित शेयरधारकों तथा कर्जदाताओं को भी शामिल किया गया है। ये विलय कई शर्तों पर निर्भर है। इनमें दोनों कंपनियों के शेयरधारकों और कर्जदाताओं की मंजूरी और सभी संबंधित नियामकीय तथा सरकारी प्राधिकरणों की मंजूरी शामिल है। दोनों कंपनियों के संयुक्त बयान के अनुसार विलय के बाद बनी कंपनी का कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत सरकारी कंपनी का दर्जा बनाए रखना और भारत सरकार का विलय के बाद बनी कंपनी में (सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से) ज्यादातर मतदान अधिकार और नियंत्रण बनाए रखना भी जरूरी है।

गिफ्ट सिटी से सीमा-पार भुगतान सेवाओं को नई उड़ान

अभारतीय कंपनियां सीमा-पार भुगतान सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए अपना रही हैं एक नई रणनीति

नई दिल्ली

फिनटेक कंपनियां आईएफएससीए के पीएसपी लाइसेंस से घरेलू नियामकीय ढांचे से बाहर निकलकर पूंजी बाजार और बहु-मुद्रा भुगतान जैसे वैश्विक अवसरों का लाभ उठाएंगी। डिसेंट्रो, स्काइडो और एक्सफ्लो को मंजूरी। भारतीय कंपनियां सीमा-पार भुगतान सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए एक नई रणनीति अपना रही हैं। इसका उद्देश्य घरेलू नियामक ढांचे की सीमाओं से बाहर निकलकर अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आईएफएससीए) के भुगतान सेवा प्रदाता (पीएसपी) लाइसेंस के माध्यम से नए कारोबारी अवसरों का लाभ उठाना है। यह कदम कंपनियों को पूंजी बाजार से जुड़े लेनदेन, ट्रेजरी सुविधाओं और कई मुद्राओं में भुगतान समाधान उपलब्ध कराने में सक्षम बनाएगा, जो भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के मौजूदा पेमेंट एग्रीगेटर-क्रास बार्डर (पीए-सीबी) नियमों के तहत संभव नहीं थे। इस पहल के तहत, स्काइडो और एक्सफ्लो जैसी फिनटेक कंपनियों को आईएफएससीए से पीएसपी लाइसेंस के लिए सैद्धांतिक मंजूरी मिल चुकी है, जबकि डिसेंट्रो ने पूर्ण लाइसेंस हासिल कर लिया है। ये कंपनियां इस वर्ष अपना परिचालन शुरू करने के लिए बैंकों के साथ साझेदारी कर रही हैं। डिसेंट्रो के एक अधिकारी ने बताया, गिफ्ट सिटी में ट्रेड फाइनेंस और ट्रेजरी जैसी सेवाओं की बढ़ती मांग के साथ, हम 2027 के अंत तक पीएसपी लाइसेंस कारोबार से लगभग 10 लाख डालर का राजस्व हासिल करने का लक्ष्य रख रहे हैं। गिफ्ट सिटी को विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवाओं के लिए विकसित किया गया है, और इसका पीएसपी लाइसेंस खाता जारी करने, एस्क्रो सेवाओं, सीमा-पार धन हस्तांतरण और व्यापारियों को जोड़ने जैसी पांच प्रमुख गतिविधियों की अनुमति देता है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार वित्तपोषण सेवा मंच (आईटीएफएस) के संचालक भी भारत के ई-नैच की तरह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम करने वाले भुगतान ढांचे की मांग कर रहे हैं, जिससे पीएसपी कंपनियों के लिए नए कारोबारी अवसर पैदा हो रहे हैं।

कुपोषण से जंग, मिशन सेहत से बदलेगी कृषि-स्वास्थ्य रणनीति , पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य उत्पादन और रोगों की रोकथाम पर जोर

नई दिल्ली। देश में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के बाद, भारत ने अब अपना ध्यान पोषण सुरक्षा पर केंद्रित किया है। इस दिशा में, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) और भारतीय चिकित्सा शोध परिषद (आईसीएमआर) ने मिशन सेहत लान्च किया है। इसका लक्ष्य कृषि और स्वास्थ्य मंत्रालयों के बीच तालमेल बिठाकर पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य उत्पादन और रोगों की रोकथाम पर जोर देना है। यह पहल ऐसे समय में आई है जब अध्ययनों से पता चला है कि आधुनिक उच्च उपज वाली फसलों में कैल्शियम, आयरन और फास्फोरस जैसे आवश्यक पोषक तत्व अपनी पारंपरिक किस्मों की तुलना में 38 फीसदी तक कम होते हैं। यही कारण है कि पर्याप्त अनाज के बावजूद देश में बड़े पैमाने पर कुपोषण और पोषण की कमी एक गंभीर समस्या बनी हुई है। नवीनतम राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 (2023-24) के अनुसार, देश की 19.7 फीसदी आबादी कम वजन वाली है, जबकि 27.3 फीसदी पुरुष और 30.7 फीसदी महिलाएं मोटापे का शिकार हैं। पांच साल से कम उम्र के 31.8 फीसदी बच्चे भी कम वजन के हैं। इन चिंताजनक आंकड़ों के मद्देनजर, कृषि मंत्रालय जो पहले केवल कैलोरी आवश्यकताओं पर केंद्रित था, और स्वास्थ्य मंत्रालय जो मुख्य रूप से बीमारियों के इलाज पर ध्यान देता था, अब मिशन सेहत के तहत पोषण सुरक्षा और रोगों की रोकथाम के लिए मिलकर काम करेंगे।

केंद्र ने कारोबार करने में आसानी को बढ़ावा देने के लिए सुधार सूचना तंत्र शुरू किया

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने व्यापार करने में आसानी (ईओडीबी) को बढ़ावा देने के लिए सुधार सूचना तंत्र की शुरुआत की है। इसे जन विश्वास (प्रावधानों का संशोधन) अधिनियम के जरिए लागू किया गया है, जो व्यवसायों को बिना दंड के प्रक्रियात्मक कमियों को सुधारने का मौका देता है।

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के मुताबिक इस नई व्यवस्था के तहत अगर कोई कारोबार पहली बार प्रक्रिया या नियमों का पालन करने में कोई तय चूक करता है, तो उसे दंडात्मक कार्रवाई शुरू होने से पहले उस कमी को ठीक करने का मौका दिया जाएगा। इस सुधार का मकसद ईज आफ डूइंग बिजनेस (ईओडीबी) को बढ़ावा देना है। यह सुधार ईओडीबी को बढ़ावा देता है। यह स्वेच्छा से नियमों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करता है, अनावश्यक कानूनी विवादों को कम करता है और भरोसे पर आधारित रेगुलेटरी सिस्टम को सपोर्ट करता है। इसके साथ ही उपभोक्ताओं की मज़बूत सुरक्षा भी सुनिश्चित करता है।

मंत्रालय ने कहा कि इसे जन विश्वास (प्रावधानों का संशोधन) अधिनियम के माध्यम से लागू किया गया है, जो व्यवसायों को बिना दंड के प्रक्रियात्मक कमियों को सुधारने का मौका देता है। इसके लिए स्वेच्छा से नियमों का पालन करने को प्रोत्साहित किया जाएगा, बेवजह के कानूनी विवाद कम किए जाएंगे और भरोसे पर आधारित रेगुलेटरी सिस्टम को सपोर्ट किया जाएगा, साथ ही उपभोक्ताओं की सुरक्षा भी मजबूत बनी रहेगी।

सुधार नोटिस सिस्टम पहली बार होने वाली कुछ खास प्रक्रियात्मक और रेगुलेटरी कमियों पर लागू होता है, जिसमें रजिस्ट्रेशन की जरूरतें, डाक्यूमेंटेशन और रिकार्ड रखना, माडल मंजूरी, वजन और माप का निर्माण, बिक्री और मरम्मत, वजन और माप का आयात, लेन-देन और पैक्ड सामान, कानूनी जानकारी और रिटर्न देना आदि हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सीबीआई ...

याचिका में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने हालांकि इन आरोपों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है, लेकिन जांच बिना प्राथमिकी दर्ज किए शुरू हुई है, जिससे इसके निष्कर्षों को चुनौती दी जा सकती है।

याचिकाकर्ताओं के अनुसार, एसआईटी के पास जटिल वित्तीय लेन-देन और डिजिटल साक्ष्यों से जुड़े आरोपों की जांच के लिए आवश्यक फोरेंसिक विशेषज्ञता और खोजी संसाधनों की भी कमी है।

एक पुराने उदाहरण का हवाला देते हुए, याचिका में तिरुमला तिरुपति देवस्थानम से जुड़े कथित मिलावटी घी विवाद की जांच का संदर्भ दिया गया है, जहां सीबीआई के नेतृत्व में एक बहुविषय एसआईटी का गठन किया गया था। याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि वर्तमान मामले की जांच के लिए भी इसी तरह की व्यवस्था की आवश्यकता है।

ओवैसी...

बंगाल में चुनाव लड़ने गए, वहां पर भी यही इल्जाम लगा दिए। जब ममता हार गईं, उनके 20 सांसद पीएम मोदी और अमित शाह के साथ चाय पी रहे हैं, उसमें वो लोग भी थे जो दिन रात मुझे गाली देते थे।

ओवैसी का कांग्रेस-सपा को ऑफर

उत्तर प्रदेश की सियासत में अपने लिए जमीन तलाश रहे ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने आज बिजनौर के नजीमाबाद में एक जनसभा में बीजेपी-आरएसएस और योगी सरकार के साथ ही समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला। ओवैसी ने कहा कि बीजेपी को रोकने के लिए वे गठबंधन के आधे रास्ते तक तैयार हैं, लेकिन इज्जत और सम्मान के साथ।

ओवैसी ने आगे कहा कि अगर हमको एनकाउंटर से बचना है, इज्जत चाहिए और मस्जिदों को बचाना है तो इसके लिए जिम्मेदार कौन हैं? हम नहीं चाहते कि यूपी में दोबारा बीजेपी की सरकार बने। एमआईएम मुखिया ने स्पष्ट किया कि गठबंधन इज्जत और सम्मान के आधार पर होना चाहिए। अगर समझौता इज्जत के साथ होगा तो ओवैसी तैयार है, लेकिन दरी बिछाने के दिन अब खत्म हो गए अब हक और सम्मान की लड़ाई है।

पाक की...

वहीं, भारत का तेज़ी से बढ़ता स्वदेशी ड्रोन उद्योग उसके रक्षा निर्यात और रणनीतिक साझेदारियों के भविष्य को लेकर एक अहम सवाल खड़ा करता है। ईवाई वेबसाइट पर छपी एक रिपोर्ट के अनुसार, अगले दशक में भारत के पास एक ऐसा मौका है जिसे वह गंवा नहीं सकता ˉ और वह है ड्रोन क्रांति। फीक्की की हालिया रिपोर्ट मेकिंग इंडिया द ड्रोन हब ऑफ द वर्ल्ड के अनुसार, ड्रोन और उसके पार्ट्स का उद्योग 2030 तक भारत की मैन्युफैक्चरिंग क्षमता को लगभग 23 बिलियन डॉलर तक काफ़ी मजबूत कर सकता है। भारत को ड्रोन मैन्युफैक्चरिंग की बड़ी ताकत बनाने से न केवल देश के 5 ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनने के लक्ष्य में मदद मिलेगी, बल्कि इससे मेक इन इंडिया मिशन पर भी काफ़ी ज़ोर दिया जा सकेगा। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ भी शायद भारत की इसी ड्रोन इंडस्ट्री से चिढ़ते होंगे, तभी वह ऐसे फिज़ूल बयान देते रहते हैं।दरअसल, भारत के अफगानिस्तान को दवा भेजने के एक दिन बाद ही बीते हफ्ते गुरुवार को पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में आईएसआईएस के आतंकी कैंपों को निशाना बनाते हुए ड्रोन हमले हुए। यहीं से पाकिस्तानियों ने दवा भेजने का कनेक्शन ड्रोन अटैक से जोड़ दिया। पाकिस्तानियों का तर्क है कि उनकी मीन (सीमा) पर हमले के लिए तालिबान को दवाओं के साथ ड्रोन भारत ने भेजे थे। हाल ही में अफगान तालिबान की सेना ने पाकिस्तान के इन्हीं दो प्रांतों में आईएसआईएस के ठिकानों को ड्रोन से निशाना बनाया था। तालिबान के सफल ड्रोन हमलों ने पाकिस्तानी सेना और सरकार को परेशान करके रख दिया है।

इसी बीच, पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के तीन प्रांतों ˉ पक्तिया, पक्तिका और कुनार ˉ में हवाई हमले किए हैं। काबुल का कहना है कि इन हमलों में आम नागरिकों की मौत हुई है। यह घटना टीटीपी के एक अलग हुए गुट जमात-उल-अहरार द्वारा कराची में पाकिस्तानी सेना के एक ठिकाने पर किए गए हमले के एक दिन बाद हुई है। उस हमले में चार सैनिक मारे गए थे और कई अन्य घायल हुए थे। लगभग निश्चित रूप से इसी हमले के जवाब में सीमा पार यह कार्रवाई की गई है।

पहले अपने गिरेबान में झांको, पाकिस्तान

भारत ने पाकिस्तान को बड़ी नसीहत दी है। मामला कराची में हुए हालिया आतंकवादी हमले को लेकर था, जिसमें पाकिस्तान ने इन हमलों के पीछे भारत पर आरोप लगाए थे। अब भारतीय विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान के आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए कहा है कि दूसरों पर उंगली उठाने से पहले अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। भारत का साफ़ संदेश है कि पाकिस्तान को अपने देश से संचालित आतंकी ढांचे को खत्म करने पर ध्यान देना चाहिए, बजाय इसके कि बेबुनियाद आरोपों से भारत को बदनाम करने की कोशिश करे।

चीन में ...

यह ताजा कार्रवाई इस मामले में सबसे नई और बड़ी कड़ी मानी जा रही है।

कौन हैं हटाए गए छह सैन्य सांसद और दो नेता?

जिन सैन्य सांसदों को हटाया गया है उनमें जनरल शू श्युछियांग का नाम सबसे ऊपर है। वो सेंट्रल मिलिट्री कमीशन के इक्विपमेंट डेवलपमेंट डिपार्टमेंट के प्रमुख थे। यह विभाग चीन की सेना यानी पीएलए के लिए हथियार और उपकरण बनाने, खरीदने और उनकी टेस्टिंग का काम देखता है। इसके साथ ही शू श्युछियांग साल 2022 से चीन के मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम के कमांडर-इन-चीफ भी थे, यानी उनका पद बहुत बड़ा और अहम माना जाता था।

इनके अलावा जनरल ली फेंगबियाओ को भी हटाया गया है, जो पीएलए की वेस्टर्न थिएटर कमांड में पॉलिटिकल कमिश्नर के पद पर थे। जनरल गुओ पुक्षियाओ भी हटाए गए लोगों में हैं, जो पीएलए एयरफोर्स में पॉलिटिकल कमिश्नर के तौर पर काम कर रहे थे।

इन सबके अलावा ईस्टर्न थिएटर कमांड से वांग कांगपिंग, साइबरस्पेस फोर्स से झांग मिंगहुआ और आर्मी से यिन होंगशिंग को भी उनके पदों से हटाया गया है। इस तरह कुल छह सैन्य सांसदों के पद खत्म किए गए हैं।

जिन अधिकारियों को हटाया गया है, उनसे जब बात करने की कोशिश की गई तो वो किसी से भी संपर्क में नहीं आ सके। यानी इस पूरे मामले पर इन अधिकारियों की तरफ से भी अभी तक कोई बयान नहीं आया है।

अमेरिकी स्वतंत्रता...

इसके बाद 17 जून को राष्ट्रपति ट्रंप और उनके ईरानी समकक्ष मसूद पेजेश्कियान ने युद्ध समाप्त करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर साइन किए। दोनों देशों के बीच स्थायी शांति के लिए बातचीत जारी है।

बता दें कि ईरान ने अंतिम संस्कार के लिए तीन, चार और पांच जुलाई की तारीखें यूं ही नहीं चुनी हैं। इतिहास बताता है कि ईरान अक्सर अमेरिका को संदेश देने के लिए प्रतीकात्मक तारीखों का इस्तेमाल करता रहा है। चार नवंबर 1979 को ईरानी छात्रों ने ईरान स्थित अमेरिकी दूतावास पर कब्जा कर 66 अमेरिकी नागरिकों को बंधक बना लिया था। 444 दिनों तक चला यह संकट 20 जनवरी 1981 को खत्म हुआ था। लेकिन यह ठीक उसी दिन हुआ जब तत्कालीन राष्ट्रपति जिमी कार्टर व्हाइट हाउस छोड़ रहे थे। कार्टर ने बंधकों को छुड़ाने की पूरी कोशिश की। अप्रैल 1980 में उन्होंने एक सैन्य बचाव अभियान भी शुरू किया, लेकिन ईरानी रेगिस्तान में एक अमेरिकी हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें पांच अमेरिकी सैनिक मारे गए और यह मिशन फेल हो गया।

इस बंधक संकट ने कार्टर की राष्ट्रपति पद की छवि को बुरी तरह नुकसान पहुंचाया। उनकी दोबारा चुनाव जीतने की उम्मीद खत्म हो गई और रोनाल्ड रीगन के सत्ता में आने का रास्ता साफ हो गया। बंधकों की रिहाई के लिए वही तारीख चुनना ईरान का कार्टर को आखिरी राजनीतिक झटका देना था, ताकि जीत का श्रेय उन्हें न मिल सके।

45 साल से अमेरिका-ईरान आमने-सामने

ट्रंप के नेतृत्व में चला पांच सप्ताह का युद्ध ईरान को काफी कमजोर जरूर कर गया, लेकिन अमेरिका अपना प्रमुख लक्ष्य हासिल नहीं कर सका। ना तो ईरान में सत्ता परिवर्तन हुआ, ना उसने उच्च संवर्धित यूरेनियम छोड़ा, ना परमाणु कार्यक्रम समाप्त किया, ना क्षेत्रीय सहयोगी संगठनों का समर्थन खत्म किया और ना ही अपनी बैलिस्टिक मिसाइल परियोजना छोड़ी। इसके विपरीत, ईरान ने होर्मुज को अवरुद्ध कर दिया, जहां से दुनिया की लगभग 25 फीसदी तेल की सप्लाई होती है।

ईरान की बात करें तो यहां सत्ता पर कट्टरपंथी इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स काउंसिल का प्रभाव और मजबूत हो गया है। उनके लिए खामेनेई की अंतिम विदाई दुनिया को कई संदेश देने का अवसर है। अब तक यह स्पष्ट नहीं है कि खामेनेई को उनके पैतृक शहर मशहद में दफनाया जाएगा या फिर तेहरान स्थित करीब दो अरब डॉलर की लागत से बने रुहोल्लाह खुमैनी मकबरे में, लेकिन यह तय माना जा रहा है कि पूरा आयोजन राजनीतिक संदेश देने के उद्देश्य से किया जाएगा।

ईरान पर हमला 21वीं सदी के सबसे भीषण बमबारी ऑपरेशन में से एक रहा। लेकिन इसके बावजूद ईरानी शासन कायम है। उसने अरबों डॉलर की सैन्य और बुनियादी ढांचे की क्षति उठाई, कई युद्धपोत और विमान गंवाए, लेकिन दुनिया की सबसे ताकतवर सैन्य शक्ति को निर्णायक जीत हासिल नहीं करने दी।

लाखों-करोड़ों लोगों की भीड़ किसी भी सरकार के लिए वैधता और जनसमर्थन का प्रतीक होती है। इसे ट्रंप से बेहतर शायद ही कोई समझता हो। 2017 में उन्होंने मीडिया की उस रिपोर्टिंग की आलोचना की थी, जिसमें कहा गया था कि उनके शपथ ग्रहण समारोह में बराक ओबामा के 2009 के समारोह से कम भीड़ आई थी।

ईरानी शासन ने 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद सबसे बड़े जनआंदोलनों का सामना किया। पहले 2017 में महसा अमीनी आंदोलन और फिर दिसंबर 2025 में आर्थिक संकट के खिलाफ बड़े विरोध प्रदर्शन हुए। दोनों आंदोलनों को सरकार ने कठोर बल प्रयोग के जरिए दबा दिया। लेकिन जब अमेरिका और ईरान के ये दोनों बड़े आयोजन समाप्त हो जाएंगे, तब भी ईरान का सवाल ट्रंप के सामने सबसे बड़ी चुनौती बना रहेगा।

जिस ईरान को रोनाल्ड रीगन पूरी तरह नहीं संभाल पाए, वही चुनौती आज ट्रंप के सामने है। बता दें कि ट्रंप रोनाल्ड रीगन को अपने जीवन का सर्वश्रेष्ठ अमेरिकी राष्ट्रपति बताते हैं। रीगन शीत युद्ध के अंत से लेकर सोवियत संघ के विघटन जैसे ऐतिहासिक घटनाओं के साक्षी रहे, लेकिन ईरान उनके लिए भी कठिन साबित हुआ। उन्होंने सार्वजनिक रूप से कार्टर सरकार द्वारा लगाए गए हथियार प्रतिबंध को जारी रखा, लेकिन उनकी सरकार ने गुप्त रूप से ईरान को हथियार भी बेचे।

यही मामला आगे चलकर ईरान-कॉन्ट्रा के नाम से मशहूर हुआ, जिसने 1981 से 1986 के बीच उनकी सरकार को गहरे संकट में डाल दिया। मार्च 1987 में रीगन ने राष्ट्र के नाम संबोधन में इस मामले की पूरी जिम्मेदारी लेते हुए कहा था कि जो शुरुआत ईरान के साथ रणनीतिक संवाद के रूप में हुई थी, वह आखिरकार बंधकों के बदले हथियारों के सौदे में बदल गई। हालांकि, रीगन पर महाभियोग नहीं चला और उनकी लोकप्रियता फिर बढ़ गई।

अमेरिकी अर्थव्यवस्था अब भी बढ़ रही है, लेकिन महंगाई चिंता का विषय बनी हुई है। दूसरी ओर ट्रंप की लोकप्रियता 37 से 41 फीसदी के बीच बनी हुई है, जो किसी दूसरे कार्यकाल वाले अमेरिकी राष्ट्रपति के लिए सबसे कम स्तरों में गिनी जाती है। उनके सामने अब सबसे बड़ी राजनीतिक परीक्षा तीन नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनाव हैं। अगर डेमोक्रेटिक पार्टी संसद के दोनों सदनों में बहुमत हासिल कर लेती है, तो ट्रंप के अगले दो साल काफी मुश्किल हो सकते हैं। यही चुनाव तय करेंगे कि उनके दूसरे कार्यकाल की दिशा क्या होगी।

बता दें कि ईरान के आयतुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में भारत के दो प्रतिनिधि शामिल होंगे। इनमें विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा और बिहार के गवर्नर लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) सैयद अता हसनैन का नाम शामिल है। अंतिम संस्कार की रस्में चार जुलाई से शुरू होंगी।

हसीना लौट...

अब यह पार्टी मजबूत चुनौती बनकर उभरी है।

बांग्लादेश की संसद में 22 जून 2026 को बीएनपी सांसद रफीकुल इस्लाम ने जमात-ए-इस्लामी की राजनीति पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की है। उन्होंने पार्टी का नाम लिए बिना कहा कि 1971 के स्वाधीनता संग्राम का विरोध करने वाली और धर्म का राजनीतिक शोषण करने वाली पार्टी को बांग्लादेश में राजनीति करने से रोका जाना चाहिए और पूरी तरह बैन कर दिया जाना चाहिए। उन्होंने इसे फासीवादियों की तरह प्रतिबंधित करने की मांग की।

रफीकुल इस्लाम ने कहा कि इस्लाम शब्द नाम में होने भर से कोई पार्टी इस्लाम का प्रतिनिधित्व नहीं करती। उन्होंने मस्जिदों को राजनीतिक गतिविधियों से दूर रखने की भी वकालत की।

जमात-ए-इस्लामी का तीखा पलटवार

बीएनपी की इस मांग पर जमात-ए-इस्लामी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। पार्टी के सांसद एटीएम अज़हरुल इस्लाम ने रविवार को संसद की कार्यवाही के दौरान सत्ताधारी पार्टी से पूछा, मान लीजिए कि हम पर प्रतिबंध लगा दिया जाता है। तो उस खाली जगह को कौन भरेगा? क्या आप अकेले देश चलाएंगे? क्या आप एक-दलीय शासन स्थापित करना चाहते हैं? बता दें कि जमात-ए-इस्लामी ने आम चुनाव में 68 सीटें जीती हैं।

यह सवाल उठाते हुए कि क्या सरकार अवामी लीग को फिर से स्थापित करने की कोशिश कर रही है, अज़हरुल इस्लाम ने कहा, मुझे लगता है कि आप अवामी लीग को फिर से स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि चार महीने बाद भी आप राष्ट्रपति बनाने के लिए कोई व्यक्ति नहीं ढूंढ पाए हैं।जमात के सांसद ने यह भी सवाल किया कि बीएनपी मौजूदा राष्ट्रपति को बनाए रखने के लिए इतनी उत्सुक क्यों दिख रही है। उन्होंने पूछा कि क्या पार्टी को किसी से कोई संकेत मिला है कि राष्ट्रपति को पद पर बने रहना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि अगर फासीवाद को खत्म करना है, तो उसके सभी निशानों को मिटाना होगा।बांग्लादेश के वर्तमान राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन हैं। इन्हें शेख हसीना की अवामी लीग सरकार ने नामांकित किया था। फरवरी 2023 में वे बिना विरोध के चुने गए। यूं तो इनका कार्यकाल तीन साल का है, लेकिन बांग्लादेश में आंदोलन के बाद प्रशासनिक चेहरों में आमूल-चूल बदलाव देखने को मिला, लेकिन उन्होंने राष्ट्रपति को नहीं बदला। शहाबुद्दीन ने खुद कहा था कि वे चुनाव के बाद इस्तीफा दे सकते हैं, लेकिन अभी तक इस्तीफा नहीं दिया। नई सरकार ने उन्हें बरकरार रखा है। फरवरी 2026 में उन्होंने ही तारिक रहमान की सरकार को शपथ दिलाई थी।

शेख हसीना का वापसी का ऐलान

इस बीच बांग्लादेश में आंदोलन के दौरान देश छोड़ने वाली तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा है कि वे जल्द अपने देश लौटेंगी। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा, मैं पांच बार प्रधानमंत्री चुनी गई और देश के अभूतपूर्व विकास के लिए काम किया। मेरी लगभग पूरी जिंदगी बांग्लादेश के लोगों, अवामी लीग, लोकतांत्रिक संघर्ष और बांग्लादेश के विकास से जुड़ी रही है। इसलिए, मैं साफ तौर पर कहना चाहती हूं, हर बाधा और हर साजिश को पार करते हुए, मैं इस साल अपने देश वापस आऊंगी।शेख हसीना ने अपनी वापसी के लिए बीएनपी के साथ किसी भी तरह की बैकचैनल बातचीत से इनकार किया और कहा कि लोकतंत्र, चुनावी अधिकार और न्याय जैसे मुद्दे किसी गुप्त सौदेबाजी का विषय नहीं हो सकते। ये जनता के संवैधानिक अधिकार हैं। यदि किसी व्यक्ति या राजनीतिक दल के खिलाफ मामला है तो उसकी सुनवाई स्वतंत्र और निष्पक्ष न्यायिक प्रक्रिया के तहत होनी चाहिए।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

म्हारो शुभ लाभ भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 30 जून, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

समर्पण और सेवा भाव का पर्याय बना राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद : अनिरुद्ध गुप्ता

हैदराबाद, 29 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने संचालित सेवा केंद्र के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सोमवार को भव्य स्वागत, सम्मान एवं सेवा समारोह का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, गरिमा और आध्यात्मिक वातावरण में किया गया। यह अवसर केवल एक वर्ष पूर्ण होने का उत्सव नहीं था, बल्कि सेवा, संस्कार, समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व की उस यात्रा का उत्सव था, जिसने पिछले एक वर्ष में हजारों जरूरतमंद लोगों के जीवन में आशा की किरण जगाई है। पूरे कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजन, समाज-सेवी, व्यापारी, मातृशक्ति, युवा स्वयंसेवक एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ अग्रकुल शिरोमणि महाराजा अग्रसेन, गोमाता एवं भगवान के चित्र के समक्ष विधिवत पूजन-अर्चन, दीप प्रज्ज्वलन एवं मंगलाचरण के साथ हुआ। इसके बाद सभी अतिथियों का आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया गया। उपस्थित सभी लोगों ने एक स्वर में संकल्प लिया कि सेवा का यह कारवां आने वाले वर्षों में और अधिक गति एवं विस्तार के साथ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेगा।

मुख्य अतिथि तेलंगाना अग्रवाल समाज के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता ने अत्यंत भावपूर्ण शब्दों में कहा कि ''राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद आज केवल एक संस्था नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और मानवता का पर्याय बन चुका है। जिस समाज में भूखे को भोजन, असहाय को सहारा और निराश व्यक्ति को अपनापन मिलना शुरू हो जाए, वही समाज वास्तव में विकसित और संस्कारित समाज कहलाता है।''

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप बिना किसी जाति, धर्म, वर्ग अथवा क्षेत्र के भेदभाव के प्रतिदिन जरूरतमंदों को सम्मानपूर्वक भोजन उपलब्ध कराकर मानवता का सर्वोच्च धर्म निभा रहा है। सेवा का यह कार्य किसी प्रचार या प्रसिद्धि के लिए नहीं, बल्कि ईश्वर की सच्ची आराधना के भाव से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि समाज में धनवान लोगों की कमी नहीं है, लेकिन समाज को ऐसे संवेदनशील और समर्पित लोगों की आवश्यकता है जो अपने समय, श्रम और संसाधनों को समाजहित में समर्पित करें।

उन्होंने समाज से भावुक अपील करते हुए कहा कि यदि प्रत्येक परिवार सप्ताह में केवल एक दिन भी सेवा के लिए समर्पित कर दे, तो हमारे आसपास कोई भी व्यक्ति भूखा नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि मंदिरों में दीप जलाने के साथ-साथ किसी गरीब के घर में आशा का दीप जलाना भी उतना ही बड़ा पुण्य है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि वे व्यक्तिगत एवं सामाजिक स्तर पर इस सेवा अभियान के साथ निरंतर जुड़े रहेंगे और इसे और अधिक सशक्त बनाने में हरसंभव सहयोग करेंगे।

तेलंगाना अग्रवाल समाज के कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र गोयल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप ने यह सिद्ध कर दिया है कि सेवा के लिए बड़े संसाधनों की नहीं, बल्कि बड़े हृदय की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि आज जब समाज अनेक प्रकार की चुनौतियों का सामना कर रहा है, ऐसे समय में राधे-राधे ग्रुप जैसी संस्थाएं समाज को जोड़ने और मानवता को जीवित रखने का कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें दूसरी बार इस कार्यक्रम में आने का अवसर मिला है, लेकिन इस संस्था के सेवा कार्यों की चर्चा वे लंबे समय से सुनते आ रहे हैं। आज यहां आकर उन्हें यह अनुभव हुआ कि यह केवल चर्चा नहीं, बल्कि वास्तविक सेवा का जीवंत उदाहरण है।

बेगम बाजार सेवा केंद्र के मुख्य संयोजक जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि सेवा केंद्र का एक वर्ष पूरा होना किसी उपलब्धि का अंत नहीं, बल्कि एक नई जिम्मेदारी की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि इस सेवा केंद्र की सफलता समाज के विश्वास, सहयोग और प्रत्येक स्वयंसेवक के त्याग एवं समर्पण का परिणाम है। विशेष रूप से सतीश गुप्ता, रामप्रकाश अग्रवाल एवं महेश अग्रवाल सहित सभी सहयोगियों के सतत सहयोग ने इस सेवा यात्रा को मजबूत आधार प्रदान किया है।

उन्होंने प्रत्येक स्वयंसेवक, सहयोगी और दानदाता के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि जब समाज एक परिवार बनकर सेवा करता है, तब असंभव भी संभव हो जाता है।

रामप्रकाश अग्रवाल ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि जीवन में कमाया हुआ धन तभी सार्थक है, जब उसका एक हिस्सा समाज के काम आए। उन्होंने कहा कि जहां सेवा, धर्म और निष्ठा का कार्य होता है, वहां वास्तव में ईश्वर स्वयं उपस्थित रहते हैं। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप की सबसे बड़ी पहचान यही है कि यहां कोई स्वयं के लिए नहीं, बल्कि समाज के लिए कार्य करता है। यही भावना इस संगठन की सबसे बड़ी शक्ति है।

महेश अग्रवाल ने कहा कि समाज का सहयोग ही किसी भी सेवा अभियान की सबसे बड़ी पूंजी होता है। उन्होंने कहा कि यह सेवा केंद्र किसी व्यक्ति विशेष का नहीं, बल्कि पूरे समाज का है। यदि समाज का प्रत्येक सक्षम व्यक्ति अपनी सामर्थ्य के अनुसार थोड़ा-सा योगदान भी दे, तो अनेक परिवारों के जीवन में खुशियां लाई जा सकती हैं। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि सेवा को केवल दान न समझें, बल्कि अपने जीवन का संस्कार बनाएं।

समारोह के दौरान विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं समाज के गणमान्य नागरिकों द्वारा अनिरुद्ध गुप्ता का भव्य सम्मान किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि सम्मान केवल व्यक्ति का नहीं, बल्कि उस सेवा भावना का है जो समाज को जोड़ती है और नई दिशा देती है।

वक्ताओं ने कहा कि आज आवश्यकता केवल चर्चा करने की नहीं, बल्कि सेवा करने की है। समाज तभी मजबूत होगा, जब हम अपने आसपास के पीड़ित, असहाय और जरूरतमंद लोगों की चिंता करेंगे। राधे-राधे ग्रुप ने पिछले एक वर्ष में यह संदेश दिया है कि ''सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और मानवता ही सबसे बड़ी पहचान है।'' उन्होंने युवाओं से विशेष रूप से आह्वान किया कि वे अपने जीवन का कुछ समय समाज सेवा के लिए अवश्य दें, क्योंकि राष्ट्र और समाज का भविष्य केवल शिक्षा और रोजगार से नहीं, बल्कि संस्कार और सेवा से भी निर्मित होता है।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने संकल्प लिया कि राधे-राधे ग्रुप का यह सेवा अभियान भविष्य में और अधिक विस्तार के साथ निरंतर चलता रहेगा तथा कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति भूखा न सोए, यही इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य रहेगा।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, रामप्रकाश अग्रवाल, सतीश गुप्ता, राजकुमारी अग्रवाल, आशा गुप्ता, सुनीता अग्रवाल, अनिल धर्शुवाले, पन्नालाल जी, शिव भगवान, दीपचंद अग्रवाल, विनोद तोषनीवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, शर्मिला अग्रवाल, लता गोयल, महेश गोयल, पूजा सांघी, नरेश सांघी, मोहित अग्रवाल, स्वास्ति अग्रवाल, रेनू शर्मा, रेनू गुप्ता, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, संजय अग्रवाल, किरण अग्रवाल, जयप्रकाश सारड़ा, जगन गुप्ता, भगत राम गोयल, अनिता नथानी, राजेश नथानी, राजेश पोत्रपल्ली, सुभाष चंद्र अग्रवाल, आशा अग्रवाल, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, भावेश अग्रवाल एवं गुणगुण अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु, मातृशक्ति एवं युवा स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में सभी ने एक स्वर में यह संकल्प दोहराया कि जब तक समाज का अंतिम जरूरतमंद व्यक्ति सम्मानपूर्वक भोजन, सहयोग और अपनापन प्राप्त नहीं कर लेता, तब तक राधे-राधे ग्रुप की सेवा यात्रा निरंतर चलती रहेगी। यही सच्ची मानव सेवा है, यही भगवान की सबसे बड़ी पूजा है और यही एक सशक्त, संवेदनशील एवं संस्कारित समाज की पहचान है।

समाजसेवी घनश्याम जोशी का हुआ सम्मान

हैदराबाद, 29 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अखिल भारतीय सिखवाल ब्राह्मण समाज के निःशुल्क युवक-युवती परिचय सम्मेलन के संयोजक एवं सिखवाल समाज के सुप्रसिद्ध समाजसेवी 12 खेड़ा, चिताम्बा निवासी तथा वर्तमान में इंदौर प्रवासी श्री घनश्याम जी जोशी अपने निजी कार्यक्रम के तहत भाग्यनगर हैदराबाद पधारे।उनके हैदराबाद आगमन पर 18 खेड़ा के चौधरी जितेंद्र उपाध्याय, सिखवाल प्रगति समाज ऋष्य श्रृंग भवन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामदेव नागला, चंद्रभान व्यास तथा सुरेश कुमार व्यास ''जानम'' ने शाल ओढ़ाकर उनका स्वागत एवं सम्मान किया।इस अवसर पर उपस्थित समाजबंधुओं ने विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक एवं संगठनात्मक विषयों पर विस्तृत चर्चा की। समाज की एकता, युवाओं की सहभागिता तथा सामाजिक गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने के संबंध में विचारों का आदान-प्रदान किया गया। तत्पश्चात श्री घनश्याम जी जोशी ने सिखवाल प्रगति समाज के ऋष्य श्रृंग भवन पहुंचकर वहां चल रहे विकास एवं निर्माण कार्यों का अवलोकन किया। उन्होंने भवन में संचालित गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की तथा समाज के विकास हेतु किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

आर्य वैश्य समुदाय के नैतिक मूल्यों में नवाचार का अहम स्थान : टीजी भरत गुप्ता

ऑल इंडिया आर्य वैश्य इंडस्ट्रियलिस्ट्स फोरम की नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने ली शपथ

उद्योग, तकनीक और नेतृत्व विकास के माध्यम से देश की आर्थिक प्रगति में योगदान देने का आह्वान

हैदराबाद, 29 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आंध्र प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री टी.जी. भरत गुप्ता ने कहा कि नवाचार (इनोवेशन) आर्य वैश्य समुदाय के नैतिक मूल्यों का अभिन्न अंग है। यही मूल्य युवा पीढ़ी को रचनात्मक सोच के साथ उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने और नए अवसरों का सृजन करने के लिए प्रेरित करते हैं।

वे माधापुर स्थित नोवोटेल होटल में आयोजित 'ऑल इंडिया आर्य वैश्य इंडस्ट्रियलिस्ट्स फोरम' की नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आधुनिक उद्योगों, इनक्यूबेशन सेंटरों और इनोवेशन हब की स्थापना से नवोदित उद्यमियों को अपने विचारों को सफल व्यवसायों में परिवर्तित करने का अवसर मिलता है।

समारोह में भवानी सुरेश चारुगुंडला ने 'ऑल इंडिया आर्य वैश्य इंडस्ट्रियलिस्ट्स फोरम' के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद की शपथ ग्रहण की। उनके साथ बालकृष्ण एर्रम (उपाध्यक्ष), अनिल कुमार पडकांती (महासचिव), वामशी नेलंती (संयुक्त सचिव) तथा शिव कुमार बोग्गारी (कोषाध्यक्ष) सहित राष्ट्रीय कार्यकारिणी के 47 अन्य सदस्यों ने भी शपथ ली।

कार्यक्रम में पूर्व विधायक गणेश बिगाला, टर्मरिक बोर्ड की प्रबंध निदेशक भवानी श्री, मुख्यमंत्री के ओएसडी वेमुला श्रीनिवासुलु, जीएसटी आयुक्त साई किशोर, भाजपा के आधिकारिक प्रवक्ता चिकोटी प्रवीण कुमार, टीपीसीसी अभियान सचिव उप्पाला श्रीनिवास, टीजीओए अध्यक्ष कृष्णा मूर्ति तथा राज्य सरकार के उप सचिव लिंगा मूर्ति सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

टी.जी. भरत गुप्ता ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया तथा फोरम की औद्योगिक प्रदर्शनी के लोगो एवं ब्रोशर का अनावरण किया। उन्होंने कहा कि 'ऑल इंडिया आर्य वैश्य इंडस्ट्रियलिस्ट्स फोरम' देशभर के उद्यमियों, उद्योगपतियों, स्टार्टअप संस्थापकों एवं व्यापारिक नेताओं को एक मंच पर लाने वाली महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि फोरम को उद्योग जगत की सशक्त आवाज के रूप में कार्य करते हुए वर्तमान एवं भावी व्यापारिक नेतृत्व को भारत की आर्थिक प्रगति में योगदान देने के लिए प्रेरित करना चाहिए। उन्होंने आर्य वैश्य समुदाय की परोपकार और सामाजिक उत्तरदायित्व की गौरवशाली परंपरा का उल्लेख करते हुए इसे आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

स्वयं को एक राजनेता और युवा उद्यमी बताते हुए टी.जी. भरत गुप्ता ने फोरम की सदस्यता लेने की इच्छा व्यक्त की तथा संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का आश्वासन दिया। उन्होंने यह भी घोषणा की कि आंध्र प्रदेश सरकार अगले वर्ष फोरम द्वारा आयोजित की जाने वाली औद्योगिक प्रदर्शनी को पूर्ण सहयोग और समर्थन प्रदान करेगी।

नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष भवानी सुरेश चारुगुंडला ने कहा कि 'ऑल इंडिया आर्य वैश्य इंडस्ट्रियलिस्ट्स फोरम' देश के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में उत्कृष्टता, तकनीकी प्रगति और सतत व्यावसायिक विकास के लिए प्रतिबद्ध उद्योगपतियों, उद्यमियों और युवा नेतृत्व को एक मंच पर लाने का कार्य कर रहा है।

उन्होंने कहा कि फोरम का उद्देश्य ज्ञान साझेदारी, नेटवर्किंग, तकनीक को अपनाने और नेतृत्व विकास के माध्यम से उद्योगों को सशक्त बनाना है। साथ ही ऐसी नई पीढ़ी के उद्योगपतियों को तैयार करना है जो भविष्य में भारतीय उद्योग जगत की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

कार्यक्रम में फोरम के पूर्व अध्यक्षों, विभिन्न समितियों के सदस्यों, उद्योगपतियों, उद्यमियों तथा समाज के अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही।

सेवा परमो धर्म संस्था ने किया अल्पाहार वितरण

हैदराबाद, 29 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। 'सेवा परमो धर्म संस्था' ने स्वर्गीय एडवोकेट नितेश कुमार खिंवसरा की प्रथम पुण्यतिथि पर उनकी स्मृति में विशेष सेवा कार्यक्रम आयोजित किया। यह आयोजन संस्था की सदस्या श्रीमती सरिता खिंवसरा के परिवार के सौजन्य से हुआ।

राठीफाइल बस स्टैंड के पास हुए कार्यक्रम में राहगीरों, यात्रियों व जरूरतमंदों को 250 प्लेट इडली का वितरण किया गया। संस्था के पदाधिकारियों व सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

समापन पर सदस्या श्रीमती संतोष देवी ने सभी सहयोगियों व नागरिकों का आभार व्यक्त किया।

आचार्य श्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में कार्यकर्ता सम्मेलन एवं सम्मान समारोह संपन्न

जैन विद्या परीक्षा-2025 में तेरापंथी सभा सिकंदराबाद को अखिल भारतीय स्तर पर प्रथम स्थान

हैदराबाद, 29 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

परम पूज्य आचार्य श्री महाश्रमणजी के पावन सान्निध्य में जैन विश्व भारती, लाडनूं के प्रांगण में आयोजित दो दिवसीय जैन विद्या समारोह आध्यात्मिक वातावरण के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। समारोह के अंतर्गत कार्यकर्ता सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का भी आयोजन किया गया, जिसमें देशभर से आए कार्यकर्ताओं, प्रतिभागियों एवं पदाधिकारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।राजेन्द्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार समारोह में आचार्य श्री महाश्रमणजी, मुख्य मुनि एवं साध्वी प्रमुखाश्रीजी की विशेष प्रेरणा और सान्निध्य प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में उपस्थित वरीयता प्राप्त प्रतिभागियों, विशेष आमंत्रितों एवं कार्यकर्ताओं को आध्यात्मिक मार्गदर्शन और प्रेरणा मिली। जैन विश्व भारती के पर्यवेक्षक मुनिश्री कीर्तिकुमारजी ने प्रेरणा पाथेय प्रदान करते हुए समण संस्कृति संकाय के विभिन्न उपक्रमों की जानकारी दी तथा नए कार्यकर्ताओं को अपनी ऊर्जा और श्रम को संघ सेवा में नियोजित करने के लिए प्रेरित किया। मुनिश्री कुमार श्रमणजी, मुनिश्री योगेश कुमारजी एवं मुनिश्री मनन कुमारजी ने भी उपस्थित जनों को अपनी प्रतिभा एवं क्षमताओं को संघ और समाज की सेवा में समर्पित करने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में जैन धर्म आधारित विभिन्न राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को वरीयता गौरव कवच प्रदान कर सम्मानित किया गया। जैन विद्या परीक्षा, आगम मंथन प्रतियोगिता, सम्यक दर्शन कार्यशाला, जाने जैन धर्म के इतिहास को तथा प्रबोध में बोध प्रतियोगिता के वरीयता प्राप्त प्रतिभागियों का विशेष अभिनंदन किया गया। जैन विद्या परीक्षा-2025 के आयोजन में अखिल भारतीय स्तर पर तेरापंथी सभा सिकंदराबाद को प्रथम (श्रेष्ठ सभा) स्थान प्राप्त हुआ। इस उपलब्धि पर सभा के अध्यक्ष सुशील संचेती, मंत्री हेमंत जी, रेखा संकलेचा, राजेन्द्र बोथरा, विनोद डागा एवं अनूप नौलखा ने लाडनूं में उपस्थित होकर आचार्य प्रवर के सान्निध्य में स्मृति चिन्ह प्राप्त किया। समारोह के दौरान महाश्रमण वाटिका में साध्वी प्रमुखाश्रीजी के दर्शन का लाभ प्राप्त हुआ। जैन विश्व भारती के पदाधिकारियों, समण संस्कृति संकाय के कार्यकर्ताओं, विभिन्न प्रतियोगिताओं के वरीयता प्राप्त प्रतिभागियों, विशेष आमंत्रितों एवं कार्यकर्ताओं की सहभागिता से प्रवचन स्थल तक भव्य जैन विद्या रैली निकाली गई, जिसने आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की।

मुख्य प्रवचन के पश्चात आयोजित सम्मान समारोह में जैन विश्व भारती के मंत्री सलिल लोढ़ा, समण संस्कृति संकाय के विभागाध्यक्ष मालचंद बेगानी, सह विभागाध्यक्ष हनुमानचंद लोढ़ा, प्रायोजक भंवरलाल-रायकंवर बच्छावत, प्रबोध में बोध प्रश्न पुस्तिका की निर्मात्री श्रीमती विजया धारीवाल तथा वरीयता प्राप्त प्रतिभागियों ने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर विशेष आमंत्रित कार्यकर्ताओं को भी आचार्यश्री महाश्रमणजी के पावन सान्निध्य में स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया।

गुरुदेव के प्रेरणादायी आशीर्वचनों के साथ कार्यकर्ता सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

शुभ लाभ DAILY

तेलंगाना के खोए हुए सपनों को पुनर्जीवित करेगी भाजपा : नितिन नबीन

हैदराबाद, 29 जून (शुभ लाभ ब्यूरो): भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन ने सोमवार को कहा कि जिस दृष्टिकोण के साथ तेलंगाना राज्य का गठन किया गया था, वह बीआरएस (इठड) और कांग्रेस सरकारों के कुशासन के कारण कहीं खो गया है। उन्होंने उस अधूरे सपने को फिर से जगाने और पूरा करने के भाजपा के संकल्प की घोषणा की। नबीन ने कहा, ''तेलंगाना के लोगों के सपने परिवारवादी पार्टियों के दलदल में खो गए हैं।

वारंगल में आयोजित बूथ प्रमुख सम्मेलन में भाग लेते हुए नबीन ने दावा किया कि अलग तेलंगाना आंदोलन के दौरान भाजपा ने कभी भी अपने राजनीतिक नफा-नुकसान के बारे में नहीं सोचा, और पार्टी नेता दिवंगत सुषमा स्वराज ने इसके लिए संसद में पुरजोर आवाज उठाई थी। उन्होंने कहा, कांग्रेस सरकार को केवल अपने ही परिवार की चिंता है, जनता से उसका कोई सरोकार नहीं है। वह वादा करो और भूल जाओ के अपने पुराने भरोसेमंद मॉडल पर चल रही है। नबीन ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने तेलंगाना में दो लाख नौकरियां देने का वादा किया था, लेकिन इसके बजाय उसने राज्य को दिल्ली में बैठे अपने आलाकमान के लिए एक 'एटीएम' बनाकर रख दिया है।

बूथ अध्यक्षों और पार्टी कार्यकर्ताओं से हर घर तक संपर्क साधने का आह्वान करते हुए नबीन ने कहा कि केंद्रीय नेतृत्व ने साल 2028 में राज्य में एक डबल-इंजन सरकार बनाने के लिए संघर्ष करने का संकल्प लिया है। यह सरकार राष्ट्रवाद के आदर्शों पर खड़ी होगी और इसकी जड़ें भारतीय संस्कृति से जुड़ी होंगी, जो यहाँ के विकास को एक नया आयाम देगी।

विपक्ष के नेता राहुल गांधी को पार्ट-टाइम राजनीतिज्ञ बताते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा का हर कार्यकर्ता जनसेवा के लिए पूर्णकालिक राजनीति में लगा हुआ है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से यह सुनिश्चित करने को कहा कि हर नए पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में दर्ज हो और लोगों को केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया जाए।

उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस ने तत्कालीन प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव को वह सम्मान नहीं दिया जिसके वे हकदार थे। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही थे जिन्होंने नरसिम्हा राव को भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से नवाजा। नबीन ने स्पष्ट किया कि भाजपा वंशवाद और तुष्टीकरण की राजनीति नहीं करती, बल्कि राष्ट्रवाद में विश्वास रखती है और सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के सिद्धांत से प्रेरित है।

इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने कहा कि यह विशाल जनसमूह आगामी वारंगल कॉर्पोरेशन चुनावों में भाजपा की जीत का स्पष्ट संकेत है।

इससे पहले, आदिवासी समुदाय के सदस्यों के साथ एक बैठक में रामचंद्र राव ने केसीआर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि केसीआर सरकार ने आदिवासी समाज को उनकी आबादी के अनुपात में 10 प्रतिशत आरक्षण देने का वादा किया था, लेकिन दुर्भाग्य से उन्होंने इसे 12 प्रतिशत मुस्लिम आरक्षण विधेयक के साथ जोड़ दिया।

बाद में यह मामला अदालत में फंस गया, जिससे तेलंगाना के आदिवासी समाज को मिलने वाले 10 प्रतिशत आरक्षण में देरी हुई और हजारों आदिवासी युवाओं, छात्रों व समुदाय के सदस्यों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपा ही आदिवासियों का सच्चा सम्मान करती है, क्योंकि देश में सबसे अधिक आदिवासी सांसद और विधायक इसी पार्टी के हैं।

अग्रसेन बैंक में सहकारिता सप्ताह समारोह का शानदार आगाज़, फहराया गया सहकारी ध्वज

हैदराबाद, 29 जून (शुभ लाभ ब्यूरो): सिद्दिअंबर बाज़ार स्थित अग्रसेन को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड के प्रधान कार्यालय (हेड ऑफिस) परिसर में 29 जून, 2026 को सहकारी ध्वज फहराकर सहकारिता सप्ताह समारोह की शुरुआत की गई। इस गरिमामयी कार्यक्रम में बैंक प्रबंधन और सहकारिता विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

दिग्गज पदाधिकारियों की मौजूदगी और भव्य स्वागत

इस कार्यक्रम में बैंक के चेयरमैन श्री प्रमोद कुमार केड़िया, सीनियर वाइस चेयरमैन सीए नवीन कुमार अग्रवाल, बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के चेयरमैन श्री नारायण दत्त के साथ-साथ अन्य प्रबुद्ध निदेशकगण जैसे श्री नरसिंह दास, श्री गोपाल चंद अग्रवाल, श्री राजेश कुमार अग्रवाल और सीए पंकज कुमार अग्रवाल उपस्थित रहे। इसके अलावा, तेलंगाना राज्य सरकार के सहकारिता विभाग (हैदराबाद) से सहायक रजिस्ट्रार (असिस्टेंट रजिस्ट्रार) श्रीमती एल. शारदा और वरिष्ठ निरीक्षक (सीनियर इंस्पेक्टर) श्रीमती संगीता ने भी इस कार्यक्रम में विशेष रूप से शिरकत की।

कार्यक्रम की शुरुआत बैंक के सीईओ श्री सी. वी. राव ने सभी गणमान्य अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए की। उन्होंने अपने प्रारंभिक संबोधन में एक संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की कि बैंक इस सहकारिता सप्ताह समारोह के दौरान कौन-कौन से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करने जा रहा है।

सहकारिता क्षेत्र के विकास और सरकारी सहयोग पर चर्चा

इसके बाद, बैंक के चेयरमैन श्री प्रमोद कुमार केड़िया ने राज्य सरकार के अधिकारियों का स्वागत करते हुए बैठक का विधिवत उद्घाटन किया। उन्होंने बैंक की प्रगति और इसकी वर्तमान स्थिति के बारे में विस्तार से जानकारी दी। चेयरमैन ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि केंद्र सरकार, राज्य सरकार के सहकारिता विभाग, नैफ्कब, एनयूसीएफडीसी और भारतीय रिजर्व बैंक, हैदराबाद के अधिकतम सहयोग से यह पूरा सहकारिता क्षेत्र लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है और मजबूती से आगे बढ़ रहा है।

बैंक स्टाफ की उपस्थिति और आयोजन की सफलता

प्रधान कार्यालय परिसर में आयोजित हुए इस पूरे समारोह में अग्रसेन बैंक के डिप्टी जनरल मैनेजर आनंद अग्रवाल सहित बैंक के अन्य सभी अधिकारी व स्टाफ सदस्य भी पूरी ऊर्जा के साथ मौजूद रहे। सभी ने बैंकिंग सेवाओं और सहकारिता की भावना को और सुदृढ़ बनाने का संकल्प लिया।

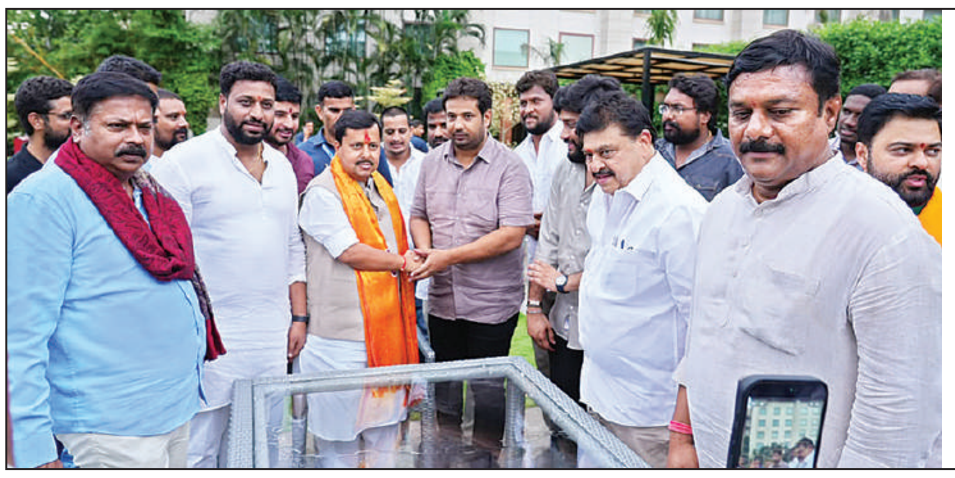

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के नगरगमन पर भेंट करते हुए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंदर राव, भाजपा विधायक दल के नेता ए. महेश्वर रेड्डी, भाजयुमों के प्रदेश कोषाध्यक्ष योगराज सिंह, एस. महेश व अन्य।

राम प्रकाश अग्रवाल बोले संत कबीर की वाणी समाज को देती है नई दिशा

हैदराबाद, 29 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में सोमवार को कबीर जयंती के पावन अवसर पर नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का श्रद्धापूर्वक आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जरूरतमंद लोगों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों ने संत कबीरदास जी के आदर्शों का स्मरण करते हुए सेवा, समरसता और मानवता के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि संत कबीर की वाणी समाज को नई दिशा देती है। उनके दोहे और उपदेश आज भी सामाजिक कुरीतियों को दूर करने, आपसी प्रेम, भाईचारे और सद्भाव को बढ़ावा देने की प्रेरणा देते हैं। यदि प्रत्येक व्यक्ति संत कबीर के विचारों को अपने जीवन में उतारे, तो समाज में अनेक सकारात्मक परिवर्तन संभव हैं। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद निरंतर अन्नदान और सेवा कार्यों के माध्यम से मानवता की सच्ची सेवा कर रहा है, जो सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, संजय अग्रवाल, किरण अग्रवाल, जय प्रकाश सारड़ा, प्रीतिका अग्रवाल, मनीष चिंडालिया, जगन गुप्ता एवं भगत राम गोयल ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई तथा जरूरतमंदों को भोजन वितरण कर सेवा का संदेश दिया। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में नियमित रूप से संचालित अन्नदान सेवा समाज के जरूरतमंद लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण सहारा बन चुकी है। समूह का उद्देश्य बिना किसी भेदभाव के मानव सेवा करना तथा समाज में परोपकार, सहयोग और संवेदनशीलता की भावना को सशक्त बनाना है। कबीर जयंती के अवसर पर आयोजित यह सेवा कार्यक्रम संत कबीरदास जी के मानवता, समानता और सद्भाव के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने का एक सार्थक प्रयास रहा।

अखिल भारतीय सीरवी युवा परिषद की आम सभा आज

हैदराबाद, 29 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अखिल भारतीय सीरवी युवा परिषद की विशेष आम सभा आज प्रातः 11 बजे एल.बी. नगर स्थित श्री आई माताजी वडेर में आयोजित होगी। परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष केसा राम सोलंकी एवं पूना राम पंवार (जोजावर) ने संयुक्त रूप से यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि बैठक का आयोजन राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश सीरवी पाली की अध्यक्षता में किया जाएगा। इस अवसर पर बेंगलुरु के सॉफ्टवेयर इंजीनियर हरीश मुलेवा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। वे आधुनिक तकनीक के माध्यम से समाज को एकता के सूत्र में जोड़ने तथा युवाओं को डिजिटल युग के अनुरूप सशक्त बनाने पर अपने विचार रखेंगे। युवा परिषद के सशक्त स्तंभ चेतन प्रकाश, प्रवीण, मंगला राम एवं भंवर लाल के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा संगठन, एकता और युवा शक्ति के महासंगम के रूप में आयोजित होने वाली इस आम सभा की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया है।

बैठक में समाज के विभिन्न वडेरों के पदाधिकारी, समाज की संस्थाओं के अध्यक्ष, सचिव एवं कार्यकारिणी सदस्य सहित बड़ी संख्या में समाज के प्रतिष्ठित गणमान्यजन भाग लेंगे।

आम सभा में संगठनात्मक विस्तार, युवाओं की सक्रिय भागीदारी, नेतृत्व विकास तथा तेलंगाना राज्य युवा परिषद के गठन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष विचार-विमर्श किया जाएगा। साथ ही समाज को और अधिक संगठित एवं सशक्त बनाने की दिशा में भावी योजनाओं पर भी चर्चा होगी। कार्यक्रम के दौरान थाईलैंड में आयोजित वेट लिफ्टिंग प्रतियोगिता में 210 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर समाज और देश का गौरव बढ़ाने वाले सीरवी समाज की प्रतिभाशाली युवा शक्ति सुरेश भायल का विशेष बहुमान एवं सम्मान किया जाएगा।

एल.बी. नगर वडेर के अध्यक्ष वेनाराम चोयल एवं सचिव प्रकाश सेपटा ने समाज बंधुओं से कार्यक्रम में अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर आयोजन को सफल बनाने का आह्वान किया है।आयोजकों के अनुसार यह आम सभा सीरवी समाज में एकता, अनुशासन, संगठनात्मक मजबूती एवं युवा नेतृत्व को नई दिशा प्रदान करने वाली महत्वपूर्ण पहल सिद्ध होगी। बैठक को लेकर युवाओं में विशेष उत्साह का माहौल है और युवा शक्ति कार्यक्रम की सफलता के लिए सक्रिय रूप से जुटी हुई है।

कार्यक्रम की विशेष कवरेज एवं समाचार संकलन पत्रकार जगदीश सीरवी द्वारा किया जाएगा।

आरटीसी बस पलटी, 10 यात्री घायल

वनपर्थी (तेलंगाना), 29 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के वनपर्थी जिले में सोमवार को राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर पेब्बेरु अस्पताल के निकट तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) की एक बस पलट जाने से कम से कम 10 यात्री घायल हो गये।

स्लामपुरा कॉलोनी में 14 हजार लीटर पानी की टंकी का शिलान्यास

बांसवाड़ा, 29 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। विधायक पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी के आदेश पर नगर पालिका के तीसरे वार्ड स्थित इस्लामपुरा कॉलोनी में अमृत स्कीम के तहत 14 हजार लीटर क्षमता की पानी की टंकी के निर्माण के लिए शिलान्यास किया गया।

यह शिलान्यास वार्ड पार्षद एम.ए. हकीम, पूर्व जिला को-ऑप्शन अलीम उद्दीन बाबा, पूर्व मंडल को-ऑप्शन एमडी मेन और सबकॉन्ट्रैक्टर सचिन ने किया।

नेताओं ने विधायक पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी का आभार जताते हुए कहा कि इस टंकी से कॉलोनीवासियों को साफ पेयजल बिना किसी परेशानी के मिलेगा और पानी की कमी दूर होगी।

जन सेवा संघ की तिरुमलगिरी क्षेत्रीय बैठक संपन्न

तिरुमलगिरी क्षेत्रीय समिति का गठन, नई कार्यकारिणी घोषित

हैदराबाद, 29 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। जन सेवा संघ की तिरुमलगिरी क्षेत्रीय बैठक जन सेवा संघ के अनुशासन समिति संयोजक श्री पी.पी. पांडेय तथा नार्थ जोन के जोनल प्रेसिडेंट श्री राधेश्याम राय यादव के मार्गदर्शन एवं अध्यक्षता में सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

जन सेवा संघ के कोषाध्यक्ष श्री सुशील श्रीवास्तव द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार बैठक में संगठन की गतिविधियों, सदस्यता विस्तार अभियान तथा विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। उपस्थित पदाधिकारियों ने प्रत्येक माह अधिक से अधिक नए सदस्यों को संगठन से जोड़ने के लक्ष्य पर विशेष जोर दिया। बैठक में संगठन की मजबूती, जनसेवा गतिविधियों के विस्तार तथा समाजहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श किया गया। वक्ताओं ने संगठन के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने और अधिकाधिक लोगों को जन सेवा संघ से जोड़ने का आह्वान किया।

बैठक के दौरान तिरुमलगिरी क्षेत्रीय समिति का गठन करते हुए नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। समिति के अध्यक्ष पद पर श्री सुभाष प्रजापति को मनोनीत किया गया। इसके अतिरिक्त श्री बाबूलाल वर्मा एवं श्री टिकोरी प्रसाद को उपाध्यक्ष, श्री देव विकास को सचिव, श्री श्रीकांत को संयुक्त सचिव तथा श्री लक्ष्मण प्रजापति को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया।

नवगठित समिति में कार्यकारिणी सदस्यों के रूप में श्री रवी वर्मा, श्री राधेश्याम वर्मा, श्री रमेश सिंह, श्री गिरीश शर्मा, श्री अनुज कुमार वर्मा तथा श्री अखिलेश वर्मा को मनोनीत किया गया।बैठक का समापन संगठन के विस्तार, जनसेवा कार्यों को गति देने तथा समाजहित में सक्रिय भूमिका निभाने के संकल्प के साथ हुआ।

पूर्णिमा के शुभ अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता सतीश अग्रवाल एवं सामाजिक कार्यकर्ता श्याम सुन्दर अग्रवाल ने चारमीनार स्थित भाग्यनगर महालक्ष्मी माता के दर्शन कर प्राणिमात्र के लिए सुख शांति एवं अग्रवाल समाज की एकता की कुलदेवी लक्ष्मी माता से प्रार्थना की ।

10 लाख के कबाड़ धोखाधड़ी मामले में ठग गिरफ्तार

हैदराबाद, 29 जून (शुभ लाभ ब्यूरो): मैलारदेवपल्ली पुलिस ने पुराने एल्युमिनियम कबाड़ (स्क्रैप) की धोखाधड़ी से बिक्री से जुड़े एक बड़े जालसाजी के मामले का भंडाफोड़ करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। अपराधियों ने एक स्थानीय व्यवसायी से 10,00,000/- रुपये (दस लाख रुपये) की ठगी की थी।

पुलिस जांच के अनुसार, मामले के दूसरे आरोपी अब्दुल वाहीद (ए-2) ने हैदराबाद के काटेदान इलाके में स्थित एक कबाड़ की दुकान की पहचान की थी। उसने मुख्य आरोपी सैयद सुहैल (ए-1) के साथ मिलकर संभावित खरीदारों को ठगने की साजिश रची। अपनी योजना को अंजाम देने के लिए, ए-1 गत 17 मई 2026 को हैदराबाद पहुंचा। अगले दिन, दोनों आरोपी कबाड़ दुकान के मालिक सुल्तान पटेल और एक व्यवसायी मोहम्मद यासिर पटेल के पास पहुंचे और झूठा दावा किया कि उनके पास बिक्री के लिए पुराने एल्युमिनियम कबाड़ की एक बड़ी खेप उपलब्ध है।

शांडुल्य चैरिटेबल ट्रस्ट ने गौलीगुडा स्थित श्री सावित्री कन्या पाठशाला की 100 छात्राओं को जूते और मोज़े की एक-एक जोड़ी बांटी। इस मौके पर अरविंद जोशी, माधुरी जोशी और विद्या रानी मौजूद थीं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.